শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 163 | गुवाहाटी | मंगलवार, 3 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

गणतंत्र दिवस : तैयारी को लेकर कामरूप (एम) प्रशासन की बैठक पेज 3
कंझावाला हादसे पर बोले एलजी, 'मेरा सिर शर्म से झुक गया है' पेज 4
धान बेचने से लेकर खाद मिलने में किसानों को न हो परेशानी : योगी पेज 5
महाधिवक्ता पूछकर बताए स्पीकर कब तक करेंगे विधायकों के इस्तीफों पर निर्णय पेज 8

प्रतिमा पाण्डेय बरुवा के आवास का अधिग्रहण

अतीत से नाता तोड़कर कोई समुदाय आगे नहीं बढ़ सकता : सीएम

धुबड़ी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सोमवार को धुबड़ी जिला के गौरीपुर शहर में गौरीपुर शाही परिवार के प्रभात चंद्र बरुवा द्वारा बनाए गए *हवा महल* के अधिकार सौंपने के समारोह में शामिल हुए। ग्वालपारिया लोक संगीत की प्रख्यात साम्राज्ञी पद्मश्री दिवंगत प्रतिमा पाण्डेय बरुवा के आवास को उनके परिवार के सदस्यों द्वारा असम सरकार को इसके जीर्णोद्धार और संग्रहालय में बदलने के लिए सौंप दिया। गदाधर नदी के तट पर स्थित, हवा महल का निर्माण 1914 में पूरा हुआ था, उस समय कुल 3.2 लाख रुपए की लागत आई थी। असम सरकार ने प्रतिमा पांडे बरुवा के परिवार के सदस्यों को उनकी पैतृक संपत्ति के स्वामित्व से अलग होने के लिए 15.20 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया। इस आयोजन से संबंधित एक जनसभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि हवा महल को एक विरासत स्मारक और एक संग्रहालय में परिवर्तित करना कला और संगीत के क्षेत्र में उनके असाधारण कार्यों के लिए *ग्वालपरिया लोक संगीत की साम्राज्ञी* के लिए एक उचित श्रद्धांजलि होगी। इस बात पर जोर देते हुए कि हवा महल और इससे जुड़ी वस्तुओं के संरक्षण में वैज्ञानिक दृष्टिकोण की कमी इसके क्रमिक क्षय और विनाश का कारण बन -शेष पृष्ठ दो पर

सियोम नदी पर बने पुल का उद्घाटन आज

इटानगर (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर अरुणाचल प्रदेश पहुंचेंगे। इस दौरान वे यहां सियांग जिले में सियोम नदी पर बने एक पुल का उद्घाटन करेंगे। इस पुल का निर्माण सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने किया है। यह पुल सामरिक दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस पुल के बनने से भारतीय सेना को चीन सीमा तक पहुंचने में समय नही लगेगा। रक्षा मंत्री बीआरओ की तैयार की गई अन्य कई परियोजना का भी उद्घाटन करेंगे।

नोटबंदी कानून और जनता की अदालत में सही : हिमंत

गुवाहाटी। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि नोटबंदी से काले धन पर लगाम लगी है, नक्सली हिंसा में कमी आई है, डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिला है और अब सुप्रीम कोर्ट ने इसे सही ठहराया है। असम के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राफेल डील हो, आधार एक्ट हो, पीएम केयर हो या सेंट्रल विस्टा, विपक्ष ने उन्हें असंवैधानिक करार दिया लेकिन हर बार कानून और जनता की अदालत में गलत साबित हुआ। नोटबंदी को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने नोटबंदी को अनुचित नहीं बताया है। कहीं ना कहीं यह भाजपा के लिए एक बड़ी खबर है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर भाजपा नेता जबरदस्त तरीके से विपक्षी दलों पर हमलावर है। दरअसल, विपक्षी दल लगातार भाजपा को इस मुद्दे पर घेर रहे हैं। इन सबके बीच -शेष पृष्ठ दो पर

कंझावाला मामले में गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के कंझावाला इलाके में हुए हादसे ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। दिल्ली के पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने कहा है कि इस मामले में ऐसी सख्त कार्रवाई करेंगे, जिससे भविष्य में होने वाली ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। वहीं अब पूरे मामले पर गृह मंत्रालय भी एक्शन मोड में नजर आ रहा है। गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे इस केस पर एक विस्तृत रिपोर्ट उन्हें तुरंत सौंपे। -शेष पृष्ठ दो पर

मदरसों में बाहर से आए छात्रों की होगी पुलिस जांच

गुवाहाटी। असम की हिमंत शर्मा सरकार अब मदरसों के बाद उनके शिक्षकों पर सख्ती बरतने जा रही है। मुख्यमंत्री हिमंत ने कहा है कि राज्य के मदरसों में पढ़ाने के लिए असम के बाहर से आए सभी शिक्षकों को नजदीकी पुलिस थाने में *समय-समय पर* पेश होने के लिए कहा जा सकता है। यह कदम पुलिस द्वारा आतंकवादी संगठन अंसारुल बांग्ला टीम के कथित मॉड्यूल पर नकेल कसने के बाद आया है। शर्मा ने कहा कि मदरसों के लिए एक चेकलिस्ट तैयार की गई है, हालांकि अभी तक हितधारकों के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है, लेकिन -शेष पृष्ठ दो पर

संसद का सत्र 31 से, केंद्रीय बजट एक फरवरी को

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू हो सकता है। खबरों के मुताबिक, संसद का बजट सत्र छह अप्रैल तक चल सकता है। सत्र की शुरुआत लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र से होगी। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू दोनों सदनों को संबोधित होगी। यह उनका संसद के दोनों सदनों को पहला संबोधन होगा। जानकारी के मुताबिक, बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों में इकोनॉमिक सर्वे को पेश किया जाएगा। इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में केंद्रीय बजट पेश करेंगी। बजट एक फरवरी को पेश किया जा सकता है। सत्र का पहला भाग 10 फरवरी तक जारी रह सकता है। इसके बाद बजट सत्र का दूसरा भाग छह मार्च को शुरू -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

जम्मू में दो बच्चियों की मौत आधार कार्ड देख-देखकर हत्याएं

श्रीनगर। राजौरी में डांगरी इलाके के मुख्य चौक पर आतंकी हमले में मारे गए लोगों का शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया जा रहा है। लोगों की मांग है कि एलजी मनोज सिन्हा मौके पर पहुंचकर उनसे बात करें। जम्मू में राजौरी जिले के डांगरी गांव में सोमवार सुबह आईईडी ब्लास्ट हुआ। इसमें दो बच्चियों की मौत हो गई। 4 घायल हैं। धमाका उन 3 घरों में से एक में हुआ, जहां रविवार शाम आतंकवादियों ने फायरिंग की थी। इस आतंकी हमले में 4 हिंदुओं की जान चली गई थी और 7 घायल हैं। एडीजीपी मुकेश सिंह ने कहा कि पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। एनआईए की टीम भी यहां जांच करेगी। एक आईईडी मिला था, उसे इलाके से हटा दिया गया है। सर्च ऑपरेशन चल रहा है। ऐसी आशंका है कि रविवार शाम फायरिंग के बाद ही आतंकवादियों ने घर में आईईडी रख दिया होगा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को डांगरी गांव का दौरा किया। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को सहायता दी जाएगा। साथ ही इन परिवारों -शेष पृष्ठ दो पर

नोटबंदी के बाद भी 245 करोड़ से अधिक का जाली नोट जब्त

नई दिल्ली। देश में नकली भारतीय करेंसी नोटों (एफआईसीएन) का चलन साल 2016 की नोटबंदी के बाद भी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। नेशनल क्राइम कंट्रोल ब्यूरो (एनसीआरबी) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2016 में 500 और 1000 रुपए के नोटों के बंद होने के बाद से देश भर में कुल 245.33 करोड़ रुपए के नकली नोटों को जब्त किया गया है। आरबीआई की 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष की तुलना में 10 रुपए, 20 रुपए, 200 रुपए, 500 रुपए और 2,000 रुपए के मूल्यवर्ग में पकड़े गए नकली नोटों में क्रमश: 16.4 प्रतिशत, 16.5 प्रतिशत, 11.7 प्रतिशत, 101.9 प्रतिशत और 54.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2020 में 92.17 करोड़ रुपए के अंकित मूल्य के साथ जाली नोटों की सबसे अधिक राशि जब्त की गई थी, जबकि साल 2016 के दौरान सबसे कम 15.92 करोड़ रुपए के अंकित मूल्य को जब्त किया गया था। साल 2021 के दौरान देश में कुल 20.39 करोड़ रुपए के नकली नोटों को जब्त किया गया। साल 2019 में 34.79 करोड़ रुपए, 2018 में 26.35 करोड़ रुपए और 2017 में 55.71 करोड़ रुपए जब्त किए गए। देश में नकली नकली नोटों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आरबीआई ने मई 2022 में अपने वार्षिक रिपोर्ट में बताया था कि बैंकिंग प्रणाली द्वारा पता लगाए गए 500 मूल्यवर्ग के नकली नोटों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 में दोगुनी से अधिक होकर 79,669 हो गई। सिस्टम में पाए गए 2,000 मूल्यवर्ग के नकली नोटों की संख्या साल 2021-22 के दौरान 13,604 थी, जो पिछले वित्तीय वर्ष -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

पाकिस्तान में तालिबान राज टीटीपी ने किया एलान

इस्लामाबाद। आतंकवाद को बढ़ावा देने व आंतकियों को पालने वाला पाकिस्तान अब खुद इसका शिकार बन रहा है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जिसे पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है ने रविवार को देश में अपनी सरकार बनाने का एलान कर दिया है। टीटीपी ने कुछ नई *नियुक्तियों* की घोषणा की है जिनको रक्षा, न्याय, सूचना, राजनीतिक मामले, आर्थिक मामले, शिक्षा, फतवा जारी करने वाली अथॉरिटी, निर्माण और खुफिया विभाग जैसे *मंत्रालयों* में बांटा गया है। कुख्यात आतंकवादी संगठन की ये नियुक्तियां सुनने में बिल्कुल किसी *नई सरकार* के गठन जैसा है। जानकार लोग इसे तालिबान के अफगानिस्तान कब्जे से जोड़कर देख रहे हैं। टीटीपी के बनाए रक्षा मंत्रालय का नेतृत्व मुफ्ती मुजाहिम के हाथ में है। मुफ्ती मुजाहिम -शेष पृष्ठ दो पर

नोटबंदी से तबाह हुई देश की अर्थव्यवस्था : खरगे

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि नोटबंदी के कारण देश की अर्थव्यवस्था तबाह हुई है। केंद्र का यह निर्णय भारतीय अर्थव्यवस्था पर एक गहरे जख्म की तरह हमेशा रहेगा। खरगे ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि नोटबंदी का परिणाम यह रहा है कि इस दौरान 120 लोगों की जानें गईं, करोड़ों लोगों का रोजगार छीना, असंगठित क्षेत्र तबाह हुआ, काला धन कम नहीं हुआ। बाजार में नकली नोट बढ़े हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

पंजाब व हरियाणा सीएम आवास के पास जिंदा बम

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर 2 स्थित राजिंदरा पार्क आम के बाग में सोमवार दोपहर जिंदा बम मिलने से हड़कंप मच गया। यह वीवीआईपी इलाका है। जहां नजदीक में ही पंजाब के सीएम भगवंत मान और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का सरकारी आवास है। यही नहीं, इसकी कुछ दूरी पर हेलीपेड है, जहां सीएम भगवंत मान का हेलिकॉप्टर उतरता है। बम की सूचना मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस की टीम बम और डॉग स्क्वायड लेकर मौके पर पहुंची। बम को चारों तरफ से कवर करने के बाद आर्मी बुलाई गई है। आर्मी की टीम इसे कल डिफ्यूज करेगी। वहीं पंजाब और हरियाणा पुलिस के सीनियर अफसर भी बम बरामदगी वाली जगह पर पहुंच गए हैं। राजिंदरा पार्क के आगे स्थित आम के बाग में ट्यूबवेल लगा हुआ है। सोमवार दोपहर जब ऑपरेटर ट्यूबवेल चलाने गया तो उसने यह बम देखा। उसने तुरंत चंडीगढ़ पुलिस को इसकी सूचना दी। जिसके बाद पुलिस फोर्स वहां पहुंची और तुरंत पूरे इलाके को सील कर दिया। फिलहाल उसके पास किसी को -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

आग में आग नहीं डालनी चाहिए। अर्थात क्रोधी व्यक्ति को अधिक क्रोध नहीं दिलाना चाहिए।

\- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

अमित शाह इस माह 11 राज्यों का करेंगे दौरा

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह अपनी पार्टी के *लोकसभा प्रवास* कार्यक्रम के तहत इस महीने 11 राज्यों की यात्रा करेंगे। जिसका उद्देश्य 2024 में होने वाले आम चुनाव से पहले लक्षित संसदीय क्षेत्रों में इसकी संभावनाओं को बढ़ाना है। पार्टी के अनुसार, अमित शाह 5 जनवरी को त्रिपुरा और 6 जनवरी को मणिपुर और नगालैंड में रहेंगे। वह 7 जनवरी को छत्तीसगढ़ एवं झारखंड और 8 जनवरी को आंध्र प्रदेश की यात्रा करेंगे। इसके बाद वह 16 जनवरी को उत्तर -शेष पृष्ठ दो पर

धर्मांतरण मामला : सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्टों से मांगी जानकारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अंतर्धार्मिक विवाहों के कारण धर्म परिवर्तन को विनियमित करने वाले विवादास्पद राज्य कानूनों को चुनौती देने वाले विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष लंबित मामलों की स्थिति जानने की कोशिश की। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि यदि सभी मामले समान प्रकृति के हैं तो वह उन सभी को अपने पास स्थानांतरित कर सकता है। शीर्ष अदालत ने अपनी रजिस्ट्री को उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली गुजरात सरकार की अपील की स्थिति से अवगत कराने के लिए भी कहा। न्यायालय ने राज्य के धर्म की स्वतंत्रता अधिनियम, 2003 की धारा 5 के संचालन पर रोक लगा दी थी, जिसमें विवाह के माध्यम से धर्मांतरण के लिए जिला मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति अनिवार्य थी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ ने एनजीओ सिटीजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस और उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश राज्यों को विवाह के माध्यम से धर्मांतरण पर राज्य के कानूनों को चुनौती देने वाले मामलों की स्थिति से अवगत कराने को कहा। पीठ ने कहा कि आप सभी मामलों की स्थिति, कानून को चुनौती, अध्यादेश या संशोधन और संबंधित उच्च न्यायालय के समक्ष कार्यवाही के चरण का संकेत देते हुए एक नोट दाखिल करते हैं। हम मामले का विवरण चाहते हैं। हमने एक निर्णायक दृष्टिकोण नहीं लिया है, लेकिन यदि ये सभी मामले पेर मटेरिया (एक ही विषय या मामले पर) हैं, तो हम उन सभी को यहां -शेष पृष्ठ दो पर

पृथ्वी की ओर तेजी से बढ़ रहा क्षुद्रग्रह : नासा

नई दिल्ली। नासा ने नए साल पर लोगों को एक अलर्ट जारी किया है। समय-समय पर अंतरिक्ष के बारे में नई जानकारी देने वाले नासा ने कहा कि आज धरती की ओर एक बड़ा क्षुद्रग्रह बढ़ रहा है। नासा के अनुसार यह क्षुद्रग्रह 72 फीट बड़ा है और काफी तेजी से धरती की ओर बढ़ रहा है। नासा ने इस क्षुद्रग्रह की गति और धरती से इसकी दूरी के बार में भी बताया है। ये एस्टेरॉयड 2022 वाईजी5 के नाम से जाना जाता है। नासा द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आधुनिक भारतीय इतिहास पर शोध के दायरे बढ़ाने पर जोर : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नेहरु मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी (एनएमएमएल) सोसायटी की वार्षिक आम बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में मोदी ने देश के इतिहास के बारे में लोगों के बीच बेहतर जागरूकता पैदा करने के लिए आधुनिक भारतीय इतिहास पर शोध के दायरे को व्यापक बनाने की जरुरत पर बल दिया। उन्होंने संस्थानों से आह्वान किया कि अच्छी तरह से समीक्षा की गई है और शोध परक स्मृतियां तैयार करें जिससे वर्तमान के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को लाभ हो सके। प्रधानमंत्री संग्रहालय के डिजाइन और सामग्री पर संतोष व्यक्त करते हुए मोदी ने कहा कि यह संग्रहालय वस्तुनिष्ठ और राष्ट्र-केंद्रित है, व्यक्ति-केंद्रित नहीं है। यह न तो अनुचित प्रभाव से और न ही किसी आवश्यक तथ्यों के अनुचित अभाव से ग्रस्त है। भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की उपलब्धियों और योगदान को उजागर करने वाले संग्रहालय के संदेश को लोगों तक पहुंचाने के लिए उन्होंने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में इस संबंध में प्रतियोगिताओं का आयोजन करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि निकट भविष्य में संग्रहालय देश और दुनिया से दिल्ली आने वाले पर्यटकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बनकर उभरेगा। सन 1875 में आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती की साल 2024 में मनाई जाने वाली 200वीं जयंती का उल्लेख करते हुए नरेंद्र मोदी ने देश भर के शैक्षणिक और सांस्कृतिक संस्थानों इनके जीवन के बारे में शोध पत्र तैयार करने का आह्वान किया।

कॉलेज कैंपस में युवक ने छात्रा को चाकू मारा, मौत

बेंगलुरु। बेंगलुरु के प्रेसिडेंसी कॉलेज में एक स्टूडेंट ने छात्रा की चाकू मारकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने खुद को भी चाकू मारकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने बताया कि दोनों कोलार के एक ही गांव के रहने वाले हैं। वारदात की वजह अभी तक पता नहीं चल सकी है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि लड़के ने छात्रा को प्रपोज किया था, लेकिन उसने मना कर दिया। इसके बाद गुस्से में लड़के ने इस वारदात को अंजाम दिया। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कॉलेज कैंपस में तैनात सुरक्षाकर्मी घायल छात्रा को उठाकर एम्बुलेंस तक ले जा रहे हैं। आगे चल रहा सिक्योरिटी गार्ड सीटी बजाकर सामने खड़े लोगों को रास्ता बनाने के लिए कहता है। उसके पीछे कुछ सुरक्षाकर्मी छात्रा को लेकर आ रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना 2 जनवरी की दोपहर 1 बजे की है। प्रेसिडेंसी कॉलेज के परिसर में बीटेक के स्टूडेंट पवन कल्याण ने 19 साल की छात्रा लयस्मिथा पर चाकू से हमला कर दिया। इससे छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद पवन ने खुद को चाकू मारकर आत्महत्या करने की कोशिश की। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। यहां डॉक्टरों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। वहीं, हमलावर की हालत भी गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि अब तक की जांच में पता चला है कि आरोपी पवन और छात्रा कोलार शहर के एक ही गांव में रहते हैं। दोनों अलग-अलग कॉलेज में पढ़ते हैं, लेकिन पवन ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह पता नहीं चली है। इससे पहले पिछले साल अक्तूबर में चेन्नई के सेंट थॉमस माउंट रेलवे स्टेशन पर सत्यप्रिया नाम की छात्रा की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। सत्यप्रिया बीकॉम की छात्रा थी। वहीं, आरोपी की पहचान 23 साल के सतीश के रूप में हुई थी। घटना के एक दिन बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था।

सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत, आक्रोशितों ने डंपर फूंका

कछार (हि.स.)। कछार जिले के उधरबांधा सड़क पर बीती रात तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सुहेल अहमद के रूप में हुई है। दुर्घटना को लेकर बीती रात उत्तेजित भीड़ ने दुर्घटना का कारण बने डंपर को आग के हवाले कर दिया। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया है कि घटना बीती मध्य रात्रि डेढ़ बजे के आसपास उदारबंद के पांच माइल इलाके में हुई। सुहेल अहमद अपनी स्विफ्ट कार से घर जा रहा था। पांच माइल के इलाके में पहुंचने के बाद, विपरीत दिशा में तेज रफ्तार से मिट्टी लेकर आ रहे एक डंपर अनियंत्रित होकर सुहेल के वाहन से टकरा गया। हादसे की तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग अपने घरों से बाहर आए और सुहेल को गंभीर हालत में सिलचर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल पहुंचाया लेकिन सुहेल की रास्ते में ही मौत हो गई। सुहेल की मौत के बाद स्थानीय लोग उत्तेजित हो गए और आक्रोशित लोगों ने डंपर में जमकर तोड़फोड़ करने के बाद उसमें आग लगा दी। डंपर सड़क पर जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक नुमाल महतो भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और गुस्साए लोगों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। आक्रोशित लोगों का आरोप है कि अवैध रूप से मिट्टी की ढुलाई करने वालों के चलते इलाके में आएदिन सड़क हादसे हो रहे हैं। पुलिस ने शव को सोमवार सुबह पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। हादसे के बाद डंपर का चालक मौके से फरार हो गया।

नगांव में ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

नगांव (निसं)। नगांव पुलिस ने आज तलाशी अभियान चलाकर एक ड्रग्स माफिया को गिरफतार करने में सफल रहा। सदर थानांतर्गत भकतगांव से सिद्दिक अली नामक एक ड्रग्स माफिया को आज तड़के सुबह गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार माफिया से चार हेरोइन की बाक्स बरामद किया है,जिसकी किमत बाजार में लाखों रुपए है। पुलिस को एक विशेष सुत्र से पता चला था कि भकतगांव में उक्त ड्रग्स माफिया धड़ल्ले से अपना कारोबार चला रहा है और शहर के विभिन्न इलाकों में ड्रग्स और नशीले पदार्थ सप्लाई करने में उसका सबसे बड़ा हाथ रहता है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर थाने में गहन पुछताछ कर रही है। पुलिस को संदेह है कि पुछताछ से और कई ड्रग्स माफिया के नाम पुलिस के हाथ लग सकती है।

महिला का शव बरामद

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के बाईहाटा चाराली इलाके में एक महिला का शव बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि सोमवार को बाईहाटा चाराली के केन्दूकोना रेलवे स्टेशन के करीब एक महिला का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मृत महिला की पहचान नहीं हो पाई है। मृत महिला के शरीर पर जख्म के काफी निशान पाए गए हैं। मृत महिला की उम्र लगभग 50 साल के आसपास बताई गई है। पुलिस ने बताया कि महिला की हत्या की गई है या महिला ने ट्रेन के आगे छलांग लगाकर आत्महत्या की है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही यह साफ हो पाएगा। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

असम प्रदेश भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ का राज्य अधिवेशन आयोजित

गुवाहाटी (हि.स.)। असम प्रदेश भाजपा राज्य सहकारिता प्रकोष्ठ का प्रथम अधिवेशन सोमवार को गुवाहाटी के वशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित किया गया। प्रदेश अधिवेशन का शुभारंभ संगठन महासचिव फणींद्र नाथ शर्मा ने किया। प्रदेश अधिवेशन की शुरुआत भारतमाता पूजन के साथ हुई और अध्यक्षता सहकारी प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक दिलजीत बर्मन ने की। सहकारिता प्रकोष्ठ के अधिवेशन का उद्घाटन करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने युवा पीढ़ी से वैज्ञानिक तरीके से सहकारी समितियों को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भाजपा असम प्रदेश कमेटी आत्मनिर्भर असम के निर्माण के हित में उत्पादन बढ़ाने और उचित बाजार बनाने पर अधिक ध्यान देगी और इस संबंध में सहकारी प्रकोष्ठों की जिम्मेदारी सबसे बड़ी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व असम सरकार की सहकारिता मंत्री नंदिता गार्लोसा ने कहा कि असम में पूर्ण सफलता प्राप्त करने के लिए सहकारी क्षेत्र में भाजपा के सक्रिय, सक्षम और मेहनती कार्यकर्ताओं का सहयोग आवश्यक है। मंत्री नंदिता गार्लोसा ने सहकारी समितियों से उत्पादन बढ़ाने पर बिक्री बाजार बनाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया और सहकारी प्रकोष्ठों को सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने का वादा किया। सतिया के विधायक पद्म हजारिका ने प्रदेश विधायक ने प्रदेश अधिवेशन कंटेंट पर्सन के रूप में हिस्सा लिया। अपने संबोधन में विधायक ने कार्य संस्कृति के साथ एक कुशल राजनीतिक कार्यकर्ता बनाने के लिए सहकारिता प्रकोष्ठ में अपनी रुचि व्यक्त की। हजारिका ने कन्याका कोऑपरेटिव सोसाइटी के गठन के बाद से इसकी सफलताओं के बारे में बताया और कहा कि करियर का सही विकल्प असम के युवाओं का लक्ष्य होना चाहिए। प्रदेश प्रवक्ता एवं प्रकोष्ठ के पर्यवेक्षक मनोज बरुवा ने सहकारिता शीर्ष गीत का शुभारंभ किया। प्रदेश सदस्य भ्रमर मजूमदार की अध्यक्षता में आयोजित अधिवेशन में नलबारी के शंकरदेव जैविक कृषि फार्म, सीताजखला डेयरी सहकारी समिति और असम जनता कोइर सहकारी समिति के सदस्यों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के साथ ही वृहत्तर असम के मोरंगा लोगों पर प्रदीप शर्मा द्वारा तैयार और ज्योतिराज भुइयां द्वारा निर्मित एक वृत्तचित्र का विमोचन सतिया निर्वाचन क्षेत्र के विधायक पद्म हजारिका ने किया। अधिवेशन में गुवाहाटी की सांसद क्वीन ओझा ने प्रदेश भाजपा के मुखपत्र असमिया भाजपा वार्ता के 2023 के पहले अंक का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि मुखपत्र पार्टी की नीतियों और आदर्शों को लोगों तक पहुंचाता है। साथ ही सरकार के विकास कार्यों को भी राज्यवासियों को अवगत कराता है। अधिवेशन में प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक भट्टराई, प्रदेश उपाध्यक्ष रेखारानी दास बोडो, कार्यालय सचिव सुजीत विश्वास, भाजपा बार्ता सचिव जितेन शर्मा के अलावा प्रदेश भाजपा के 40 संगठनात्मक जिलों के संयोजक और सह-संयोजक सहित बड़ी संख्या पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पृष्ठ एक का शेष

अतीत से नाता तोड़कर ...

रही है, मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि आज औपचारिक रूप से स्वामित्व सौंपने से यह सुनिश्चित होगा कि महान ऐतिहासिक महत्व वाली संरचना को अब से इसकी उचित देखभाल और ध्यान मिलेगा। उन्होंने प्रतिमा पांडे बरुवा के परिवार के सदस्यों की उदारता के लिए उनका आभार व्यक्त किया, क्योंकि पैतृक संपत्ति से अलग होना किसी के लिए भी आसान निर्णय नहीं होता है। हवा महल का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालपरिया लोक संगीत देश भर में दूर-दूर तक फैला है, असम सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि परिसर का विकास करते समय गौरीपुर के लोगों की भावनाओं का ख्याल रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य दिसंबर 2023 तक नवीनीकरण और जीर्णोद्धार को पूरा करना है और 1 जनवरी, 2024 से हवा महल को जनता के लिए खोलना है। मुख्यमंत्री ने प्रतिमा पाण्डेय बरुवा के जीवन और कार्यों के बारे में भी बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक शाही परिवार में पैदा होने के बावजूद उन्होंने आम आदमी की तरह जीवन जीना पसंद किया, उनका संगीत, उनकी सादगी और असाधारण व्यक्तित्व का प्रतिबिंब था। उन्होंने विशेष रूप से महावत और हाथियों के बीच संबंधों की उनकी टिप्पणियों का उल्लेख किया, जिसे उन्होंने अपने संगीत कार्यों के माध्यम से चित्रित किया। यह कहते हुए कि एक समुदाय लंबे समय तक नहीं बढ़ सकता है, अगर वह अपने इतिहास और अतीत से अपने संबंधों को तोड़ देता है। मुख्यमंत्री ने धुबड़ी जिला के निवासियों से अपील की कि वे धार्मिक और जातीय बंधनों से ऊपर उठें और क्षेत्र के समृद्ध विभिन्न स्वदेशी मान्यताओं और संस्कृति और संरक्षण के लिए एक छत के नीचे एकजुट हों। आज के कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री बिमल बोरा, धुबड़ी के पालक मंत्री जयंत मल्लबरुवा, श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र सोसायटी के सचिव सुदर्शन ठाकुर, सांस्कृतिक मामलों के विभाग के सचिव लय मादुरी सहित सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिमा पांडेय बरुवा के परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे।

नोटबंदी कानून और ...

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने साफ तौर पर कहा है कि जनता और कानून की अदालत में विपक्ष एक बार फिर से गलत साबित हुआ है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि नोटबंदी को लेकर विपक्ष ने होहल्ला मचाया था, लेकिन 2016 के बाद से कई चुनावी जनादेशों ने ऐतिहासिक फैसले को जनता का समर्थन साबित किया है। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि नोटबंदी से काले धन पर लगाम लगी है, नक्सली हिंसा में कमी आई है, डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिला है और अब सुप्रीम कोर्ट ने इसे सही ठहराया है। असम के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राफेल डील हो, आधार एक्ट हो, पीएम केयर हो या सेंट्रल विस्टा, विपक्ष ने उन्हें असंवैधानिक करार दिया लेकिन हर बार कानून और जनता की अदालत में गलत साबित हुआ। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कांग्रेस को चुनिंदा अल्पसंख्यक फैसलों का हवाला देने और बहुमत के फैसले को नजरअंदाज करने की आदत है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्पष्ट करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिया गया फैसला देशहित में था। उसमें सभी प्रावधानों का पालन किया गया था। आरबीआई से भी बात की गई थी। इससे किछ विपक्षी दलों के पेट में दर्द हुआ था। उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने केंद्र सरकार के 2016 में 500 और 1000 रुपए की श्रृंखला वाले नोटों को बंद करने के फैसले को सोमवार को 4:1 के बहुमत के साथ सही ठहराया। पीठ ने बहुमत से लिए गए फैसले में कहा कि नोटबंदी की निर्णय प्रक्रिया दोषपूर्ण नहीं थी। हालांकि न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने सरकार के फैसले पर कई सवाल उठाए। न्यायमूर्ति एस. ए. नजीर की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि आर्थिक मामले में संयम बरतने की जरूरत होती है और अदालत सरकार के फैसले की न्यायिक समीक्षा नहीं कर सकती। पीठ में न्यायमूर्ति नजीर के अलावा न्यायमूर्ति बी. आर. गवई , न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना, न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमण्यन भी शामिल हैं।

कंझावाला मामले पर...

इससे पहले आज लड़की का पोस्टमार्टम कर लिया गया। 3 डॉक्टरों के पैनल ने पीड़िता के शव का पोस्टमार्टम किया, जिसे उपेंद्र किशोर द्वारा लीड किया जा रहा था। किशोर एलएनजेपी के फॉरेंसिक डिपार्टमेंट के हेड हैं। पोस्टमार्टम करीब 1 घंटे तक चला है। दिल्ली पुलिस ने शहर में कुछ किलोमीटर तक एक महिला को कार से घसीट कर ले जाने के बाद हुई मौत के मामले में सोमवार को पांच आरोपियों की तीन दिन की हिरासत मंजूर कर ली। बता दें कि दो जनवरी स्कूटी सवार एक युवती को टक्कर मारने और फिर उसके शव को कार से 12 किलोमीटर तक घसीटे जाने की घटना के एक दिन बाद बाहरी दिल्ली के सुल्तानपुरी में सोमवार को लोगों ने प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि पुलिस बलात्कार के मामले को दुर्घटना मानकर इस पर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसे दुर्लभतम अपराध करार दिया और घटना के जिम्मेदार लोगों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की। वहीं, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि इस अमानवीय अपराध से उनका सिर शर्म से झुक गया है।

मदरसों में बाहर से ...

चीजें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने रविवार को कहा कि असम पुलिस मदरसा शिक्षा को *तर्कसंगत* बनाने के लिए राज्य में मुसलमानों के साथ काम कर रही है। असम में लगभग 3,000 पंजीकृत और अपंजीकृत मदरसे हैं। इन्हीं मदरसों में पुलिस ने बीते दिनों आतंकी मॉड्यूल का पता लगने पर खोज अभियान चलाया था। इस खोज अभियान में मदरसा के प्रचारकों के बीच 51 बांग्लादेशियों की खोज की गई थी। शर्मा ने कहा कि पुलिस बंगाली मुसलमानों के साथ समन्वय कर रही है, जिनका मदरसों में *अच्छा माहौल* बनाने के लिए शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। शर्मा ने कहा कि मदरसों में विज्ञान और गणित को भी विषयों के रूप में पढ़ाया जाएगा और शिक्षा के अधिकार का सम्मान किया जाएगा और शिक्षकों का एक डेटाबेस बनाए रखा जाएगा।

जम्मू में दो बच्चियों ...

के एक-एक सदस्य को नौकरी भी दी जाएगी। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने इस आतंकी हमले की निंदा की। उन्होंने ट्वीट किया कि मैं राजौरी जिले में इस लक्षित हमले की निंदा करता हूं और मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। आईईडी धमाके के बाद भी उन्होंने ट्वीट किया। इसमें लिखा कि सुरक्षाबलों की ओर से इस स्पष्ट लापरवाही की जांच की जानी चाहिए। अतीत में सीखे गए सबकों ने हमें सिखाया है कि मुठभेड़ों/हमलों की जगहों को पूरी तरह से सर्च किए बिना उन्हें लोकल को नहीं सौंपना चाहिए। राजौरी में इस एसओपी का पालन क्यों नहीं किया गया? राजौरी में हुए आतंकी हमले पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि ये बहुत दुख की बात है कि आतंकवाद अभी भी इस रियासत में चल रहा है। बेगुनाहों को मारा जा रहा है। पूरे देश में जिस तरह की नफरत फैलाई जा रही है, ये उसी का नतीजा है। आज मुसलमान को अलग और हिंदुओं को अलग खड़ा किया जा रहा है। कौन जिम्मेदार है? कौन नफरत फैला रहा है? इस पर गृह मंत्रालय में रास्ता निकालने की जरूरत है। डांगरी में हिंदुओं की हत्या के विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा था। इसके खत्म होने के कुछ देर बाद ही एक घर में धमाका हुआ और अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद पुलिस ने पूरा इलाका सील कर दिया। लोगों ने बताया कि रविवार शाम आतंकवादी आए और लोगों को घरों से बाहर निकाला। वे सभी का आधार कार्ड देख रहे थे। इसके बाद उन्होंने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। हमले में सतीश कुमार (45), प्रीतम लाल (56), शिवपाल (32) की मौत हो गई। चौथे मृतक का नाम अभी सामने नहीं आया है।

नोटबंदी के बाद भी ...

से 54.6 प्रतिशत अधिक थी। हालांकि साल 2020-21 में इसमें गिरावट दर्ज की गई थी, जिसके बाद बैंकिंग क्षेत्र में पाए गए सभी मूल्यवर्ग के नकली नोटों की कुल संख्या पिछले वित्त वर्ष में 2,08,625 से बढ़कर 2,30,971 हो गई। मालूम हो कि साल 2019-20 के दौरान एफआईसीएन की संख्या 2,96,695 थी। मालूम हो कि 8 नवंबर 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि 500 और 1000 रुपए के नोट उसी आधी रात से कानूनी रूप से चलन में नहीं रहेंगे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा था कि यह फैसला भ्रष्टाचार, काले धन और आतंकवाद से लड़ने के लिए लिया गया है। नोटबंदी के बाद 2,000 रुपए के नोट और 500 रुपए के नए डिजाइन के नोट जारी किए गए थे।

संसद का सत्र 31 ...

होगा और यह 6 अप्रैल तक चल सकता है। बजट सत्र के पहले भाग में दोनों सदनों में राष्ट्रपति के संबोधन पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी। इसके बाद केंद्रीय बजट पर चर्चा की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के संबोधन पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देंगे। वित्त मंत्री सीतारमण भी केंद्रीय बजट पर होने वाली बहस का जवाब देंगी। बजट सत्र के दूसरे भाग के दौरान सरकार के विधायी एजेंडे के अलावा विभिन्न मंत्रालयों की अनुदान मांगों पर चर्चा पर प्रमुख ध्यान दिया जाता है। केंद्रीय बजट को एक धन विधेयक के तौर पर सत्र के इस भाग के दौरान पारित किया जाता है। नए संसद भवन का काम सेंट्रल विस्टा डेवलपमेंट के हिस्से के रूप में किया जा रहा है। संसद के निर्माण में शामिल लोगों को भरोसा है कि बजट सत्र का दूसरा भाग नए संसद भवन में आयोजित किया जा सकता है। पिछले सत्र के दौरान लोकसभा में नौ बिल पेश किए गए और सात बिल संसद के निचले सदन द्वारा पारित किए गए। राज्यसभा ने नौ विधेयक पारित किए और सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयकों की कुल संख्या नौ थी।

पाकिस्तान में तालिबान...

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल है। यह मंत्रालय दो जोन में बंटा हुआ है, नॉर्थ और साउथ। इसमें पेशावर, मलकंद, मर्दन, डेरा इस्माइल खान, बन्नू, कोहाट और झोब जैसे इलाके शामिल हैं। एक स्पेशल इस्तिशादी फोर्स भी इस मंत्रालय का हिस्सा है जिसमें सुसाइड बॉम्बर्स का एक पूरा बेड़ा शामिल है। टीटीपी के खुफिया निदेशालय का प्रमुख नूर वली महमूद है। दारुल कजा में 20 और दारुल इफ्ता में 14 सदस्य हैं। द खोरासन डायरी के को-फाउंडर निजामुद्दीन खान टीटीपी की इन नियुक्तियों को अफगान तालिबान से जोड़कर देख रहे हैं। एक ट्वीट में उन्होंने लिखा कि जैसे अल कायदा ने अल शबाब के सोमालिया पर कब्जे करने की क्षमता की घोषणा की थी, जिस तरह अफगान तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया था, ठीक उसी तरह टीटीपी ने भी पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के लिए घोषणाएं की हैं। टीटीपी की घोषणा पाकिस्तानी नागरिक सरकार और उसके सैन्य प्रतिष्ठान की संप्रभुता को सीधे चुनौती माना जा रहा है। टीटीपी के इस एलान के बाद कई सवाल खड़े होने लगे हैं, जैसे क्या पाकिस्तान पर अब आतंकी राज हो सकता है? या क्या आने वाले दिनों में पाकिस्तान का हाल अफगानिस्तान जैसा हो सकता है? आपको बता दें कि टीटीपी तालिबान से संबद्ध है, जिसने पिछले साल अगस्त में पड़ोसी अफगानिस्तान में सत्ता पर कब्जा कर लिया था। कट्टरपंथी इस्लामिक संगठन ने पिछले साल नवंबर में सरकार के साथ अफगान तालिबान की मध्यस्थता वाले संघर्ष को खत्म करने की घोषणा के बाद से हमले तेज कर दिए हैं।

नोटबंदी से तबाह...

आगे उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा नोटबंदी का निर्णय भारतीय अर्थव्यवस्था पर एक गहरे जख्म की तरह हमेशा रहेगा। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच ने 2016 में हुई नोटबंदी के खिलाफ दाखिल याचिकाओं को 4-1 के बहुमत से खारिज कर दिया, जिसके बाद कांग्रेस ने साफ किया कि वह नोटबंदी के खिलाफ है और यह मानते हैं कि नोटबंदी के कारण देश को बड़ा नुकसान हुआ है।

पंजाब व हरियाणा...

भी जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। बम का जिंदा होने की वजह पुलिस ने तुरंत एहतियाती कदम उठाए। बम को फाइबर के ड्रम में रख दिया गया है। इसके चारों तरफ सैंड बैग रख दिए गए हैं, ताकि फटने की सूरत में इससे आसपास के इलाकों को नुकसान न पहुंचे। कोई भी व्यक्ति बम के नजदीक न जाए, इसके लिए चारों तरफ पुलिस तैनात कर दी गई है। बम को डिफ्यूज करने के लिए चंडी मंदिर से आर्मी की टीम मंगलवार सुबह पहुंचेगी। आर्मी अधिकारियों के मुताबिक उन्हें दूरी से सूचना मिली। अंधेरा होने की वजह से अब बम को डिफ्यूज करने का ऑपरेशन करना संभव नहीं है। यह खतरनाक हो सकता है। इस वजह से इसे टाल दिया गया। एक्सपर्ट के मुताबिक यह जिंदा बम है तो स्ट्राइक करने की स्थिति में यह बम फट सकता है। पहले भी ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जब कबाड़ में खरीदे ऐसे बम को तोड़ने के लिए हथौड़ा या अन्य भारी चीज से वार किया गया तो वह फट गया। इस वजह से पुलिस की टीमें पूरी एहतियात बरत रही हैं। चंडीगढ़ पुलिस के मुताबिक बम में कुछ कोड लिखे हुए हैं। जो देखने में आर्मी के लग रहे हैं। इसी वजह से अब इसकी जांच आर्मी ही करेगी कि बम कहां से आया। पुलिस ने इस संबंध में जानकारी देने के लिए भी आर्मी के अफसरों से मदद मांगी है।

धर्मांतरण मामला : सुप्रीम कोर्ट ...

स्थानांतरित कर देंगे या यदि कार्यवाही एक उन्नत चरण में है, तो हम उच्च न्यायालयों को आगे बढ़ने देंगे शीर्ष अदालत ने एनजीओ और राज्य सरकारों से दो सप्ताह में अपना नोट दाखिल करने को कहा। शुरुआत में, एनजीओ की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने कहा कि शुरू में इसने उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के कानूनों और मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के समान कानूनों पर अध्यादेशों को चुनौती दी थी जो अब अधिनियम बन गए हैं। उन्होंने कहा कि 17 फरवरी, 2021 को पिछली सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने एनजीओ को अपनी लंबित याचिका में हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश को पक्षकार बनाने की अनुमति दी थी, जो उसने कर दी है। विभिन्न राज्यों द्वारा बनाए गए ये कानून कमोबेश एक-दूसरे के समान हैं और शीर्ष अदालत के कई ऐतिहासिक फैसलों का उल्लंघन करते हैं। वे अनिवार्य रूप से अंतर-धार्मिक जोड़ों को शादी करने और धर्म परिवर्तन करने के लिए अधिकारियों की अनुमति लेने का निर्देश देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी धर्म को मानने के अधिकार के साथ जीवन साथी चुनने का अधिकार भी। इन कानूनों ने दंपति पर यह साबित करने की जिम्मेदारी भी डाल दी कि वे स्वेच्छा से शादी कर रहे हैं और धर्मांतरण कर रहे हैं।

पृथ्वी की ओर ...

अनुसार एस्ट्रोयड 2022 वाईजी5 काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है और आज धरती के पास से गुजर सकता है। यह 2022 वाईजी5 नाम का एसटेरॉयड 3.7 किमी की दूरे से पृथ्वी के पास के निकलेगा। नासा के अनुसार यह क्षुद्रग्रह काफी पहले से धरती की ओर बढ़ रहा है। वहीं, नासा ने इसकी स्पीड के बारे में बताते हुए कहा कि यह 25680 किलों प्रति घंटा की रफ्तार से धरती के ओर बढ़ेगा, जो कि किसी हाइपरसोनिक मिसाइल से लगभग दोगुनी है। हालांकि पहले इस एस्टेरॉयड के 1 तारीख को धरती के करीब से गुजरने की बात कही गई थी लेकिन अब ये आज गुजरेगा। नासा ने आगे कहा कि यह क्षुद्रग्रह काफी पहले ही नष्ट हो सकता है, जिसके चलते यह प्रथ्वी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगा। वहीं यह पृथ्वी की सतह के लिए किसी भी हालात में खतरा नहीं है, लेकिन फिर भी नासा के प्लेनेटरी डिफेंस कोऑर्डिनेशन आफिस ने इसे खतरनाक वस्तुओं की श्रेणी में डाला है।

अमित शाह इस ...

प्रदेश, 17 जनवरी को पश्चिम बंगाल और 28 जनवरी को कर्नाटक के हुबली में रहेंगे। वहीं गृह मंत्री 29 जनवरी को हरियाणा और पंजाब के उत्तरी राज्यों में होंगे। सत्तारूढ़ पार्टी के लिए एक प्रमुख चुनावी रणनीतिकार के रूप में अमित शाह 2014 से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के विस्तार के लिए अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। गौरतलब है कि पार्टी ने ऐसी 160 सीटों की पहचान की है जिनमें से अधिकांश सीटों पर पार्टी 2019 के चुनावों में हार गई थी, लेकिन पार्टी का मानना है कि यहां संगठन और सामाजिक आधार को मजबूत करके पार्टी जीतने की स्थिति में हो सकती है। हाल ही में दिल्ली नगर निगम और हिमाचल विधानसभा में मिली हार के बाद भाजपा जीत के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती। पार्टी उत्तर भारत में अपने दबदबे को बरकरार रखते हुए दक्षिण में भी तेजी से विस्तार करने की इच्छुक है। भाजपा आने वाले चुनाव के लिए कमर कस चुकी है जिसका जिम्मा पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने उठाया है। वह पूरी रणनीति के साथ मैदान में उतर चुके हैं। कुल मिलाकर पार्टी अभी से 2024 के लोकसभा चुनावों का शंखनाद कर चुकी है।

स्वर्वेद भाष्य

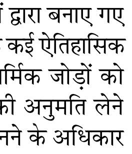

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

चोटी ऊँच उतुंग है, अन्तर गुहा निवास।
झरना शीतल सुभग है, आश वासना नाश॥ 41॥

शब्दार्थ : (चोटी) पहाड़ की ऊंची शिखा, सबसे ऊंचा स्थान (उतुंग) ऊंचा (सुभग) सुंदर, प्रिय।

भाष्य : पहाड़ की ऊंची चोटी है। उसके भीतर गुहा में निवास हैं। पानी का शीतल झरना बह रहा है। सहज योगी समस्त आश-वासनाओं का नाश करके पर्वत की गुहा में बैठकर परमानंद का उपभोग करता है।

एक एकाकी वास है, एक एकान्त विचार।
घोर अरण्य सुशोभित, सेरन बाघ चिकार॥ 42॥

शब्दार्थ : (घोर) भयंकर, (अरण्य) वन (चिकार) शोर, चीत्कार।

भाष्य : योगी का अकेला वास है। वह अकेला, एकांत में तत्वज्ञान का विवेक करता है। वह घोर अरण्य योगी के निवास से सुशोभित हो रहा है, जहां पर शेर और बाघों की चीत्कार सुनाई पड़ता है।

गणतंत्र दिवस : तैयारी को लेकर कामरूप (एम) प्रशासन की बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। आगामी गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए सोमवार को कामरूप (मेट्रो) जिला के उपायुक्त कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस प्रशासन, सेना और अर्धसैनिक बलों के अधिकारियों और विभिन्न विभागों के प्रमुखों ने भाग लिया। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को खानापाड़ा वेटरनरी कॉलेज के मैदान में समारोह स्थल पर सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त रोशनी, पेयजल आपूर्ति, अस्थायी शौचालय आदि लगाने के निर्देश दिए। बैठक में गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) को कूड़ेदानों और कचरे को साफ करने के उपाय करने का भी निर्देश दिया गया। स्कूलों के निरीक्षक को यह सुनिश्चित करने का भी काम सौंपा गया था कि राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा को बनाए रखते हुए स्कूलों में गणतंत्र दिवस मनाया जाए। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ध्रुवज्योति हजारिका ने सभी विभागों से आग्रह किया कि गणतंत्र दिवस के पांच दिन पूर्व प्रशासन अपने-अपने कर्तव्यों का पालन सुनिश्चित करें।

छेड़खानी के आरोप में दो पत्रकार गिरफ्तार

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर के बरघाट पुलिस ने कलियाबर को दो पोर्टल पत्रकारों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि साल के पहले दिन पिकनिक मनाने गई एक युवती पर भद्दी टिप्पणी करने व उससे छेड़खानी करने के आरोप में पुलिस ने दो पोर्टल पत्रकारों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों नगांव जिलांतर्गत कलियाबर के नलताली के निवासी बताए गए हैं। इन पत्रकारों पर शराब के नशे में पिकनिक मनाने आए लोगों की गाड़ी में तोड़फोड़ करने का भी आरोप है। पुलिस के अनुसार है कि कुछ दिन पहले इन दोनों लकड़ी की मिल से जबरन उगाही करने के आरोप लगे थे। इससे संबंधित खबरें राज्य के कई प्रमुख अखबारों की सुर्खियां बनी थीं। पुलिस ने युवती की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई कर रही है।

राज्यपाल ने यू एंड आई कैलेंडर का किया अनावरण

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने प्रथम महिला प्रेम मुखी के साथ सोमवार को राजभवन में एक कैलेंडर 2023 यू एंड आई का विमोचन किया। ज्ञात हो कि कैलेंडर की अवधारणा और डिजाइन पूर्व आयुक्त और राज्यपाल के सचिव संजीब गोहाई बरुवा ने बनाई है। कैलेंडर की तस्वीरें भी बरुआ ने ली थीं। कैलेंडर असम के विभिन्न हिस्सों में पाए जाने वाले पक्षियों के 12 जोड़े की तस्वीरों का संग्रह है। पक्षियों की कुछ तस्वीरें राजभवन की भी हैं। संक्षिप्त कार्यक्रम में राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम तथा राजभवन के अधिकारी उपस्थित थे।

होजाई को अन्य जिले में विलय को लेकर प्रदर्शन

भाजपा सरकार गो बैक आदि नारों से जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान सीपीआई(एम) के जिला समिति के सचिव जूगेश्वर दास ने कहा सरकार के इस सिद्धांत का हम कड़े शब्दों में निंदा व विरोध करते हैं। इस दौरान जिला समिति के सदस्य नारायण देवनाथ, अनु रिजाल, फरीदुद्दीन ने भी वक्तव्य रखा। उधर होजाई जिला कांग्रेस के

होजाई (होसं)। हाल ही में असम सरकार ने होजाई जिला के साथ-साथ अन्य तीन जिलों का जिला का दर्जा रद्द कर दिया है जिसको लेकर होजाई जिले में काफी प्रतिक्रिया व क्षोभ देखने को मिल रहा है। भिन्न दल संगठन होजाई जिला के दर्जे को वापस बरकरार रखने हेतु मांग कर रहे हैं और इसके लिए जगह-जगह पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज वामपंथी दल सीपीआई (एम) ने जिला के मुख्यालय शंकरदेव नगर में धरना प्रदर्शन किया। सो से भी अधिक समर्थकों ने हाथ में बैनर, प्ले कार्ड लेकर नारे लगाते हुए होजाई जिले को वापस जिले के रूप में दर्जा देने की मांग की। असम सरकार हाय-हाय, मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा मुर्दाबाद, तत्वाधान में आज गन साक्षरता अभियान चलाया गया। होजाई जिला के जिले के दर्जे को रद्द कर उसे वापस नगांव जिले के अंदर महकमे के रूप में हाल ही में हिमंत विश्वशर्मा सरकार के फैसले की कड़े शब्दों में निंदा की। इस दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की। होजाई कि जेके केडिया रोड स्थित नेताजी कॉर्नर के समीप कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रतिवाद किया इस दौरान असम प्रदेश कांग्रेस के साधारण सचिव अपूरबा भट्टाचार्य उपस्थित हुए उन्होंने हिमंत विश्वशर्मा के नेतृत्वधीन में भाजपा सरकार की नीति को लेकर कड़े शब्दों में निंदा की। धरने के अंत के बाद असम के राज्यपाल को होजाई जिला कांग्रेस की तरफ से ज्ञापन पत्र प्रेरण किया गया।

चोरी की रेलवे की बैटरी समेत चार गिरफ्तार

चिरांग (हि.स.)। चिरांग जिला के टांगला पुलिस ने रेलवे की चुराई गई बैटरी के मामले में चार चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि तलाशी के दौरान एक बिना नंबर प्लेट के ऑटो को रोककर तलाशी गई। ऑटो से चोरी की 13 बैटरी बरामद की गई। इस मामले में ऑटो में सवार 4 लोगों से पूछताछ की गई तो पता चला ऑटो में मौजूद बैटरी चोरी की है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने ऑटो में सवार चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार चोरों की पहचान कमलेश्वर राय, लोबेन दास, अंसार अली और आश्वानूर से के रूप में की गई है। जब्त सभी बैटरियों को बंगाईगांव रेलवे स्टेशन से चुराई गई थी। घटना की जानकारी पुलिस ने रेलवे पुलिस को दे दी है। रेलवे पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कामरूप के 32 शिक्षकों और कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ स्वीकृत

रंगिया (निसं)। कामरूप जिले के विभिन्न मध्य अंग्रेजी विद्यालयों, उच्च और उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों से 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुए 32 शिक्षकों और कर्मचारियों को आज एकीकृत उपायुक्त कार्यालय, अमिनगांव में आयोजित एक समारोह में उनके जीआईएस और लीव वेतन मंजूरी का आदेश प्रदान किया गया। इस उपलक्ष्य मे आयोजित समारोह के प्रारंभ में विद्यालय के निरीक्षक अपूर्व ठाकुरिया ने वर्ष 2019 के 31 मार्च से मध्य विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिका और कर्मचारियों के लिए शुरू की गई यह प्रक्रिया आगे उच्च विद्यालयों तथा उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों तक बढ़ाया जाएगा। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों से विद्यांजलि तथा कामरूप शिक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई वेस्पा कार्यक्रम के माध्यम से सेवानिवृत्ति के बाद पास के विद्यालयों में पढ़ाकर समाज में सकारात्मक योगदान देने का आग्रह किया। अपने भाषण में, उन्होंने वर्तमान राज्य सरकार द्वारा किए गए उपायों के बारे में भी विस्तार से बताया कि कर्मचारी सेवानिवृत्ति के दिन सेवानिवृत्ति लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर कामरूप जिले के अतिरिक्त उपायुक्त कमल बरुआ, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी बंकिम भागवती, ददरा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सेवानिवृत्त अध्यक्ष तथा विशिष्ठ शिक्षाविद परेश बैश्य, कामरूप जिला अधिविद्या परिषद के सचिव रफीकुद्दीन आहमेद ने भी भाषण प्रदान किया।

लायंस गुवाहाटी ग्रेटर ने बांटे गरम कपड़े व कंबल

गुवाहाटी (नसं)। लायंस क्लब इंटरनेशनल के जिला 322 जी के वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी कार्यक्रम के अंतर्गत गुवाहाटी की सक्रिय क्लब लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर की अध्यक्ष बेला नाउका के नेतृत्व में जरूरतमंदों के बीच गर्माहट प्रदान करने के उद्देश्य से योगदान अभियान चलाकर इस ठंड के मौसम में पिछले दिसंबर महीने में गर्म कंबल और गर्म कपड़ो आदि का वितरण किया गया। इस योगदान अभियान में गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के कुलियों के बीच 120 कंबलऔर रेलवे गेट नंबर 2 और 3 के आसपास झोपड़पट्टी में रहने वाले गरीब जरूरतमंदों के बीच 200 कंबल वितरित किए। इसके साथ ही सड़कों पर झाड़ू लगाने वाले गरीबों के बीच 40 (चालीस) स्वेटर वितरित किए गए। इन सर्दीयो की रातों में सड़क पर ठिठुरते हुए गरीब जरूरतमंदों को 92 कंबल वितरित किए गए। गुवाहाटी शहर के रूपनगर स्थित आशानीर आश्रम मे 10 कंबल और मालीगांव स्थित आनंद मार्ग चिल्ड्रन होम में 11 ट्रैकसूट, 11 मौजे और जैकेट आदि का वितरण किया गया, साथ ही बच्चों को कॉपी, पेंसिल, केक, ब्रेड, मुरी के लड्डू, चिप्स आदि भी प्रदान किए गए। जिलापाल बी एस राठौर की उपस्थिति में आठगांव स्थित गुवाहाटी गौशाला के कर्मचारियों को 20 कंबल प्रदान किए गए एवं जिले की प्रथम महिला लेखा राठौड़ द्वारा भी चार कंबल वितरित किए गए। क्रिसमस पर जू रोड स्थित ब्लू लेडर लाइब्रेरी मे बच्चों के बीच टोपियां वितरित की गई। ज्ञातव्य हो कि इसी महीने प्रमोद हरलालका के सौजन्य से अग्नि पीड़ितों के बीच 200 कंबल वितरित किए गए थे एवं जीएसटी कोऑर्डिनेटर राजेश अग्रवाल की उपस्थिति में सेंट ज्यूड्स कैंसर इंस्टीट्यूट मे भी कैंसर पीड़ित बच्चों के बीच 28 ट्रैकसूट, 28 मौजे और उनके अभिभावकों के बीच 31 कंबल और गर्म कपड़े आदि भी वितरित किए गए। अजय बेला नाउका के सोजन्य से इस अभियान में 250 अपंग बच्चों को कंबल प्रदान की गई। इस अभियान में डॉक्टर एस एस हरलालका, संजय छाबड़ा, प्रदीप अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, दरश माथुर, रतन खाखोलिया, अजय नाउका, बेला नाउका का विशेष सहयोग एवं सोजन्य रहा। क्लब के जनसंपर्क अधिकारी रतन खाखोलिया ने बताया कि इस अभियान में कुल मिलाकर 1055 जरूरतमंद लोग लाभान्वित हुए, क्लब की अध्यक्ष बेला नाउका ने कोषाध्यक्ष अपर्णा अग्रवाल, कविता जैन, सुनयना साबू, प्रेम अग्रवाल, अमीता मोर, अजय मोर, संगीता जालान आदि का इस अभियान मे बहुमूल्य समय और सहयोग देने के लिए हार्दिक घन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

असम-मिजोरम सीमा में नया पुलिस थाना

हैलाकंदी (हि.स.)। हैलाकांदी जिला में असम-मिजोरम सीमावर्ती बिलाईपुर में एक नया पुलिस थाना बनाया गया है। ज्ञात हो कि असम-मिजोरम सीमावर्ती इलाके में आए दिन विवाद होते रहते हैं, जिसको देखते हुए असम सरकार ने थाना स्थापित करने का निर्णय लिया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2010 में लाला थाना अंतर्गत बिलाईपुर में पुलिस चौकी स्थापित किया गया और आज करीब 12 वर्ष बाद पुलिस चौकी को पुलिस थाने में तब्दील किया गया है। आज सुबह एक कार्यक्रम के तहत पुलिस थाने का उद्घाटन किया गया है। इस पुलिस थाना का उद्घाटन असम पुलिस के दक्षिण असम प्रांत के डीआईजी कंकनज्योति सैकिया ने किए। इस मौके पर हैलाकांदी के पुलिस अधीक्षक नवनीत मोहंती एवं स्थानीय विधायक सुजाम उद्दीन लस्कर समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस अवसर पर विधायक लश्कर ने कहा कि नए थाना के कारण इस बड़े इलाके की जनता अब अपने आपको सुरक्षित महसूस करेगी।

खेलो गुवाहाटी इंटर स्कूल टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

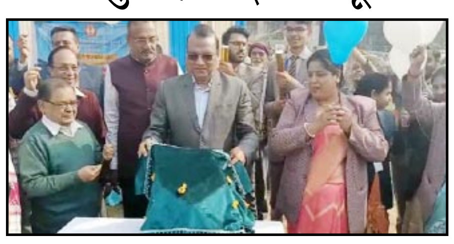

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के नारायण नगर स्थित शिशु निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल के तत्वाधान में सोमवार से इंटर स्कूल टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट खेलो गुवाहाटी टूर्नामेंट का आगाज हुआ। आर्य नगर के आईटीआई मैदान में आज टूर्नामेंट का उद्घाटन शिशु निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पवन अगरवाला ने किया। इस मौके पर प्रबंधन समिति की ओर से किशन लोहिया, कृष्ण कुमार जालान, नवल किशोर मोर के अलावा विभिन्न स्कूलों से आए प्राचार्य एवं टीम के प्रबंधक सहित शिक्षक, बच्चे मौजूद थे। अध्यक्ष अगरवाला एवं उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित करने के पश्चात स्कूल ध्वज और खेल ध्वज फहराया गया, जिसके बाद ट्राफियों का अनावरण किया गया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए गुब्बारे छोड़े गए। प्रबंध समिति के अध्यक्ष ने अपने संबोधन के द्वारा युवा खिलाडियों में सच्ची खेल भावना का संचार कर उन्हें प्रेरित किया। इससे पूर्व आयोजक शिशु निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल की प्रधानाचार्य रीना भौमिक ने संस्थानों के प्रमुख, टीम प्रबंधकों, खिलाड़ियों सहित उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया और खेल के निष्पक्ष खेल की कामना की। उद्घाटन के अवसर पर श्री दिगंबर जैन विद्यालय, रोज बड हाई स्कूल और ब्लू बर्ड इंग्लिश हाई स्कूल के प्रधानाचार्य भी उपस्थित थे। आयोजक स्कूल की प्रधानाचार्य ने बताया कि इस टूर्नामेंट की टैगलाइन लेट्स यूनाइट थ्रू स्पोर्ट्स से ही पता चलता है कि यह टूर्नामेंट स्कूलों के छात्रों के बीच एकता और भाईचारे को बढ़ावा देगा। यह पहल स्कूल द्वारा पहली बार की गई है, ताकि गुवाहाटी के स्कूलों के छात्र उपस्थित हो सकें। इस तरह के खेल आयोजनों के माध्यम से उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट में कुल मिलाकर गुवाहाटी के 13 स्कूल हिस्सा ले रहे हैं। इनमें हैप्पी चाइल्ड हाई स्कूल, श्री दिगंबर जैन विद्यालय, डेंटिन एकेडमी, रोज बड हाई स्कूल, सोनाराम हायर सेकेंडरी स्कूल, एंजल्स एचएस स्कूल, निकोल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, ब्लू बर्ड इंग्लिश हाई स्कूल, वाईडब्ल्यूसीए सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नतून फाटासिल हाई स्कूल, ऑकलैंड इंग्लिश हाई स्कूल, सनफ्लॉवर इंग्लिश स्कूल और शिशु निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। यह टूर्नामेंट लड़कों के साथ-साथ लड़कियों को भी समान रूप से बढ़ावा देना चाहता है। ऐसे में टूर्नामेंट में लड़कों की कुल 13 टीमें और लड़कियों की कुल 6 टीमें भाग ले रही हैं। इन टीमों को चार समूह में बांटा गया है। मैच लीग कम नॉक आउट आधार पर खेले जाएंगे। लीग स्टेज में हर टीम दो मैच खेलेंगी। ग्रुप टॉपर टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। दो या दो से अधिक टीमों के समान अंक होने की स्थिति में योग्यता कुल रन रेट के आधार पर होगी। आगामी 7 जनवरी को समापन समारोह के मौके पर स्कूल विजेताओं की ट्रॉफी के अलावा उपलब्धि हासिल करने वालों खिलाड़ियों को कई अन्य पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

भोगाली बिहू के स्वागत के लिए भेलाघर बनाने की तैयारियों में जुटा असमिया समाज

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। अंग्रेजी नववर्ष के उत्साह के साथ ही अब असम के लोग आगामी भोगाली बिहू के स्वागत की तैयारियों में जुट गए हैं। भोगाली बिहू के एक दिन पहले वाली उरुका की रात को सामूहिक भोजन की तैयारी जोरों पर है। गोलाघाट जिला के नाहरकटिया के ग्रामीण फसल कटाई के बाद खेतों में भेलाघर (धान के खेर से बनने वाली झोपड़ी) को तैयार कर भोगाली बिहू के एक दिन पहले वाली उरुका की रात को सामूहिक भोजन की तैयारी कर रहे हैं। भोगाली बिहू के मद्देनजर अब भेलाघर बनाने के लिए गांव के युवकों से लेकर बुजुर्ग तक जुटे हुए हैं। आकर्षक भेलाघरों के निर्माण में ग्रामीणों में अघोषित प्रतिस्पर्धा लगी है। नाहरकटिया सैबाम गांव के साथ ही बरबाम, सेंगेलीजान, द-पाथर, घृनिया और ताइराई गांव के लोग एक साथ एकजुट होकर खेतों में विभिन्न सामग्रियों के जरिए भेलाघर के निर्माण करने में व्यस्त हैं। इस कार्य में गांव की महिलाएं एवं युवतियां भी सहयोग कर रही हैं। सैबम गांव के खेतों में बने भेलाघर के साथ-साथ गांव के लोगों के घरों में भी आमतौर पर पाए जाने वाले नामघर, खलिहान, बत्तख, मुर्गा आदि की प्रतिकृति भी भेलाघर में बनाया जा रहा है। भेलाघर और मेजी के निर्माण के बीच गांव की महिलाएं और युवतियां ढोल की थाप पर बिहू गीत की धुनों पर चारों ओर नृत्य करती नजर आ रही हैं। भेलाघर के निर्माण में ही नहीं बल्कि उरुका की रात को मेहमानों के मनोरंजन और नाश्ते के लिए महिलाएं ने पिठ्ठा, लड्डू आदि तैयार कर रही हैं। इस तरह प्रत्येक असमिया भोगाली बिहू त्योहार मनाने के लिए पूरे उत्साह के साथ ही भोगाली बिहू के एक दिन पहले वाली उरुका की रात को भोजन की तैयारी कर रहा है।

रंगापानी-न्यू जलपाईगुड़ी-आमबाड़ी फालाकाटा खंड पर कल से 6 जनवरी तक कई ट्रेनें रद्द

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के अंतर्गत न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन पर परिचालन व्यवहार्यता एवं अन्य अवसंरचनात्मक विकास कार्यों के लिए और रंगापानी-न्यू जलपाईगुड़ी-आमबाड़ी फालाकाटा खंड पर 4 से 6 जनवरी तक कई ट्रेनों को रद्द अथवा आंशिक रद्द करने के साथ ही कई ट्रेनों का समय और मार्ग परिवर्तन भी किया गया है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने सोमवार को बताया कि कटिहार मंडल के रंगापानी-न्यू जलपाईगुड़ी-आमबाड़ी फालाकाटा खंड पर स्वचालित सिगनल प्रणाली की शुरुआत के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग और प्री नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य करना आवश्यक हो गया है। इसलिए कुछ ट्रेनों को रद्द, मार्ग परिवर्तन, समय संशोधन और कुछ अन्य को आंशिक रूप से रद्द किया गया है। रद्द होने वाली ट्रेनें-03 और 05 जनवरी तक चलने वाली ट्रेन संख्या 12363 (कोलकाता-हल्दीबाड़ी) एक्सप्रेस, 03 से 06 जनवरी तक चलने वाली ट्रेन संख्या 07521 (सिलीगुड़ी-हल्दीबाड़ी) एक्सप्रेस स्पेशल और 04 से 07 जनवरी तक चलने वाली ट्रेन संख्या 07522 (हल्दीबाड़ी-सिलीगुड़ी) एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 04 से 06 जनवरी तक चलने वाली ट्रेन संख्या 15703 (न्यू जलपाईगुड़ी-बंगाईगांव) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15704 (बंगाईगांव-न्यू जलपाईगुड़ी) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15709 (मालदा टाउन-न्यू जलपाईगुड़ी) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15710 (न्यू जलपाईगुड़ी-मालदा टाउन) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 12042 (न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा) शताब्दी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 12041 (हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी) शताब्दी एक्सप्रेस, ट्रेन सं. 15777 (न्यू जलपाईगुड़ी-अलीपुरद्वार जंक्शन) टूरिस्ट एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15778 (अलीपुरद्वार जंक्शन-न्यू जलपाईगुड़ी) टूरिस्ट एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 05749 (न्यू जलपाईगुड़ी-हल्दीबाड़ी) पैसेंजर स्पेशल, ट्रेन संख्या 05750 (हल्दीबाड़ी-न्यू जलपाईगुड़ी) पैसेंजर स्पेशल, ट्रेन संख्या 05751 (न्यू जलपाईगुड़ी-हल्दीबाड़ी) पैसेंजर स्पेशल और 05752 (हल्दीबाड़ी-न्यू जलपाईगुड़ी) पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 04 और 06 जनवरी को चलने वाली ट्रेन संख्या 12364 (हल्दीबाड़ी-कोलकाता) एक्सप्रेस; 05 और 06 जनवरी को चलने वाली ट्रेन संख्या 07520 (सिलीगुड़ी जंक्शन-कटिहार) इंटरसिटी एक्सप्रेस तथा 06 और 07 जनवरी को चलने वाली ट्रेन संख्या 07519 (कटिहार-सिलीगुड़ी जंक्शन) इंटरसिटी एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 06 जनवरी को चलने वाली ट्रेन संख्या 15722 (न्यू जलपाईगुड़ी-दीघा) एक्सप्रेस और 07 जनवरी को चलने वाली ट्रेन संख्या 15721 (दीघा-न्यू जलपाईगुड़ी) एक्सप्रेस रद्द रहेगी। आंशिक रद्द होने वाली ट्रेन सेवाएं: 04 जनवरी को चलने वाली ट्रेन सं. 22611 (एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-न्यू जलपाईगुड़ी) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 04654 (अमृतसर जंक्शन-न्यू जलपाईगुड़ी) स्पेशल का संक्षिप्त गंतव्य सिलीगुड़ी जंक्शन पर किया जाएगा और सिलीगुड़ी जंक्शन एवं न्यू जलपाईगुड़ी के बीच रद्द रहेगी। 06 जनवरी को चलने वाली ट्रेन सं. 22612 (न्यू जलपाईगुड़ी-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 04653 (न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर जंक्शन) स्पेशल सिलीगुड़ी जंक्शन से प्रस्थान करेगी और न्यू जलपाईगुड़ी एवं सिलीगुड़ी जंक्शन के बीच रद्द रहेगी। 04 जनवरी को चलने वाली ट्रेन सं. 12407 (न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर जं.) कर्मभूमि एक्सप्रेस का संक्षिप्त गंतव्य कटिहार पर किया जाएगा और कटिहार एवं न्यू जलपाईगुड़ी के बीच रद्द रहेगी। 05 जनवरी को चलने वाली ट्रेन सं. 13246 (राजेंद्र नगर-न्यू जलपाईगुड़ी) कैपिटल एक्सप्रेस का संक्षिप्त गंतव्य बागडोगरा पर किया जाएगा और बागडोगरा एवं न्यू जलपाईगुड़ी के बीच रद्द रहेगी। ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन वाया अलुआबाड़ी रोड-बागडोगरा-सिलीगुड़ी जंक्शन: 03 से 05 जनवरी तक चलने वाली ट्रेन संख्या 12377 (सियालदह-न्यू अलीपुरद्वार) पदातिक एक्सप्रेस और 04 से 06 जनवरी तक चलने वाली ट्रेन संख्या 12378 (न्यू अलीपुरद्वार-सियालदह) पदातिक एक्सप्रेस। परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव सिलीगुड़ी जंक्शन और अलीपुरद्वार जंक्शन स्टेशनों पर होगा। 04 जनवरी को चलने वाली ट्रेन संख्या 04654 (अमृतसर जंक्शन-न्यू जलपाईगुड़ी) स्पेशल और ट्रेन संख्या 15661 (रांची-कामाख्या) एक्सप्रेस। परिवर्तित मार्ग से चलने वाली इन ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव सिलीगुड़ी जंक्शन स्टेशन पर होगा। ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन वाया अलुआबाड़ी रोड-बागडोगरा-सिलीगुड़ी जंक्शन-अलीपुरद्वार जंक्शन-सामुकतला रोड: 04 जनवरी को चलने वाली ट्रेन संख्या 15652 (जम्मू तवी-गुवाहाटी) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15910 (लालगढ़-डिब्रूगढ़) अवध असम एक्सप्रेस और 06 जनवरी को चलने वाली ट्रेन संख्या 13173 (सियालदह-अगरतला) कंचनजंघा एक्सप्रेस। परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव सिलीगुड़ी जंक्शन, न्यू माल जंक्शन और अलीपुरद्वार जंक्शन स्टेशनों पर होगा। 05 जनवरी को चलने वाली ट्रेन संख्या 22412 (आनन्द विहार टर्मिनल-नाहरलगुन) एक्सप्रेस का अतिरिक्त ठहराव सिलीगुड़ी जंक्शन और अलीपुरद्वार जंक्शन स्टेशनों पर होगा। ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन वाया सामुकतला रोड-अलीपुरद्वार जंक्शन-सिलीगुड़ी जंक्शन-बागडोगरा-अलुआबाड़ी रोड: 05 जनवरी को चलने वाली ट्रेन संख्या 15962 (डिब्रूगढ़-हावड़ा) कामरूप एक्सप्रेस और 06 जनवरी को चलने वाली ट्रेन संख्या 12346 (गुवाहाटी-हावड़ा) सराईघाट एक्सप्रेस। परिवर्तित मार्ग से चलने वाली इन ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव अलीपुरद्वार जंक्शन, न्यू माल जंक्शन और सिलीगुड़ी जंक्शन स्टेशनों पर होगा। ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन वाया सिलीगुड़ी जंक्शनङ्क बागडोगरा-अलुआबाड़ी रोड: 05 जनवरी को चलने वाली ट्रेन संख्या 15644 (कामाख्या-पुरी) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 19616 (कामाख्या-उदयपुर सिटी) एक्सप्रेस। 06 जनवरी को चलने वाली ट्रेन संख्या 04653 (न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर जं.) स्पेशल। परिवर्तित मार्ग से चलने वाली इन ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव सिलीगुड़ी स्टेशन पर होगा। ट्रेनों का समय संशोधन: 06 जनवरी को ट्रेन संख्या 13142 (न्यू अलीपुरद्वार-सियालदह) तीस्ता तोरसा एक्सप्रेस का संशोधित समय 12.10 बजे के बजाय 16.10 बजे निर्धारित किया गया है।

कंझावला हादसे पर बोले एलजी, 'मेरा सिर शर्म से झुक गया है'

नई दिल्ली, (हि.स.)। नए साल की सुबह रोहिणी जिले के कंझावला इलाके में कथित हादसे में एक लड़की के संदिग्ध हालत में दर्दनाक मौत के मामले पर दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना ने भी दुख प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि कंझावला-सुल्तानपुरी में हुए अमानवीय अपराध पर मेरा सिर शर्म से झुक गया है और मैं अपराधियों की राक्षसी संवेदनहीनता से स्तब्ध हूं। एलजी ने कहा कि उन्होंने पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा को पूरे मामले की जांच और आरोपितों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। वे कमिश्नर के साथ निगरानी कर रहे हैं और आरोपितों को पकड़ लिया गया है। सभी पहलुओं पर गहनता से विचार किया जा रहा है। यहां तक कि पीड़ित परिवार की हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी। इस घटना के बाद एलजी ने आमलोगों से भी अपील की है कि सब मिलकर एक अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील समाज की दिशा में काम करें। वहीं सुल्तानपुरी से कंझावला में इस हादसे को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्न खड़े हो गए हैं। आम आदमी पार्टी के विधायक सौरभ भारद्वाज का कहना है कि दो दिन पहले दिल्ली पुलिस ने प्रेस वार्ता कर जगह-जगह नए साल पर जश्न को लेकर सुरक्षा आदि का हवाला देते हुए पुलिस अफसरों की तैनाती की डिटेल दी थी, लेकिन जिस तरह हादसा हुआ है यह देश का सबसे बड़ा हादसा हो गया है, जिसमें किसी को गाड़ी से इतने किलोमीटर घसीटा हो और उसकी मौत हुई हो गई। हादसे के बाद रविवार तड़के इस मामले में पहली कॉल रविवार सुबह 3 बजकर 24 मिनट पर हुई। युवती की लाश सड़क पर मिलने की सूचना तड़के 4 बजकर 11 मिनट की है। यानी पूरे पौने घंटे तक पुलिस की लोकेशन क्या थी ? इस घटना की सूचना देने वाले कॉलर का कहना है वह सात बार फोन कर बातचीत कर पुलिस को गाड़ी के बारे में लगातार बताता रहा लेकिन पुलिस एक्टिव नहीं थी। सूत्रों की माने तो केस में कई कड़ियां मिसिंग है। मृतका की पहचान क्यों नहीं उजागर की गई। कई किलोमीटर लंबे रूट पर लगे सीसीटीवी कैमरे में तो यह घटना कैद हुई होगी। इस स्थिति में फुटेज में क्या दिखा, जिस सड़क पर घसीटते हुए वारदात हुई, उस पूरे रूट पर कितने निशान कलेक्ट हुए। पुलिस की एक्सीडेंट थ्योरी पर ऐसे कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक कंझावला में जिस जगह पर शव मिला, उस समय सूचना पाकर दो जिलों के चार एसएचओ जांच में लगे थे। जिस तरह से यह खौफनाक वारदात हुई पहली नजर में यह महज रोड एक्सीडेंट दिखाई नहीं देता। इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता कि युवती की हत्या के बाद हादसा दिखाने की कोशिश की गई हो। जिस जगह कथित एक्सीडेंट हुआ और जहां शव मिला उसमें कई किलोमीटर की दूरी है।

मिशन 2024: पूरे साल बंगाल में 40 जनसभा करेंगे मोदी-शाह, इसी महीने होगी शुरूआत

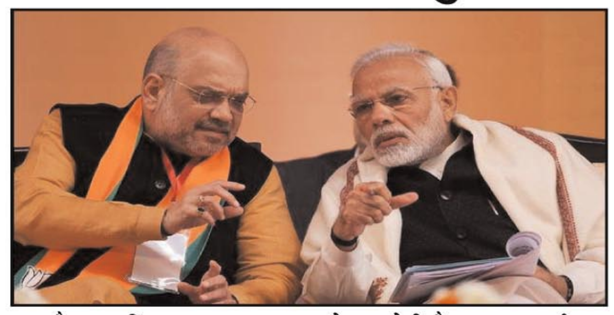

कोलकाता, (हि.स.)। अगले साल यानी वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में भाजपा जुट गई है। खासकर पश्चिम बंगाल से सांसदों की संख्या में और अधिक बढ़ोतरी की जा सके, इसके लिए पार्टी ने अपने केंद्रीय नेतृत्व को एक बार फिर मैदान में उतारने की तैयारी कर ली है। इसी महीने से अगले साल मार्च में होने वाले लोकसभा चुनाव का बिगुल बंगाल में फूंक दिया जाएगा। प्रदेश भाजपा सूत्र ने बताया है कि इस महीने की 17 तारीख को एक बार फिर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बंगाल आ रहे हैं। उनकी दो जनसभाएं होंगी। पहली जनसभा दक्षिण 24 परगना के मथुरापुर और दूसरी जनसभा हुगली के आरामबाग में प्रस्तावित है। पार्टी सूत्र ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि लोकसभा चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए यह जनसभा प्रस्तावित की गई है। मथुरापुर में होने वाली अमित शाह की जनसभा में न केवल दक्षिण 24 परगना बल्कि उत्तर 24 परगना, कोलकाता और हावड़ा से भी बड़ी संख्या में लोगों का जमघट होगा। यहां अमित शाह 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पहली जनसभा करेंगे। उसके बाद हुगली में जो जनसभा होगी वहां बर्दवान, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर तथा पुरुलिया आदि क्षेत्रों से भी पार्टी कार्यकर्ता आएंगे। साल की दो जनसभाओं के जरिए बंगाल में 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार का बिगुल फूंका जाएगा। खासतौर पर अमित शाह का आगमन पश्चिम बंगाल के मतुआ समुदाय की स्थाई नागरिकता को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा के आलोक में देखा जा रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव से ही राज्य का यह समुदाय स्थाई नागरिकता के लिए ठोस कदम उठाए जाने के इंतजार में है। नागरिकता अधिनियम संसद से पारित होने के बावजूद पश्चिम बंगाल में अभी तक इसे लागू नहीं किया जा सका है। इसे लेकर इस समुदाय में कहीं ना कहीं नाराजगी भी है। केंद्र सरकार अगर चाहे तो अपने दम पर इस अधिनियम को लागू कर मतुआ समुदाय के लोगों को स्थाई नागरिकता दे सकती है लेकिन दी नहीं है जिसे लेकर कई बार सवाल खड़े हुए हैं। यहां से भाजपा के सांसद शांतनु ठाकुर ने भी इस पर आपत्ति जताई थी और अमित शाह से मिलकर इस बारे में कदम उठाने की अपील की थी। अब एक बार फिर चुनाव करीब है। मतुआ समुदाय राज्य की कम से कम सात लोकसभा सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाता है इसलिए उनके हित में क्या कुछ घोषणा होती है यह महत्वपूर्ण बात होगी। भाजपा सूत्रों ने बताया कि पूरे वर्ष मतलब जनवरी 2023 से शुरू कर मार्च 2024 में लोकसभा चुनाव के पहले तक अमित शाह और नरेन्द्र मोदी की कुल 40 जनसभाएं पश्चिम बंगाल में प्रस्तावित हैं। पूरे देश में प्रत्येक राज्य में इन दोनों शीर्ष नेताओं की कम से कम तीन जनसभा हो सके इस लिहाज से पार्टी ने चुनाव प्रचार अभियान तैयार किया है। इसमें बंगाल को महत्वपूर्ण कड़ी के तौर पर रखा गया है। यहां 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने 42 में से 18 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार इस संख्या को बढ़ाने पर खासतौर पर बल दिया जा रहा है। हालांकि लोकसभा चुनाव के बाद 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में जबसे पार्टी की करारी शिकस्त हुई, उसके बाद भाजपा जमीनी तौर पर पार्टी नेताओं की टूट की वजह से कमजोर हुई है। उसे देखते हुए 18 लोकसभा सीटों पर जीत बरकरार रखना भी अपने आप में एक बड़ी चुनौती होगी।

मुख्तार अंसारी को जेलर पर रिवाल्वर तानने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत

- इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच की ओर से दी गई 7 साल की सजा पर लगाई रोक

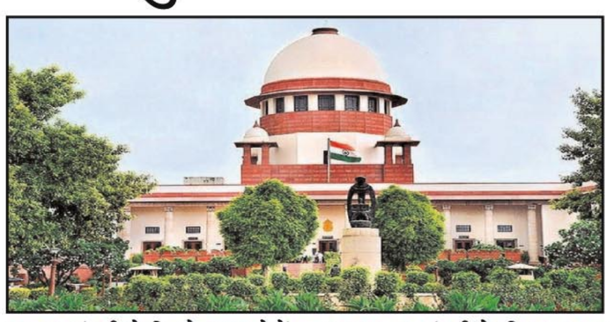

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के बाहुबली मुख्तार अंसारी को राहत दी है। कोर्ट ने 2003 में जेलर को रिवाल्वर तानकर जान से मारने की धमकी देने के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच की ओर से दी गई 7 साल की सजा के फैसले पर रोक लगा दी है। इससे पहले मुख्तार अंसारी को ट्रायल कोर्ट ने बरी कर दिया था। मुख्तार पर 2003 में लखनऊ के तत्कालीन जेलर एसके अवस्थी पर रिवाल्वर तानकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। जेलर की शिकायत के मुताबिक जेल में मुख्तार अंसारी से मिलने आए लोगों की तलाशी लेने का आदेश देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी। ट्रायल कोर्ट के बरी करने के बाद यूपी सरकार ने हाई कोर्ट में अपील की थी। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सात साल की कैद की सजा के अलावा 37 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया था। मुख्तार अंसारी के खिलाफ दस अलग-अलग मामलों में पहले ही गिरफ्तार किया गया है। इन दस मामलों में चार मामले गैंगस्टर एक्ट के हैं। मुख्तार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 7 अप्रैल, 2022 को पंजाब की जेल से यूपी की बांदा जेल में शिफ्ट किया गया था।

बढ़ती बेरोजगारी के लिए केन्द्र जिम्मेदार : कांग्रेस

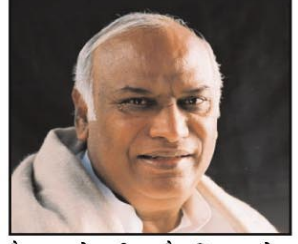

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि देश में बढ़ती महंगाई के लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार है। रोजगार को लेकर जो वादे केन्द्र ने किए उसे पूरा नहीं कर सकी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि देश में बेरोजगारी दर 8.3 फीसदी तक पहुंच गई है। शहरी क्षेत्रों में भी बेरोजगारी दर 10.09 फीसदी है। खड़गे ने कहा कि केन्द्र सरकार ने युवाओं के सपनों को चकनाचूर कर दिया है। पीएम मोदी ने हर वर्ष दो करोड़ नौकरी देने का वादा किया था लेकिन अब इस मुद्दे पर कोई जवाब देने वाला नहीं है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस बेरोजगारी, महंगाई आदि के मुद्दों को लेकर सड़क से संसद तक केन्द्र सरकार पर हमलावर है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी इन मुद्दों को लेकर लगातार केन्द्र सरकार पर सवाल उठा रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर, कारगिल के साथ मेघालय में हिली धरती

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। नए साल पर दिल्ली एनसीआर के साथ ही मेघालय में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। रविवार रात करीब 11 बजकर 28 मिनट पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.2 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप की गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। यह भूकंप मेघालय के 60 किमी ईएनई नोंगपोह में आया। इससे पहले लद्दाख के करगिल में रविवार शाम 6 बजकर 32 मिनट 57 सेकंड पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.6 मापी गई। भूकंप की गहराई जमीन से 150 किलोमीटर नीचे थी। इससे पहले नए साल पर दिल्ली और आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.8 मापी गई। भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर में था। भूकंप की गहराई जमीन से पांच किलोमीटर नीचे थी।

सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा 500 और 1000 रुपए के नोट बंद करने का केंद्र सरकार का फैसला

अजय कुमार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा 2016 में लाए गए नोटबंदी के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला लिया। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के 2016 में 500 रुपए और 1000 रुपए के नोटों को बंद करने के फैसले को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति बीआर गवई ने कहा कि केंद्र के फैसले में खामी नहीं हो सकती क्योंकि रिजर्व बैंक और सरकार के बीच इस मुद्दे पर पहले विचार-विमर्श हुआ था। इस मामले पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार के 2016 के नोटबंदी के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया और केंद्र सरकार के कदम को सही ठहराया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 8 नवंबर 2016 को जारी अधिसूचना वैध व प्रक्रिया के तहत थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने केंद्र सरकार के 2016 के 500 रुपए और 1000 रुपए के नोट बंद करने के फैसले को चुनौती देने वाली 58 याचिकाओं को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कार्यपालिका की आर्थिक नीति होने के कारण फैसले को पलटा नहीं जा सकता है। जस्टिस गवई ने बताया कि इन याचिकाओं में 9 मुद्दों को उठाया गया था इनमें से 6 मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट ने ध्यान दिया। इससे पहले जस्टिस अब्दुल नजीर की अध्यक्षता वाली 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने पांच दिन की बहस के बाद 7 दिसंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। फैसला सुनाने वाली बेंच में जस्टिस अब्दुल नजीर जस्टिस बीआर गवई जस्टिस एएस बोपन्ना जस्टिस वी रामासुब्रमण्यन और जस्टिस बीवी नागरत्ना शामिल थे।

जीएसटी की धारा 54(1) में बदलाव

- मकान की बुकिंग2 साल मे कैंसिल करने पर जमा जीएसटी वापस होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम की धारा 54(1) के मूल प्रावधान को संशोधित किया गया है। 27 दिसंबर 2022 से इसे लागू कर दिया गया है। इस संशोधन के बाद घर खरीदने के लिए जो जीएसटी बुकिंग के साथ जमा किया जाता है। 2 साल के अंदर यदि बुकिंग कैंसिल कर दी जाती हैतो जमा जीएसटी सीधे ग्राहक के खाते में वापस की जा सकेगी। जीएसटी पोर्टल में रिफंड के लिए उसे क्लेम करना होगा। पुराने प्रावधान के अनुसार रियल स्टेट पर सरकार 5 फीसदी जीएसटी लेती है। बुकिंग के समय पूरी जीएसटी बिल्डर द्वारा जमा करा दी जाती है। किसी कारण बस बुकिंग कैंसिल करने पर बिल्डर द्वारा जमा राशि वापस कर दी जाती थी। लेकिन जीएसटी का नुकसान बुकिंग कर्ता को उठाना पड़ता था। नए संशोधन के पश्चात अब 2 साल के अंदर यदि बुकिंग कैंसिल होती है। तो टैक्स राशि भी बुकिंग कर्ता को वापस मिल जाएगी। रियल स्टेट में जिस तरह से मंदी छाई हुई है। लोग बुकिंग कैंसिल करा रहे हैं। टैक्स की राशि ज्यादा होने के कारण लोग बुकिंग से बचने लगे थे। अब प्रावधान में संशोधन होने के बाद जीएसटी में जमा राशि भी बुकिंग कर्ता को वापस हो जाएगी। घर खरीदने वालों को अब जीएसटी का नुकसान नहीं होगा।

पंचायत चुनाव से पहले जनसंपर्क के लिए तृणमूल ने शुरू किया 'दीदी का सुरक्षा कवच' अभियान

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में इसी साल होने वाले पंचायत चुनाव के मद्देनजर सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने बड़े पैमाने पर जनसंपर्क अभियान की शुरूआत 11 जनवरी से शुरू होगी। नजरुल मंच में पार्टी की ओर से सोमवार को आयोजित हुए कार्यक्रम के दौरान पार्टी महासचिव और तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने इसका आगाज किया। इस अभियान का नाम दिया गया है "दीदी का सुरक्षा कवच" अभियान के तहत प्रदेश के 3.5 लाख कार्यकर्ता राज्य भर में पंचायत वाले क्षेत्रों में घर-घर जाएंगे और सरकारी सुविधाओं के बारे में प्रचार-प्रसार करेंगे। राज्य सरकार ने आम लोगों के लिए कौन-सी विशेष सुविधाएं शुरू की है, कौन-सी सुविधाएं इन्हें मिल रही हैं, जिन लोगों को नहीं मिल रही हैं उन्हें वे सुविधाएं दिलवाने से लेकर अधिकारियों और सरकारी तंत्र के वर्ताव के बारे में भी एक रिपोर्ट तैयार करेंगे। दो महीने तक अभियान चलने वाला है। तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जयबांग्ला, एक्यश्री, स्वास्थ्य साथी, युवाश्री जैसी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरूआत की है। इनमें उल्लेखनीय तौर पर अपना घर अपनी भूमि, खाद्य साथी, कन्याश्री जैसी 15 फ्लैगशीप परियोजनाएं हैं और इनका लाभ लोगों को मिल रहा है।

इसी की खोज खबर कार्यकर्ता लेंगे। इसके लिए हर घर का दौरा करेंगे और लोगों से बातचीत करेंगे। इससे एक तरफ तो जनसंपर्क होगा। इसके साथ ही जिन लोगों की नाराजगी है उनकी समस्याओं को समझ कर उसका समाधान किया जाएगा ताकि पंचायत चुनाव और उसके बाद के लोकसभा चुनाव में पार्टी का समर्थन और मजबूत बने। इसके लिए तृणमूल कांग्रेस ने 300 वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेवारी सौंपी है जिन्हें महीने में कम से कम 10 दिनों तक गांवों में रात्रि वास करना होगा। वहां पार्टी कार्यकताओं के घरों में रुकना होगा और आसपास के लोगों से बातचीत करनी होगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों के विकास के लिए क्या कुछ काम किया है, ये सारी बातें आम लोगों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। कम से कम 10 करोड़ लोगों तक इन योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके पहले 2021 के विधानसभा चुनाव के समय तृणमूल कांग्रेस ने "दिदी के बोलो" जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना चलाई थी। उसका काफी राजनीतिक लाभ हुआ था और अब इसी तर्ज पर दीदी का सुरक्षा कवच शुरू किया गया है।

ग्राम जल्दा मुड़िया में ग्रामसभा द्वारा पूर्ण शराबबंदी का फैसला सराहनीय : शिवराज

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के डिंडौरी जिले में ग्राम जल्दी मुड़िया में नव वर्ष के मौके पर ग्राम सभा द्वारा लिए पूर्ण शराबबंदी के फैसले को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सराहनीय बताया है। उन्होंने ट्वीट कर ग्राम सभा का महिला सदस्यों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री चौहान ने सोमवार को ट्वीट के माध्यम से कहा कि पेसा नियमों के सकारात्मक परिणामों को देखकर मन हर्षित है। जिस उद्देश्य के साथ हमने पेसा एक्ट लागू किया था, वह साकार हो रहा है। ग्राम जल्दा मुड़िया में ग्रामसभा द्वारा पूर्ण शराबबंदी का फैसला सराहनीय है। इसके लिए ग्रामसभा की महिला सदस्यों को मैं बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत हर्ष और आनंद का विषय है! नशामुक्ति के इस संकल्प से सुख, समृद्धि और खुशहाली के नये द्वार खुलेंगे। ग्राम जल्दा मुड़िया की यह पहल अभिनंदनीय है। हम सबके प्रयास से ही नशामुक्त मध्यप्रदेश बनेगा। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार द्वारा पेसा एक्ट लागू किया गया है। जनजातीय समाज को पेसा नियम के तहत प्रदान किए गए अपने ग्राम से संबंधित अधिकारों के बेहतर परिणाम भी दिख रहे हैं।

कंझावाला मामले में लोगों गुस्सा बढ़ा, विधायक की गाड़ी में तोड़-फोड

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कंझावाला कांड में दिल्ली के लोगों का गम और गुस्सा बढ़ता जा रहा है। पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे गुस्साए लोगों ने सोमवार को सुल्तानपुरी थाने का घेराव किया। इस दौरान वहां पहुंची आम आदमी पार्टी की विधायक राखी बिरला को भी विरोध का सामना करना पड़ा। लोगों ने आरोप लगाया कि वह दो दिन बाद यहां राजनीति करने आई हैं। वहीं, राखी ने कहा कि लोगों ने पुलिस की गाड़ी समझकर उनको घेरा था और अपना गुस्सा जाहिर किया। विरोध के बावजूद पीड़ित परिवार के साथ धरने पर बैठीं राखी बिरला ने कहा कि लोगों का गुस्सा जायज है। उन्होंने कहा, "पुलिस प्रशासन का लचर रवैया है। लोगों को गुस्सा मुझ पर या मेरी गाड़ी पर उतरे उससे फर्क नहीं पड़ता, फर्क पड़ता है कि हमारी गुड़िया को न्याय मिलना चाहिए। उन दरिंदों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए।

ठाकरे गुट ने विधान परिषद में लोकायुक्त बिल रोक अन्ना हजारे का सपना किया ध्वस्त

नागपुर, (हि.स.)। प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे 11 वर्ष से लोकायुक्त बिल लाने का आग्रह कर रहे हैं। हजारे की इस मांग को पूरी करने के लिए महाराष्ट्र की शिंदे-फडणवीस सरकार नागपुर के शीतकालीन सत्र में लोकायुक्त बिल लाई भी। फडणवीस के प्रयास से विधानसभा में यह बिल पास भी हो गया, लेकिन उद्धव ठाकरे गुट ने विधान परिषद में इसे पास नहीं होने दिया। इस विधेयक में प्रावधान है कि मुख्यमंत्री या पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ जांच शुरू करने के पहले विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति लेना जांच एजेंसी के लिए अनिवार्य होगा। मंत्रियों के खिलाफ जांच का अधिकार राज्यपाल, विधान परिषद सदस्यों के बारे में सभापति और विधानसभा सदस्य के बारे में जांच की अनुमति देने का अधिकार विधानसभा अध्यक्ष को दिया गया है। लोकायुक्त विधेयक 2022 में मुख्यमंत्री के पास भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच को अधिकृत करने की भी ताकत दी गई है। इस बिल मे संबंधित मंत्रियों को भी अन्य अधिकारियों के बारे में पूछताछ की अनुमति देने का अधिकार दिया गया है।

सत्र की शुरूआत के पहले ही शिंदे-फडणवीस सरकार ने महाराष्ट्र में लोकायुक्त कानून बनाने का निर्णय लिया था। लोकायुक्त विधेयक के मुताबिक मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री और मंत्री इसके दायरे में आएंगे। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की माने तो भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम नए लोकायुक्त अधिनियम का एक हिस्सा होगा। बिना चर्चा के विधानसभा में पारित यह बिल शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट ने विधान परिषद में रोक दिया। सत्र के अंतिम दिन विधान परिषद में 12 बिल रखे गए थे। अमूमन सत्ता और प्रतिपक्ष बिल पारित करने में सहयोग करते हैं। लोकायुक्त बिल की बारी आई तो नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे तो शांत रहे लेकिन उद्धव ठाकरे के बेहद करीबी माने जाने वाले अनिल परब ने कहा- सदन में जब तक चर्चा नहीं हो जाती तब तक इस बिल को स्थगित रखा जाए। कुल मिलाकर फडणवीस की तमाम कोशिश के बावजूद यह बिल विधानसभा में अटक गया।

आज से दिल्ली में 'भारत जोड़े यात्रा' शुरू

अजय त्यागी

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा शुरू की गई भारत जोड़ो यात्रा मंगल से पूरी दिल्ली में शुरू हो रही है। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, आज सुबह करीब 10 बजे मरघट वाले बाबा, हनुमान मंदिर, लाल किले के पास से शुरू होकर लोहे के पुल से बांये मुड़कर शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन - ओल्ड जी टी रोड - फर्नीचर मार्किट- वाई पॉइंट धरमपुरा से दांये मुड़कर अंसारी रोड- स्लिप रोड - बांये मुड़कर- 66 फूटा रोड - मौजपुर - बाबरपुर - गोकुलपुरी टी पॉइंट- दांये मुड़कर - वजीराबाद रोड - थाना दयालपुर - लोनी गोल चक्कर - बांये मुड़कर - लोनी बॉर्डर पर करीब 12 बजे दिन में पहुचेगी। बहुत सारे पैदल यात्री व अनेक वाहन अलग अलग स्थानों पर इस यात्रा में सम्मिलित होंगे।

सड़के बिंदु

श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग- कोडिया पुल, छत्ता रेल चौक, कलकतिया गेट नेताजी सुभाष मार्ग- लाल किला चौक, टी पॉइंट सुभाष मार्ग

लोथियान रोड- जी पी ओ, कश्मीरी गेट, केला घाट

रिंग रोड/महात्मा गांधी मार्ग- मांगी ब्रिज, निगम बोध घाट

सड़क हनुमान मंदिर से पुराना लोहे का पुल, अंडरपास जमुना बाजार से होते हुए- निगम बोध घाट स्लिप रोड, गोल्डन जुबली पार्क कट

पुराना लोहे का पुल- प्रवेश व निकास बिंदु (जमुना बाजार व शास्त्री पार्क की तरफ)

गीता कॉलोनी सड़क/पुस्ता रोड- टी पॉइंट शमशान घाट, ए पॉइंट, लोहे के पुल की तरफ, पुराना लोहे का पुल - पुस्ता रोड टी पॉइंट

अंसारी रोड- फर्नीचर मार्किट, पुस्ता रोड झ अंसारी रोड टी पॉइंट

जी टी रोड- वाई पॉइंट धरमपुरा रोड, टी पॉइंट सीलमपुर रेड लाइट

जाफराबाद मुख्य सड़क / आशा राम त्यागी मार्ग/ 66 फूटा रोड- माता मंदिर टी पॉइंट, लोहा मार्किट नाली पुलिया, लकड़ी मार्किट नाली पुलिया

वेलकम पुलिया, मस्जिद नूरुन नाली टी पॉइंट, जाफराबाद मेट्रो स्टेशन, बाबरपुर मुख्य रोड टी पॉइंट, मौजपुर, मौजपुर मेट्रो स्टेशन, कर्दमपूरी पुलिया टी पॉइंट

100 फूटा रोड- दुर्गा पूरी चौक की तरफ से बाबरपुर मौजपुर सड़क की तरफ

वजीराबाद रोड- 66 फुटा रोड - वजीराबाद रोड टी पॉइंट, लोनी गोल चक्कर

लोनी रोड- शिव विहार मेट्रो स्टेशन

वहीं छत्ता रेल चौक, लाल किला, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग, पुराना लोहे का पुल, पुस्ता रोड, अंसारी रोड, जीटी रोड पर युधिष्ठिर सेतु से सीलमपुर टी-प्वाइंट तक, वजीराबाद रोड और लोनी रोड पर शाहदरा फ्लाईओवर से लोनी गोल चक्कर तक ट्रैफिक भारी रहने की उम्मीद है। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि यदि संभव हो तो प्रभावित सड़कों से बचने/बाईपास करने में सहयोग करें और सुखद यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक परिवहन का अधिकतम उपयोग करें। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, सुचारू यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने और सड़कों पर पैदल चलने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा के लिए ग्रेडेड और डायनेमिक डायवर्जन होगा। वहीं जो लोग आईएसबीटी/रेलवे स्टेशनों/हवाई अड्डों की ओर जा रहे हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि वे पर्याप्त समय के साथ अपनी यात्रा की सावधानी से योजना बनाएं।

धान बेचने से लेकर खाद मिलने में किसानों को न हो परेशानी : योगी

– रैनबसेरों का जिलाधिकारी खुद करेंगे निरीक्षण

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां टीम-9 के साथ बैठक करते हुए प्रदेश में किसानों के धान खरीद, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट समेत अन्य विषयों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि किसानों से खरीदे गए धान का मूल्य समय से भुगतान कर दिया जाए। सभी जिलों में डीएपी और यूरिया की कमी न होने पाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में धान खरीद की प्रक्रिया सुचारु रूप से चल रही है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अब तक 6.50 लाख किसानों से 41 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीद हो चुकी है। उन्होंने कहा कि 8400 करोड़ की इस खरीद के सापेक्ष वर्तमान में बकाये 6700 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों के बैंक खाते में किया जा चुका है। अवशेष 1700 करोड़ का यथाशीघ्र भुगतान करा दिया जाए। प्रदेश के सभी जिलों में डीएपी और यूरिया की उपलब्धता पर नजर रखी जाए। कहीं भी खाद की कमी न हो।

बाराबंकी की तरह अन्य जिलों में भी हो सम्मेलन – मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दृष्टिगत विगत दिनों बाराबंकी जनपद में एक दिवसीय निवेशक व निर्यातक सम्मेलन आयोजित किया गया था। बाराबंकी का यह प्रयास अन्य जिलों के लिए प्रेरणास्पद है। ऐसे आयोजन अन्य जिलों में भी किए जाने चाहिए। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाए।

अधिकारियों की पीठ थपथपाई – योगी ने कानून व्यवस्था को लेकर अधिकारियों की पीठ भी थपथपाई। उन्होंने कहा कि विगत सप्ताह प्रदेश में क्रिसमस और नववर्ष के उल्लास के बीच प्रदेश के सभी जिलों में शान्ति और सौहार्द का माहौल रहा। सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के कारण लोगों ने सपरिवार निश्चिंत होकर इन विशिष्ट अवसरों का आनंद लिया। अयोध्या, काशी, मथुरा आदि धार्मिक स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन हुआ। सुरक्षा का यह माहौल आगे भी बना रहे, इसके लिए पुलिस और प्रशासन को हमेशा तत्पर रहना होगा।

माघ मेले में साधु-संतों की भवनाओं का हो सम्मान – मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज माघ मेले में कल्पवासियों और साधु-संतों की भावनाओं और आवश्यकताओं का सम्मान किया जाए। अंतर विभागीय समन्वय के साथ कार्य हो। कल्पवासियों, श्रद्धालुओं, साधु-संतों को पूर्व में मिलने वाली सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। पुलिस महानिदेशक द्वारा स्वयं स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का परीक्षण किया जाए।

जिलाधिकारी रैन बसेरों का करें निरीक्षण – उन्होंने कहा कि शीतलहर के बीच निराश्रित जनों की सहायता के लिए प्रदेश में रैन बसेरों की स्थापना की गई है। अब तक 1200 से अधिक रैन बसेरे स्थापित किये गए हैं। जिलाधिकारी स्वयं रैन बसेरों की व्यवस्था का औचक निरीक्षण करें। जहां आवश्यकता हो सुधार कराएं। ठंड के मौसम में सड़क पर कोई भी व्यक्ति सोता हुआ नजर न आए। हर जरूरतमंद को रैन बसेरे की सुविधा उपलब्ध हो। निराश्रित, जरूरतमंद लोगों को अब तक 2.86 लाख कंबल वितरित किये जा चुके हैं। यह क्रम आगे भी जारी रखा जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कंबल आदि राहत सामग्री का वितरण स्थानीय सांसद, विधायक, स्थानीय निकाय चेयरमैन आदि जनप्रतिनिधियों द्वारा ही किया जाएगा। उक्त अवसर पर प्रशासन के अधिकारी सहायतार्थ उपस्थित रहेंगे। सार्वजनिक स्थलों पर अलाव के समुचित प्रबंध हों।

प्रधानमंत्री दिखाएंगे हरी झण्डी – मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आगामी 13 जनवरी को वाराणसी से डिब्रूगढ़ तक सबसे बड़े रिवर क्रूज टूरिज्म के सबसे लंबे रिवर क्रूज 'गंगा विलास इपिक' हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगें। यात्रा के सम्बंध में आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं।

कोहरे और ठंड से से पश्चिमी उत्तर प्रदेश का जनजीवन अस्तव्यस्त

मेरठ, (हि.स.)। नए वर्ष में कड़ाके की ठंड और कोहरे से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग ने अभी कोहरे और भीषण ठंड पड़ने की चेतावनी दी है। एनसीआर में शामिल जिलों समेत पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इस समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। शाम ढलते ही कोहरा छा जाने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, बागपत, शामली, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बिजनौर आदि जिलों में कोहरा पड़ रहा है। नए साल पर भी मेरठ प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। मेरठ का तापमान घटकर पांच डिग्री सेल्सियस से तक पहुंच गया। रविवार की शाम को ही कोहरा छा गया और सोमवार सुबह तक कोहरा रहा। कोहरे के कारण हाईवे पर वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विजिबिलिटी कम होने के कारण वाहनों की रफ्तार बहुत कम रही। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही ने बताया कि पहाड़ों पर भारी बर्फबारी के कारण मैदानी इलाकों में शील लहर चल रही है। इस कारण लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। तेज बर्फीली हवाओं के कारण एयर क्वालिटी इंडेक्स में भी सुधार हुआ है। मेरठ का एक्यूआई घटकर 170 तक पहुंच गया है। एनसीआर के जिलों के एक्यूआई में भी सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि अभी पांच जनवरी तक कोहरे और ठंड का प्रकोप बना रहेगा।

जिलाधिकारी ने वस्त्र बैंक का शुभारंभ किया

– 26 जनवरी से जरूरतमंदों के लिए अटल आश्रय ग्रह में होगी रोटी बैंक की शुरूआत

औरैया, (हि.स.)। एक विचित्र पहल सेवा समिति ने अटल आश्रय ग्रह में निःशुल्क वस्त्र बैंक का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी प्रकाश चंद श्रीवास्तव के कर कमलों द्वारा सोमवार को दीप प्रज्वलन व सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। जिलाधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज सेवी संगठन विचित्र पहल के द्वारा यह बहुत ही सराहनीय पहल है। जिसके माध्यम से सर्द ऋतु में वास्तविक जरूरतमंद लोगों को वस्त्र मुहैया कराए जाएंगे। उन्होंने स्वयं अपने अनुपयोगी ऊनी वस्त्रों को वस्त्र बैंक के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को समर्पित किये। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह अपने अनुपयोगी वस्त्रों को वस्त्र बैंक में पहुंचाकर पुनीत कार में योगदान दें। जिलाधिकारी ने आगामी 26 जनवरी को अटल आश्रय गृह में रोटी बैंक के शुभारंभ के लिए स्वयं 5-5 कुंतल दाल, चावल आदि खाद्य सामग्री मुहैया कराने की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि ऑक्सफोर्ड शिक्षा प्रसार संस्थान के प्रबंधक राजवर्धन शुक्ला ने कहा कि यह बहुत सराहनीय पहल है। वस्त्रों के साथ जरूरतमंद लोगों को वस्त्रों के साथ भोजन भी मुहैया कराया। सर्द ऋतु में ऊनी वस्त्रों द्वारा जरूरतमंद लोगों को काफी राहत मिलेगी। समिति के संस्थापक आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि समिति द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर बेसहारा लड़कियों के विवाह व जरूरतमंदों की यथासंभव निरंतर मदद की जा रही है।

टेराकोटा उद्यमियों को वर्ष 2023 में मिलेगी ऊंची उड़ान

– पांच हजार टेराकोटा शिल्पकारों को उपलब्ध कराया जा रहा 25 करोड़ का ऋण

गोरखपुर, (हिस.)। कोरोना संक्रमण के दो साल बाद वर्ष 2022 उपलब्धियां भरा साल रहा। टेराकोटा शिल्पकारों को उम्मीद है कि वर्ष 2023 और बेहतरीन होगा। पंजाब एवं सिंध बैंक गोरखपुर के 5000 टेराकोटा शिल्पकारों को 25 करोड़ का ऋण वितरित कर रहा। इधर, एक जिला एक उत्पाद योजना (ओडीओपी) में शामिल टेराकोटा की आकर्षक मूर्तियों के स्टॉल भी खुलेंगे।

यहां खुलेंगे स्टॉल – गोरखपुर व कचहरी सहित सभी जिला हेडक्वार्टर स्थित बस स्टेशन कैंपस में ओडीओपी के स्टाल खोले जाएंगे। ओडीओपी को सलेक्ट किया जा रहा है। आरएम कार्यालय और कचहरी बस स्टेशन पर टेराकोटा के आकर्षक उत्पाद बिक्री किए जाएंगे। गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर दो ऐसे स्टॉल पहले ही संचालित हैं।

बैंक देंगे पांच हजार शिल्पकारों को लोन – गोरखपुर में टेराकोटा शिल्पकारों को बैंक से आसानी से लोन देने की योजना है। इससे उनके कारोबार का भरपूर विस्तार हो सकेगा। पंजाब एंड सिंध बैंक द्वारा गोरखपुर के 5000 टेराकोटा शिल्पकारों को 25 करोड़ रुपये का ऋण देने की योजना है।

यह मिला है निःशुल्क – शिल्पाकारों को दीपावली पर निःशुल्क लक्ष्मी गणेश की प्रतिमाओं के साँचे, मिट्टी गूथने वाली मशीन, इलेक्ट्रिक चॉक उपलब्ध कराई जा चुकी है। इतना ही नहीं, बड़ी संख्या में टेराकोटा शिल्पकारों के कौशल विकास के लिए विभिन्न डिजाइनर उत्पाद तैयार करने को प्रशिक्षित किया गया है। इन्हें अपनी कला के प्रदर्शन एवं विक्री के लिए जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रदर्शनी में बिक्री एवं उत्पाद प्रदर्शन का अवसर भी मिला है।

अखिलेश यादव ने "भारत जोड़ो यात्रा' के आमंत्रण और सफलता के लिए राहुल गांधी को दी शुभकामनाएं

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने "भारत जोड़ो यात्रा' में आमंत्रण के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी धन्यवाद दिया है। साथ ही सपा अध्यक्ष ने यात्रा के सफल होने ही शुभकामनाएं दी हैं। अखिलेख यादव ने सोमवार को अपने अधिकारिक ट्वीटर अकाउंट से एक पत्र पोस्ट कर "भारत जोड़ो यात्रा' के लिए आमंत्रण मिलने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को धन्यवाद दिया है। अखिलेश ने 'भारत जोड़ो' की मुहिम की सफलता के लिए उन्हें शुभकामनाए दी हैं। कहा है कि भारत भौगोलिक विस्तार से अधिक एक भाव है, जिसमें प्रेम, अहिंसा, करुणा, सहयोग और सौहार्द ही वो सकारात्मक सत्य है, जो भारत को जोड़ते हैं। आशा है ये यात्रा हमारे देश की इसी समावेशी संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगी।

सपा ने सफाई को लेकर भाजपा पर कसा तंज

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर स्वच्छता अभियान को लेकर निशाना साधा है। सपा ने पार्टी के अधिकारिक ट्वीटर अकाउंट से सोमवार को एक पोस्ट कर शहर में फैली गंदगी को लेकर तंज कसा। कहा कि सफाई को जिम्मेदार लापर-वाह विभाग का कारण भाजपा स-रकार भ्रष्टाचार है। सपा ने एक समाचार पत्र की गंदगी फैली फोटो के साथ पोस्ट करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में स्वच्छता अभियान की पोल खुल रही है और भाजपा स-रकार में सफाई गोल है। नगर पालिकाओं की लापरवाही के कारण मुख्य शहरों में गंदगी लगातार बढ़ रही है। भाजपा सरकार सफाई में भी भ्रष्टाचार करने लगी।

समाजवादी पार्टी

उपविभागीय अधिकारी ने नगर निगम का नाम लेकर जिम्मेदारी छोड़ी

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ के इक्का स्टैण्ड पावर स्टेशन क्षेत्र में कार्यरत विद्युत विभाग के उपविभागीय अधिकारी (एसडीओ) अजीत कुमार ने अपनी जिम्मेदारी को यह कहते हुए छोड़ दिया कि ये काम नगर निगम का है। सोमवार की सुबह गोकर्णनाथ मिश्रा मार्ग पर रहने वाले लोगों ने उपविभागीय अधिकारी से एक स्ट्रीट लाइट की दिशा बदल जाने के कारण परेशानी होने की शिकायत की। इस पर अजीत कुमार ने आम लोगों को दो टूक जवाब दे कर पल्ला झाड़ लिया। बीते एक सप्ताह पूर्व में विद्युत विभाग की टीम एक मकान के बकाया भुगतान को लेकर कनेक्शन काटने आयी थी। इसी दौरान विद्युत खम्भे पर सीढ़ी लगाकर चढ़े लाइन मैन की ओर से कनेक्शन काटने में कठनाई होने पर स्ट्रीट लाइट की दिशा बदल दी गयी। लाइन मैन ने कनेक्शन काटा और उसी दिन भुगतान होने पर कनेक्शन जोड़ भी दिया। वहीं स्ट्रीट लाइट की दिशा बदली तो बदली ही रह गयी। रात्रि होने पर स्ट्रीट लाइट की दिशा बदलने से सड़क पर अंधेरा और सामने के मकान पर रोशनी हो गयी, जो सिलसिला बीते सात दिनों से चल रहा है। सोमवार को स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत अधिशासी अभियंता से की तो उनके द्वारा उपविभागीय अधिकारी व उनकी टीम को स्ट्रीट लाइट की दिशा ठीक करने को कहा गया, लेकिन उनके जवाब से जनता असंतुष्ट हो गयी। लोगों ने इस संबंध में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा से शिकायत करने की तैयारी की है। उक्त प्रकरण में सुनील कुमार ने कहा कि वे सभी विद्युत विभाग के अधिकारियों के लापरवाह रवैये को लेकर ऊर्जा मंत्री से मिलेंगे और उनसे शिकायत दर्ज करायेंगे। छोटे से काम के लिए उन्हें सात दिनों से परेशानी झेलनी पड़ रही है। वरिष्ठ समाजसेवी चंद्रप्रकाश अग्निहोत्री ने कहा कि सड़क पर रोशनी देने वाले लाइट से किसी व्यक्ति के घर में रोशनी हो रही है। ये भी गलत है। लाइट से सड़क पर प्रकाश होता है तो आने-जाने वालों को सुविधा होती है। विद्युत विभाग अपनी लापरवाही छुपाने के लिए नगर निगम के ऊपर अपने काम को डाल रहा है। इस तरह की व्यवस्था समाज के हित में नहीं है। सभी लोगों की मांग है कि स्ट्रीट लाइट की दिशा बदली जाये और उसका मुंह सड़क की ओर किया जाये।

पुलिस कर्मियों की ट्रेनिंग हो रही है या यह सिर्फ कागजों पर है : हाई कोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में सोमवार को नीलम चौबे की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि क्या पुलिस कर्मियों की ट्रेनिंग हो रही है या यह सिर्फ कागजों पर है। कोर्ट ने कहा कि प्रत्येक माह राज्य के पुलिस कर्मियों को अनुसंधान से संबंधित सट-ेक जांच करने, आईपीसी एवं सीआरपीसी की धाराओं की जानकारी देने आदि के बारे में ट्रेनिंग कराए जाने का दिशा-निर्देश कोर्ट द्वारा दिया गया था। रेगुलर बेसिस पर इन पुलिसकर्मियों की ट्रेनिंग हो रही है या नहीं, इसे शपथ पत्र के माध्यम से कोर्ट को बताएं। मामले की अगली सुनवाई 10 जनवरी को होगी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता हेमंत सिकरवार ने पैरवी की। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा बोकारो से एक लॉ के छात्र को गिरफ्तार कर ले जाने से संबंधित यह मामला है। इस मामले में पूर्व की सुनवाई में हाई कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा था कि झारखंड पुलिस भी कानून पूरी तरह से नहीं जानती है। कानून के प्रति पुलिस वालों को ट्रेंड करना चाहिए। ऐसे में जरूरी है कि सरकार पुलिस को कैप्सूल कोर्स कराए। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा बोकारो से एक लॉ के छात्र को गिरफ्तार कर ले जाया गया था। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि दूसरे राज्य की पुलिस झारखंड से व्यक्ति को पकड़ कर ले गई, लेकिन कस्टडी में लेकर ट्रांजिट परमिट तक नहीं ली गयी। दूसरे राज्य ले जाने के संबंध में कोर्ट का ऑर्डर भी नहीं है। अगर पुलिस को सूचना थी तो जाने कैसे दिया गया। मध्यप्रदेश की पुलिस की गलती जितनी है, उतनी ही गलती मामले में झारखंड पुलिस की भी है। जानबूझ कर झारखंड पुलिस ने अभियुक्त को जाने दिया। उल्लेखनीय है कि 24 नवंबर 2021 को मध्य प्रदेश पुलिस ने बोकारो से लॉ के छात्र को गिरफ्तार किया था, लेकिन परिजनों को इसकी पूरी जानकारी नहीं दी गयी। परिजनों की जगह रिश्तेदार को गिरफ्तारी की जानकारी दी गयी। दायर याचिका में कहा गया है कि छात्र की गिरफ्तारी के वक्त पुलिस के पास सिर्फ सर्च वारंट था, जबकि अरेस्ट वारंट अनिवार्य है।

पारसनाथ को तीर्थ स्थल ही रहने दे राज्य सरकार : सांसद

रांची, (हि.स.)। रांची के सांसद संजय सेठ ने जैन समाज के जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पारसनाथ को तीर्थ स्थल ही रहने देने की मांग की है। सांसद ने सोमवार को कहा परासनाथ जैन समुदाय के करोड़ों लोगों के आस्था का केंद्र रहा है, यहां दर्जनों जैन मुनियों तीर्थकारो ने तपस्या की और मोक्ष की प्राप्ति की है। श्री सम्मेद शिखरजी की पवित्रता को बनाए रखने के लिए झा-रखंड सरकार को अपना फैसला वापस लेना चाहिए। राज्य स-रकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र घोषित किए जाने के बाद से ही जैन समाज में रोष है। पूरे देश भर के जैन समाज सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे है। सांसद ने कहा पारसनाथ मंदिर सहित जैन समाज की पूजा विधि बहुत ही स्वच्छ और पवित्रता पूर्ण तरीके से होती है। इनकी पूजा पद्धति को ध्यान में रखते हुए पर्यटन स्थल की घोषणा कहीं से भी उचित प्रतीत नहीं होता है। पर्यटन स्थल घोषित होने से यहां के पवित्रता एवं मंदिर की व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। राज्य सरकार जैन समाज की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सम्मेद शिखरजी को धार्मिक स्थल ही रहने दे।

कोकर-लालपुर सड़क के किनारे सब्जी बेचने वाले सब्जी मार्केट में होंगे शिफ्ट

रांची, (हि.स.)। लंबे समय से सब्जी मार्केट की वजह से कोकर-लालपुर सड़क पर लग रहे जाम से अब मुक्ति मिल जाएगी। लालपुर चौक से लेकर कोकर तक सड़क किनारे सब्जी बेचने वालों को डिस्टिलरी पुल के समीप बने नगर निगम की सब्जी मार्केट में शिफ्ट किया जायेगा। 15 जनवरी से पहले दुकानदार सब्जी मार्केट में शिफ्ट हो जायेंगे। इससे लोगों को जाम से निजात मिलेगी। रांची नगर निगम के अपर नगर आयुक्त कुंवर सिंह पहान ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वेजिटेबल मार्केट में दुकान लेने के लिए 630 दुकानदारों ने आवेदन आये हैं। इसकी स्क्रूटनी कर ली गयी है। पहले चरण में 250 दुकानदारों को वेजिटेबल मार्केट में शिफ्ट किया जायेगा।

बाकी बचे दुकानदारों को दूसरे चरण में दुकान एलॉट की जायेगी। डिस्टलरी पूल में दुकान के लिए नगर निगम को 630 लोगों ने आवेदन दिए थे। प्राप्त आवेदनों की जांच नगर निगम की टीम ने एक सप्ताह तक की। जिसमें से 245 दुकानदारों के नाम सर्वे सूची में पाया गए। जबकि 385 दुकानदारों के नाम सर्वे सूची में नहीं मिले। नगर निगम ने शहर के फुटपाथ दुकानदारों का सर्वे साल 2016 में कराया था। इस दौरान 5901 फुटपाथ दुकानदार मिले थे। नगर निगम लालपुर-कोकर के दुकानदारों के नाम इसी सूची से मिलाए हैं। डिस्टलरी पूल मार्केट बन जाने के बाद से फुटपाथ दुकानदारों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 15 नवंबर को इस सब्जी मार्केट का उद्घाटन किया था।

नगर निगम में हारे हुए मेयर उम्मीदवार ने शुरू कर दिया "तगादा"

बेगूसराय, (हि.स.)। नगर निकाय का चुनाव संपन्न हो गया है। बेगूसराय नगर निगम में मेयर के पद पर पूर्व मेयर संजय कुमार की पत्नी पिंकी देवी अप्रत्याशित रूप से 18 हजार से अधिक वोट से जीत कर काबिज हो चुकी है। उप महापौर के पद के लिए हुए कड़े मुकाबले में भाजपा नेत्री अनिता राय ने जीत हासिल किया है। मतगणना संपन्न होने के बाद एक ओर जीत-हार के कारणों की समीक्षा हो रही है। दूसरी ओर वोट के ठे-केदारों पर आफत आ गई है। प्रत्याशियों ने खर्च किए गए पैसे की वसूली का अभियान शुरू कर दिया है। 28 दिसम्बर को मतदान होने से पहले तक प्रत्याशी वोट दिलवाने के लिए जायज-नाजायज सभी प्रकार का खर्च करने के लिए तैयार थे। एक-एक वोट के लिए पैसे लुटाए जा रहे थे। निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार खर्च का हिसाब चाहे जो दें, लेकिन नगर निगम चुनाव के लिए मेयर बनने के लिए कई प्रत्याशियों ने जहां 50 लाख तक खर्च कर दिए थे। वहीं, कुछ वार्ड पार्षदों ने 10-12 लाख खर्च किए थे। जो जीत गए वह तो ठीक है, लेकिन जिन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा वह प्रत्याशी अब अपने समर्थकों पर पैसा वापसी का दबाव बना रहे हैं। जिससे प्रत्याशी के लिए वोट एकजुट करने वाले उनके समर्थक हैरान-परेशान हैं। पैसा तो उन्होंने किसी ना किसी मद में खर्च कर दिया था अब लौटाएं कैसे। बेगूसराय में मेयर पद के लिए 19 प्रत्याशी मैदान में थे। निर्वाचित मेयर को छोड़ दिया जाए तो शेष 18 में दस से अधिक प्रत्याशियों ने 20 लाख से अधिक रुपया खर्च किया था और अब वह सब पैसा वापसी का दबाव बना रहे हैं। नाम नहीं छापने की शर्त पर एक प्रत्याशी के समर्थक ने बताया कि मतदान से पहले तक प्रत्याशी ने रात की नींद और दिन का चैन हराम कर दिया था। दिन भर में 20 बार फोन करते थे, कैसे भी हो वोट दिलवाएं, वोट के लिए जो खर्च करना पड़े खर्च कीजिए। एक-एक वोट के लिए ना सिर्फ हजार रुपये खर्च किए गए थे, बल्कि उपहार से लेकर खाने-पीने तक की व्यवस्था की गई थी। अब जब चुनाव हार गए हैं तो पैसा वापस करवाने का दबाव बना रहे हैं। आखिर वह कहां से पैसा लाकर देंगे, पैसा तो खर्च कर दिया था। उसे क्या पता था कि इतनी कोशिश के बावजूद उनके प्रत्याशी हार जाएंगे। फिलहाल नगर निगम में चुनाव के हार-जीत के गणित के साथ प्रत्याशियों और वोटर के बीच बिचौलिया की भूमिका में रहने वाले वोट के कुछ सौदागर जहां भूमिगत हो गए हैं। वहीं कुछ प्रत्याशियों के दबाव में बेचैनी झेल रहे हैं, उनकी हालत माया मिली ना राम वाली हो गई है। मीडिया मैनेजमेंट करने वालों पर भी आफत आ गई है। एक-दो प्रत्याशी ने तो अपने मीडिया मैनेजमेंट करने वाले को अल्टीमेटम भी दे दिया है कि मैं हार गया हूं। मेरा काम नहीं हुआ और मैं आदमी भी ठीक नहीं हूं, इसलिए पैसा वापस कराओ अन्यथा कुछ भी झेलने के लिए तैयार रहो।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जाएंगे बेगूसराय के दो रेलवे स्टेशन

बेगूसराय, (हि.स.)। बरौनी-कटिहार रेलखंड पर स्थित लखमिनियां एवं साहेबपुर कमाल स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जाएगा। रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना नाम से एक नई नीति तैयार की है। इसमें सोनपुर मंडल द्वारा चयनित 15 स्टेशनों की सूची में बेगूसराय के भी इस दोनों स्टेशन को शामिल किया गया है। इसके तहत लखमिनियां स्टेशन और साहेबपुर कमाल जंक्शन को विभिन्न प्रकार की उच्च क्षमता वाले नई सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ पहले से मौजूद सुविधाओं को भी उन्नत किया जाएगा। बेगूसराय के इस दो स्टेशन के अलावा पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल में स्थित खगड़िया जंक्शन, हाजीपुर जंक्शन, मानसी जंक्शन, महेशखूंट, नवगछिया, काढ़ागोला रोड, दलसिंहसराय, शाहपुर पटोरी, सोनपुर, दिघवारा, ढ़ोली, भगवानपुर एवं रामदयालु नगर को इस महत्वपूर्ण योजना में शामिल किया गया है। जानकारी के अनुसार रेल मंत्रालय ने आने वाले वर्ष में एक हजार से अधिक छोटे स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए नई योजना विकसित की है। यह योजना रेल मंत्रालय के स्टेशन पुनः विकास अभियान और अमृत भारत स्टेशन योजना का हिस्सा होगी। योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों की मास्टर प्लान तैयार करना और सुविधाओं को बढ़ाने के लिए चरणों में मास्टर प्लान का कार्यान्वयन करना है। स्टेशन पर नई सुविधाओं की शुरूआत के साथ ही पुरानी सुविधाओं को भी इस योजना के तहत अपग्रेड किया जाएगा। अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इस योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और सुविधाओं को बढ़ाने के लिए विभिन्न चरणों में मास्टर प्लान को लागू करना है। विभिन्न ग्रेड के प्रतीक्षालय को क्लब करने का प्रयास किया जाएगा और जहां तक संभव हो सकेगा अच्छा कैफेटेरिया और खुदरा सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। सभी श्रेणियों के स्टेशनों पर उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म (760-840 एमएम) बनाए जाएंगे। प्लेटफार्मों की लंबाई आम तौर पर छह सौ मीटर की होगी। स्टेशन पर मुफ्त वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध दी जाएगी, इसके लिए फाइव जी नेटवर्क के टावर लगाए जाएंगे। प्रतीक्षालय, प्लेटफार्म, विश्राम कक्ष, कार्यालयों में अधिक आरामदायक और टिकाऊ फर्नीचर होगी। चरणबद्ध तरीके से बहु-डिजाइन फर्नीचर को समाप्त करने कर एक डिजाइन का फर्नीचर रहेगा। महिलाओं और दिव्यांगों का विषेश ध्यान रखा जाएगा, सभी श्रेणी के स्टेशनों पर महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए पर्याप्त संख्या में शौचालय बनाएं जाएंगे। सड़कों को चौड़ा करके, अवांछित संरचनाओं को हटाक, उचित रूप से डिजाइन किए गए साइनेज, पैदल मार्ग, सुनियोजित पार्किंग क्षेत्र, बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन के दृष्टिकोण में सुधार किया जाएगा। स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निदेर्शों के अनुसार होगी। इस योजना के तहत पुराने या बेकार भवनों का उपयोग उच्च प्राथमिकता यात्री संबंधी गतिविधियों के लिए किया जाएगा। वेटिंग रूम को छोटे-छोटे विभाजन के माध्यम से बांटा जाएगा तथा स्टेशन पर एक्जीक्यूटिव लाउंज और छोटी व्यावसायिक बैठकों के लिए भी स्थान बनाए जाएंगे। स्टेशन यात्रियों को सुखद अनुभव कराने के लिए हरियाली तथा स्थानीय कला और स-ंस्कृतिक से जुड़े तत्वों से स्टेशन को सजाया जाएगा।

संपादकीय

शहरीकरण के नए संबोधन

प्रसन्नता का विषय यह कि प्रदेश में शहरीकरण अंगीकार हो रहा है और वर्तमान सरकार इसे संबोधित करने के लिए सोच रही है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने शहरी विकास, नगर एवं ग्रामीम योजना व नगर निगमों के अलावा शिमला स्मार्ट सिटी की बैठकों में इस आशय के संकेत दिए हैं। जाहिर है शहरी विकास मंत्रालय आने वाले समय में सरकार के मंतव्य को और स्पष्ट करेगा। बहरहाल जिन विषयों को मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया है, वे शहरी विकास को एक नई शक्ल दे सकते हैं। मसलन बीबीएन, हमीरपुर व ऊना में नगर निगमों की स्थापना का खाका और तमाम शहरी निकायों की आय में वृद्धि के स्रोतों पर गौर फरमाने की आवश्यकता अगर महसूस की जा रही है, तो इससे शहरीकरण के मायने दुरुस्त होंगे। हिमाचल ने काफी सालों से बढ़ते शहरीकरण को नजरअंदाज किया है, भले ही अब नए-नए नगर निगम व अन्य शहीर निकाय बढ़ रहे हैं। मूल समस्या टीसीपी कानून को लेकर है, जिसे कमोबेश हर सरकार ने मृत घोषित करने के लिए हरसंभव फैसले लिए। उदाहरण के लिए शहरी विकास योजना से हर बार ग्रामीण इलाकों को बाहर करने की सियासत को तो बल मिला, लेकिन टीसीपी कानून को इसकी संवेदना, अनिवार्यता तथा संभावना में संबल नहीं दिया गया। नतीजतन पिछले कुछ दशकों में हिमाचल ने कई दृश्यावलियां खो दीं, प्राकृतिक अनुभूतियां दरकिनार कर दीं और जीवन शैली के दबाव बढ़ा लिए। टीसीपी कानून को सही परिप्रेक्ष्य में लें, तो ग्रामीण एवं शहरी विकास के बीच सार्थक समन्वय ही स्थापित नहीं होगा, बल्कि आर्थिक तरक्की व रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इसके लिए आवश्यक होगा कि पूरे प्रदेश को टीसीपी कानून के तहत लाया जाए तथा गांव से शहर को जोडने के लिए कम से कम आधा दर्जन शहरी विकास प्राधिकरणों का गठन किया जाए। उदाहरण के लिए अगर हमीरपुर में नगर निगम की स्थापना करनी है, तो इसके साथ नादौन-हमीरपुर से भोटा तक के क्षेत्र को एक स्वतंत्र शहरी विकास प्राधिकरण से सशक्त करना होगा ताकि इससे जुड़े गांव भी नागरिक सुविधाओं में स्तरोन्नत हों। जहां तक शहरों को आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत है, कर शुल्क निर्धारण के लिए बिजली-जलापूर्ति के माध्यम से इनकी अदायगी को जोड़ा जा सकता है। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों के वाहनों के पंजीकरण के वक्त ही एकमुश्त पार्किंग शुल्क जोड़ा जा सकता है। शहरी संपत्तियों का ऑडिट करके इन्हें लाभकारी बनाने की योजना के अलावा शहरों के बस स्टैंड को व्यावसायिक तथा मनोरंजन केंद्रों के रूप में विकसित करते हुए इन्हें नगर निकायों को सौंप देना चाहिए। शहरों में निजी निवेश के अलावा कारपोरेट सेक्टर, बैंक तथा व्यापारिक अदायरों के साथ मिलकर आर्थिकी की नई संभावनाओं को आगे बढ़ाया जा सकता है। अमूमन हिमाचल की भौगोलिक स्थिति कुछ ऐसी है कि नालों और खड्डों के तटीकरण के साथ-साथ भूमि बैंक भी बनाए जा सकते हैं। हिमाचल के शहरों का वर्गीकरण करते हुए इन्हें पर्यटन, शिक्षा हब, मनोरंजन, साइंस सिटी, नालेज सिटी, धार्मिक शहर, औद्योगिक शहर व प्रशासनिक शहरों के रूप में प्राथमिकता देनी होगी। हर शहर के विकास प्रारूप में पर्यटन, व्यापार, सांस्कृतिक उद्गार तथा कान्वेंशन सेंटर के रूप में विशिष्टताएं पैदा करनी होंगी, लेकिन सर्वप्रथम हर शहर में कम से कम चार सामुदायिक, खेल व व्यापारिक मैदान विकसित करने पड़ेंगे। इसके अलावा पूरे प्रदेश में और विशेष तौर पर ऊना जिला में एक बहुआयामी उपग्रह नगर बसाना होगा। यह इसलिए कि हिमाचली लोग अपनी आय का एक बड़ा भाग पड़ोस की रियल एस्टेट में निवेश कर रहे हैं। चंडीगढ़ और इसके आसपास पंजाब-हरियाणा में विकसित हो रहे अपार्टमेंट्स में आधे से अधिक अगर हिमाचली खरीद रहे हैं, तो यही धन हिमाचल में कई उपग्रह शहरों को विकसित कर सकता है।

> हिमाचल ने काफी सालों से बढ़ते शहरीकरण को नजरअंदाज किया है, भले ही अब नए-नए नगर निगम व अन्य शहीर निकाय बढ़ रहे हैं। मूल समस्या टीसीपी कानून को लेकर है, जिसे कमोबेश हर सरकार ने मृत घोषित करने के लिए हरसंभव फैसले लिए। उदाहरण के लिए शहरी विकास योजना से हर बार ग्रामीण इलाकों को बाहर करने की सियासत को तो बल मिला, लेकिन टीसीपी कानून को इसकी संवेदना, अनिवार्यता तथा संभावना में संबल नहीं दिया गया। नतीजतन पिछले कुछ दशकों में हिमाचल ने कई दृश्यावलियां खो दीं, प्राकृतिक अनुभूतियां दरकिनार कर दीं और जीवन शैली के दबाव बढ़ा लिए।

कुछ अलग

प्रथम सूर्योदय का एहसास

जब मैंने यह आलेख लिखने की शुरुआत की, तो नववर्ष 2023 का प्रथम सूर्योदय सामने था। एकदम उज्ज्वल, दैदीप्यमान, पारदर्शी-सा सूर्योदय...निराशाओं, आपदाओं, उदासियों के काल अंधेरों को चीरता एक दैवीय प्रकाश....नए उत्साह, नई उत्तेजना और नई प्रेरणा की असंख्य अभिव्यक्तियां करती अलौकिक रोशनी... ! सचमुच बहुत सुखद और सकारात्मक अनुभव हुआ। ऐसा नहीं है कि हमने जीवन में पहली बार सूर्योदय के दर्शन किए हैं। सूर्योदय और सूर्य नमस्कार हमारी आध्यात्मिक आस्थाओं का हिस्सा है। सूर्योदय को पानी अथवा सिंचन की कोई आवश्यकता या अपेक्षा नहीं है, फिर भी सूर्यदेव को जल देना हमारी सांस्कृतिक श्रद्धा की अभिव्यंजना है। इस बार सूर्योदय कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा सकता है। एक व्यापक मानवीय आबादी ने लगातार सूर्योदय के बावजूद महामारी के दंश झेले थे। बीमारी के संत्रास और तनाव भुगते थे। रोजग़ार छिन्न-भिन्न हो गए थे, लेकिन भूखा शायद ही कोई सोया हो ! यही हमारी सांस्कृतिक सह-चिंता और सह-अस्तित्व है। असंख्य हाथों में से अपनों के हाथ छूट गए थे, लिहाजा एकबारगी जिंदगी अनाथ हो गई थी। उन्हें आश्रय देने वाले चेहरे भी सामने आए, नतीजतन मानवीय सभ्यता उस जानलेवा महामारी के हत्यारे शिकंजों से मुक्त हुई। हालांकि हमारे पड़ोस में महामारी के प्रकोप ने हाहाकार मचा रखा है, लेकिन हम सुरक्षित और सशक्त हैं। देश की करीब 142 करोड़ की आबादी में 226 संक्रमित मामले, औसत संक्रमण दर 0.25 फीसदी से भी कम और मौत 'शून्य' आदि बेमानी तथ्य हैं। ये किसी महामारी के घातक संकेत नहीं हैं। विशेषज्ञ लगातार आश्वस्त कर रहे हैं कि भारत बिल्कुल सुरक्षित है। हालांकि कुछ भोंपू किस्म के तत्त्व फिजूल ही शोर मचा रहे हैं, तो उन्हें ऐसा करने दें। लोकतंत्र में उन्हें भी अधिकार है। नए साल का स्वागत ढोल-नगाड़ों और डीजे की थाप और धुनों पर नृत्य करते किया गया है। कंपकंपाती सर्दी के बावजूद पहाड़ों पर सैलानियों की गदगद और ठुमकती भीड़ भी देखी गई है। होटल, बार, रेस्तरां और सार्वजनिक स्थल-क्लब आदि विविध रंगों की रोशनियों में नहाते रहे। उन्होंने 100 फीसदी से ज्यादा कारोबार किया। अंततः फायदा देश की अर्थव्यवस्था और औसत भारतीय का ही हुआ। यह दौर आधी रात तक हमने भी जिया, लिहाजा प्रथम सूर्योदय के सौंदर्य से अभिभूत हैं। हालांकि 2022 बीतते हुए कुछ त्रासदियां, घटनाएं, अनहोनियां देखी-सुनी गईं। दुनिया में 'फुटबॉल की दुनिया' के प्रतीक बने, पांवों के हुनर और कमाल के करिश्माई बादशाह पेले हमारे बीच नहीं रहे। देश के प्रधानमंत्री मोदी की 'शतकमय मां' हीरा बा भी अपनी इहलीला समाप्त कर महाप्रयाण को चली गईं। 'क्रिकेट इंडिया' के अंतरराष्ट्रीय धमाकेदार बल्लेबाज और कुशल विकेटकीपर ऋषभ पंत को किन्हीं फरिश्तों ने बचा लिया, लिहाजा अब वह स्थिर और उपचाराधीन हैं। ऐसी नकारात्मक घटनाओं को नेपथ्य में रखकर नववर्ष के सूर्योदय का आनंद लीजिए। यह जीवन निरंतर है और आत्मा इसकी सूत्रधार है। देह पार्थिव हो जाती है और फिर पंचतत्त्व में विलीन हो जाती है, लेकिन आत्मा अजर, अमर, चिरंतन है। उसी तरह सूर्योदय भी शाश्वत है। उसे देखिए और नए साल पर नए संकल्प लीजिए। सिर्फ भूलने या डायरी में लिखने के लिए नहीं, उन्हें क्रियान्वित करने के लिए संकल्प लीजिए। संकल्प मानवता का हो, गुस्से-कुंठाओं पर लगाम लगाने का हो, पारिवारिक लक्ष्यों की पूर्ति का हो, घर बसाने का हो और मानवता को संरक्षण देने, गरीब को भोजन खिलाने, वस्त्र आदि उपलब्ध कराने या किसी भी तरह का सामूहिक सकारात्मक संकल्प हो, इस नए साल के उजालों के बीच धारण करना चाहिए।

> नए साल का स्वागत ढोल-नगाड़ों और डीजे की थाप और धुनों पर नृत्य करते किया गया है। कंपकंपाती सर्दी के बावजूद पहाड़ों पर सैलानियों की गदगद और ठुमकती भीड़ भी देखी गई है। ह ेटल, बार, रेस्तरां और सार्वजनिक स्थल-क्लब आदि विविध रंगों की रोशनियों में हनाते हरे। उन्होंने 100 फीसदी से ज्यादा कारोबार किया।

पूर्वानुमान विश्व के लगभग समस्त विकसित देशों के आर्थिक संकटों में घिरे रहने के बीच लगाया गया

वर्ष 2023 आर्थिक दृष्टि से भारत के लिए एक सुनहरा वर्ष साबित होगा

प्रह्लाद सबनानी

> भारत में ही वर्ष 2015 के बाद से हशरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 3 करोड़ नए मकान केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा नागरिकों को सौंपे गए हैं एवं अभी भी सौंपे जा हरे हैं। इसी प्रकार "हर घर में नल" एक विशेष योजना के अंतर्गत 2.43 करोड़ परिवारों को नल के नए कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। कोरोना जैसी हमामारी से अपने नागरिकों को बचाने के उद्देश्य से भारत में अपना स्वयं का स्वदेशी टीका विकसित कर, 220 करोड़ से अधिक कोरोना के टीके मुफ्त ह ी अपने नागरिकों को लगाए गए हैं, जो कि पूरे विश्व में एक रिकार्ड है। इसके चलते ही भारत में कोरोना जैसी हमामारी पर नियंत्रण स्थापित किया जा सका है।

अब तो वैश्विक स्तर पर विभिन्न वित्तीय संस्थानों जैसे विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मॉनेटरी फंड, यूरोपीयन यूनियन, एशियाई विकास बैंक, आदि ने वर्ष 2023 में भारत को पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आर्थिक प्रगति करने वाला देश बने रहने की सम्भावना पूर्व में ही व्यक्त कर दी है और यह पूर्वानुमान विश्व के लगभग समस्त विकसित देशों के आर्थिक संकटों में घिरे रहने के बीच लगाया गया है। हालांकि इस बीच, हाल ही के समय में, चीन एवं कुछ अन्य देशों में कोरोना महामारी का प्रकोप फिर से बढ़ता दिखाई दे रहा है तथा यूक्रेन एवं रूस के बीच युद्ध समाप्त होने के आसार दिखाई नहीं दे रहे हैं परंतु फिर भी इन समस्त विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत किस प्रकार पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप में दिखाई दे रहा है। दरअसल, यह सब भारत सरकार द्वारा समय समय पर लिए गए कई आर्थिक निर्णयों के चलते सम्भव होता दिखाई दे रहा है। पूरे विश्व में आज ऐसा कोई देश नहीं है जिसमें वर्ष 2015 के बाद से 50 करोड़ के आसपास बैंक खाते खोले गए हों। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय बैंकों में खोले गए उक्त खातों में से 90 प्रतिशत से अधिक खातों में निरंतर व्यवहार किए जा रहे हैं। देश की एक बहुत बड़ी आबादी को बैंकों के साथ जोड़कर उन्हें वित्तीय रूप से साक्षर बनाया गया है। साथ ही, भारत में ही वर्ष 2015 के बाद से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 3 करोड़ नए मकान केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा नागरिकों को सौंपे गए हैं एवं अभी भी सौंपे जा रहे हैं। इसी प्रकार "हर घर में नल" एक विशेष योजना के अंतर्गत 2.43 करोड़ परिवारों को नल के नए कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। कोरोना जैसी महामारी से अपने नागरिकों को बचाने के उद्देश्य से भारत में अपना स्वयं का स्वदेशी टीका विकसित कर, 220 करोड़ से अधिक कोरोना के टीके मुफ्त ही अपने नागरिकों को लगाए गए हैं, जो कि पूरे विश्व में एक रिकार्ड है। इसके चलते ही भारत में कोरोना जैसी महामारी पर नियंत्रण स्थापित किया जा सका है। कोरोना जैसी भयंकर महामारी के बीच प्रारम्भ की गई गरीब अन्न योजना, जिसके अंतर्गत दिसम्बर 2023 तक, 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त 5 किलो अनाज उपलब्ध

कराया जाता रहेगा। भारत में लगभग 10 करोड़ परिवारों को स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं, जिसके अंतर्गत परिवार के सदस्यों को 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा प्रतिवर्ष उपलब्ध रहेगा। इस प्रकार लगभग 50 करोड़ नागरिकों को इस स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत शामिल कर लिया गया है। आप जरा उक्तवर्णित आंकड़ों पर गौर करें, आज पूरा विश्व ही आश्चर्य चकित है कि भारत में केंद्र सरकार किस प्रकार इतने बड़े स्केल पर भारत की जनता के हितार्थ आर्थिक निर्णय ले रही है एवं इस संबंध में अपने लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों को तेजी से प्राप्त करती जा रही है। यहां पर उक्त तो केवल कुछ उदाहरण दिए गए हैं वरना वर्ष 2014 के बाद से इस प्रकार के अनेकों निर्णय कई क्षेत्रों में लिए गए हैं जिनसे पूरा विश्व ही आज हक्का बक्का हो गया है। वैश्विक स्तर पर भारत ने अभी हाल ही में कई क्षेत्रों में अपनी अगुवाई सिद्ध की है। सूचना प्रौद्योगिकी का क्षेत्र तो पूरे विश्व में एक तरह से भारतीय मूल के इंजीनियरों द्वारा चलाया जा रहा है। अमेरिका की सिलिकोन वैली इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। भारत में डिजिटल प्लेटफोर्म को जिस प्रकार से शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्र एवं दूर दराज के इलाकों तक फैलाया गया है, इसको देखकर पूरा विश्व ही आज आश्चर्यचकित है एवं इस क्षेत्र में विकसित देश भी आज भारत से मार्गदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। फार्मा उद्योग एक और ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत आज पूरे विश्व के लिए एक फार्मेसी हब बन गया है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने विश्व के लगभग समस्त देशों को दवाईयां उपलब्ध करवाईं। आज पूरे विश्व में सबसे अधिक दवाईयों एवं टीकों का निर्माण भारत में हो रहा है एवं भारत ही विभिन्न देशों को दवाईयां एवं टीके उपलब्ध करवा रहा है। हाल ही के समय में भारत ने औटोमोबाइल एवं मोबाइल के उत्पादन के क्षेत्र में भी द्रुत गति से विकास किया है। भारत सरकार द्वारा 23 प्रकार के विभिन्न उद्योगों के लिए लागू की गई उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना का लाभ अब इन दो उद्योगों के साथ ही कुछ अन्य उद्योगों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। भारत ने पर्यावरण के क्षेत्र में सुधार करने की दृष्टि से भी फोसिल फ़्यूल (डीजल, पेट्रोल एवं कोयला) के उपयोग को कम कर नॉन-फोसिल फ़्यूल (सूर्य की रोशनी एवं वायु से निर्मित फ़्यूल) के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इस संदर्भ में भारत ने अपनी अगुवाई में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 70 देशों को मिलाकर एक समूह भी बनाया है जो कि इन सदस्य देशों में नॉन-फोसिल फ़्यूल के उपयोग को बढ़ावा देगा। इससे पूरे विश्व में डीजल, पेट्रोल एवं कोयले पर निर्भरता बहुत कम हो जाएगी। भारत अभी तक सुरक्षा के क्षेत्र में पूर्णतः आयातित उत्पादों पर ही निर्भर रहता था। छोटे से छोटा उत्पाद भी विकसित देशों से आयात किया जाता रहा है। परंतु हाल ही के समय में भारत ने सुरक्षा के क्षेत्र में आत्म-निर्भरता हासिल करने की ओर अपने कदम बढ़ा दिये हैं। बल्कि, भारत आज सुरक्षा के कई उपकरणों, मिसाईल एवं हवाई जहाज जैसे उच्च स्तर के उत्पादों सहित, का निर्यात भी करने लगा है। इसी प्रकार कृषि के क्षेत्र में भी भारत ने अकल्पनीय विकास किया है। अभी हाल ही में रूस एवं यूक्रेन के बीच छिड़े जंग के कारण कई देशों को भारत ने ही गेहूं जैसे खाद्य पदार्थों का निर्यात कर इन देशों के नागरिकों की भूख मिटाने में सफलता पाई। आज भारत से कृषि उत्पादों का निर्यात बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रहा है। देश में आज खाद्यान (गेहूं एवं धान) उत्पादों से अधिक दलहन, तिलहन, फल एवं सब्ज़ियों जैसे उत्पादों का अधिक उत्पादन हो रहा है जिससे किसानों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है एवं जिसके कारण भारत के ग्रामीण इलाकों में गरीबी भी तेजी से कम हो रही है, इसकी सराहना तो विश्व बैंक एवं आईएमएफ ने भी अपने प्रतिवेदनों में की है।

रूढ़िवादी समाज को चुनौती देती ग्रामीण महिलाएं

> सरकार के भरसक प्रयासों के बावजूद आज भी देश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। देश के 10 प्रमुख राज्यों हजां सबसे अधिक बाल विवाह होते हैं, उनमें राजस्थान भी अहम है। इस राज्य में केवल बाल विवाह ही हनीं बल्कि हयां महलिाओं के साथ दोयम दर्जे का भी व्यहवार किया जाता है। उनसे जुड़े फैसले भी पुरुषों द्वारा ही लिए जाते हैं। राजस्थान में मीणा, गुर्जर, जाट आदि जातियों में गांवों में पंच पटेलों के द्वारा ही सभी प्रकार के विवादों का निपटारा किया जाता है। इसके अंतर्गत फैसले सर्वसम्मति से ग्राम वासियों के होते हैं। फिर चाहे हव फैसले महलिाओं से ही जुड़े क्यों न हों। महलिाओं को पंचायत अथवा हमापंचायत से बिल्कुल अलग रखा जाता है। ये हमापंचायत 5 जिलों की या उससे अधिक जिलों की पंचायत को मिलाकर होती ह ै। जिनमें पुरुष ही पंच पटेल की भूमिका में अपराध की संगीनता को देखकर निर्णय सुनाते हैं। उक्त पंचायतों में महलिाओं को जाजम (दरी) पर आने का अधिकार हनीं दिया गया है।

दुनिया की आधी आबादी यानी नारी शक्ति का दो रूप हम देख पा रहे हैं। एक तरफ तो वो चांद को छू रही है, एवरेस्ट फतह कर रही है, वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर और मुख्यमंत्री तक बन रही हैं तो वहीं दूसरी और हमारे गांव में जहां देश की बड़ी आबादी निवास करती है वहां लड़कियों का बीच में ही स्कूल छुड़वाकर विवाह करा देना और उन्हें मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित रखना आम बात है। सरकार के भरसक प्रयासों के बावजूद आज भी देश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। देश के 10 प्रमुख राज्यों जहां सबसे अधिक बाल विवाह होते हैं, उनमें राजस्थान भी अहम है। इस राज्य में केवल बाल विवाह ही नहीं बल्कि यहां महिलाओं के साथ दोयम दर्जे का भी व्यवहार किया जाता है। उनसे जुड़े फैसले भी पुरुषों द्वारा ही लिए जाते हैं। राजस्थान में मीणा, गुर्जर, जाट आदि जातियों में गांवों में पंच पटेलों के द्वारा ही सभी प्रकार के विवादों का निपटारा किया जाता है। इसके अंतर्गत फैसले सर्वसम्मति से ग्राम वासियों के होते हैं। फिर चाहे वह फैसले महिलाओं से ही जुड़े क्यों न हों। महिलाओं को पंचायत अथवा महापंचायत से बिल्कुल अलग रखा जाता है। ये महापंचायत 5 जिलों की या उससे अधिक जिलों की पंचायत को मिलाकर होती है। जिनमें पुरुष ही पंच पटेल की भूमिका में अपराध की संगीनता को देखकर निर्णय सुनाते हैं। उक्त पंचायतों में महिलाओं को जाजम (दरी) पर आने का अधिकार नहीं दिया गया है। अलबत्ता वो वादी प्रतिवादी बनकर खड़ी रह सकती हैं, परंतु जाजम पर चढ़ने का अधिकार उन्हें आज तक प्राप्त नहीं हो पाया था। लेकिन बदलते वक्त के साथ महिलाओं ने सदियों से चली आ रही इस रूढ़िवाद को न सिर्फ तोड़ा बल्कि जाजम पर पुरुषों के साथ बैठकर किसी भी फैसले में अपनी सलाह भी देने लगी हैं। इन्हीं में एक मीणा समाज की अनीता भी हैं। जिन्होंने न केवल इस महापंचायत में शामिल होकर इसमें सुधार की आवश्यकता पर बल दिया बल्कि महिलाओं से जुड़े मामलों के निपटान में भूमिका भी निभाने लगी हैं। अनीता कहती हैं कि वह बचपन से ही इस बात को लेकर परेशान रहती थी कि महिलाओं को पंचायत में समानता का अधिकार क्यों नहीं दिया जाता है? एक महिला गांव की सरपंच बन सकती है, कलेक्टर बन सकती है, नेता बन सकती है तो फिर उसे जाजम पर बैठने का हक़ क्यों नहीं है? इसी सोच के साथ 15 अप्रैल 2021 को वह सबसे पहले अपने ससुराल करौली में पांच जिलों धौलपुर, सवाई माधोपुर, दौसा, अलवर और करौली के पंच पटेलों की महापंचायत में पहुंचकर समाज सुधार को लेकर अपने विचार रखे। यह पहला मौका था जब गांव के पंच पटेलों के सामने गांव की बहू के द्वारा जाजम पर समाज सुधार की पहल की गई थी। अनीता बताती हैं कि उनके इस कदम का पुरुषसत्तात्मक समाज में विरोध होने लगा। स्वयं उनके पति ने भी पहले इस कदम का विरोध किया लेकिन अनीता के बुलंद हौसले के आगे सभी को झुकना पड़ा। अनीता ने जाजम पर न केवल महिला उत्पीड़न के मामलों पर महिलाओं की ओर से पक्ष रखना शुरू किया बल्कि मीणा समाज के महापंचायत में महिला स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और महिला सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी विचार रखे। आज उन्हें क्षेत्र में लोग आयरन लेडी के नाम से पुकारते हैं। अनीता की तरह ही जयपुर स्थित जंवारामगढ तहसील के मानोता गांव की सुमन मीणा भी पुरुषसत्तात्मक समाज को चुनौती दे रही हैं। एक पढ़े लिखे शहरी परिवेश में पली बढ़ी सुमन का सपना आईएएस बनकर देश की सेवा करने का था। परंतु उनकी शादी गांव के एक संयुक्त परिवार में हुई। जहां पूरे दिन घर की महिलाओं के साथ घर के सभी कार्य स्वयं ही करने पड़ते थे। सुमन ने भी इसी परिवेश में स्वयं को ढाल लिया। इसी तरह से पांच साल गुजर गए। एक दिन किसी काम से गांव के विद्यालय गई तो वहां देखा कि स्कूल में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। वहां लड़कियों के लिए शौचालय की सुविधा तक उपलब्ध नहीं थी। इसी कारण लड़कियां पढ़ने नहीं आती थीं। लेकिन गांव की पंचायत में महिलाओं का प्रतिनिधित्व नहीं होने के कारण पंचायत के लिए यह कोई गंभीर मुद्दा नहीं था। यह सब देखकर सुमन को बहुत दुःख हुआ और उन्होंने इस व्यवस्था को सुधारने का निश्चय करते हुए सरपंच का चुनाव लड़ने की ठान ली। वह घर घर जाकर महिलाओं से मिली और उनकी समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया। भारी बहुमत से चुनाव जीतने के बाद उन्होंने गांव में बैठक बुलाई जिसमें बड़े स्तर पर महिलाओं को बुलाया और उन्हें अपनी लड़कियों को विद्यालय भेजने पर राज़ी किया। सुमन ने शिक्षा विभाग के सहयोग से स्कूल में लड़कियों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई। इसका बहुत ही अच्छा असर देखने को मिला और बड़े स्तर पर बच्चियां विद्यालय आने लगीं। लेकिन मानोता गांव में विद्यालय आठवीं कक्षा तक ही था और उच्चतर विद्यालय गांव से लगभग 10 किमी दूर था। जहां अभिभावक लड़कियों को भेजने के लिए तैयार नहीं थे। यही कारण है कि गांव में आठवीं के बाद बच्चियां आगे नहीं पढ़ पा रही थी। सरपंच चुने जाने के बाद सुमन ने इस संबंध में प्रशासन से बात की और स्थानीय विधायक से विचार विमर्श करके विद्यालय को 12वीं तक अपग्रेड करवाया। इसके अलावा उन्होंने गांव में सार्वजनिक पुस्तकालय भी खुलवाए। उनके इस काम से न केवल गांव बल्कि आसपास के क्षेत्रों की लड़कियों में भी शिक्षा के प्रति जागरूकता आई। इसके बाद सुमन लगातार उस गांव की तीन बार निर्विरोध सरपंच रह चुकी हैं और आसपास के क्षेत्र में आदर्श महिला के तौर पर जानी जाती हैं। करौली स्थित हिंडन सिटी की रहने वाली विमलेश जाटव भी रूढ़िवादी समाज के विरुद्ध प्रतीक बन चुकी हैं। चार वर्ष की उम्र में ही उनका बाल विवाह हो गया था। लेकिन कुछ वर्ष बाद ही एक सड़क दुर्घटना में उनके पति की मौत हो गई। 12 वर्ष की उम्र में उन्हें अपनी शादी और पति की मौत के बारे में पता चला। जैसे जैसे वह बड़ी हुई उन्हें महसूस हुआ कि उसके लिए पढ़ना और अपने पैरों पर खड़ा होना क्यों जरूरी है? घर वालों के विरोध के बावजूद उन्होंने पढ़ने का फैसला किया। हालांकि घर की चारदीवारी में रहकर ही उन्हें पढ़ने की इजाज़त मिली। 15 वर्ष की उम्र में उन्होंने पढ़ना शुरू किया और एक साल तक जी तोड़ पढ़ाई करके आठवीं पास कर ली। 18 साल की उम्र में उन्होंने अपनी 12वीं की शिक्षा भी पूरी कर ली। अब घर वालों को भी उनके पढ़ने से कोई दिक्कत नहीं थी। इसके बाद दो साल की कड़ी मेहनत और पढ़ाई करके आखिरकार विमलेश को नर्स की नौकरी मिल गई।

नागरिक बोध

भारत जोड़ोः खाली झुनझुना

परसों मैंने लिखा था कि राहुल गांधी के पास यदि भाजपा का कोई वैकल्पिक राजनीतिक दर्शन होता तो देश के समस्त विरोधी दलों को एक सूत्र में बांधा जा सकता था। मुझे खुशी है कि आज राहुल गांधी ने इसी बात को दोहराया है। उन्होंने अपनी भारत-यात्रा के दौरान अपनी नौंवी पत्रकार परिषद में कहा है कि भाजपा को हराने के लिए विरोधी दलों के पास कोई अपनी दृष्टि होनी चाहिए। राहुल को शायद पता नहीं है कि हमारे देश के सभी विरोधी दलों के पास जबर्दस्त दृष्टि है। हर दल के पास दो-दो नहीं, चार-चार आंखें हैं। इन चारों आंखों से वे चारों तरफ देखते हैं और उन्हें बस एक ही चीज़ दिखाई पड़ती है। वह है- सत्ता, कुर्सी, गद्दी ! इसके अलावा सभी दल खाली-खट हैं। उनके पास सिद्धांत, विचारधारा, नीति, कार्यक्रम के नाम पर खाली झुनझुना होता है। उसे वे बजाते रहते हैं। उनके पास जाति, मजहब, संप्रदाय, भाषा, प्रांतवाद आदि की सारंगियां होती हैं। चुनाव के दिनों में वे इन झुनझुनों और सारंगियों के जरिए अपनी नय्या पार लगाने में जुटे रहते हैं। और यदि वे सत्ता में हों तो वे रेवड़ियों का अंबार लगा देते हैं। किसी नेता या पार्टी के पास भारत की गरीबी और असमानता को दूर करने का कोई नक्शा नहीं होता, उन्हें पता ही नहीं है कि भारत को संपन्न और शक्तिशाली बनाने के लिए क्या-क्या कदम उठाने चाहिए और सभी दल सत्तारुढ़ होने के लिए नोट और वोट का झांझ पीटते रहते हैं। सत्तारुढ़ होने पर वे नौकरशाहों की नौकरी करने लगते हैं। भारत में सिर्फ कम्युनिस्ट पार्टी ऐसी है, जिसके कुछ नेता पढ़े-लिखे और विचारशील हैं लेकिन यह पार्टी भी मलयाली उप-राष्ट्रवाद (केरल) की बेड़ियों में जकड़ी हुई है। कांग्रेस एक मात्र विरोधी पार्टी है, जिसके सदस्य आज भी देश के हर जिले में मौजूद हैं लेकिन दुर्भाग्य है कि उसके पास न कोई नेता है और न ही नीति है। लगभग 10-12 वर्ष पहले राहुल गांधी में कुछ संभावना दिखाई पड़ रही थी लेकिन इतना लंबा वक्त बापकमाई और अम्माकमाई को जीमने में गुजर गया। अब जबकि कांग्रेस 'वेंटिलेटर' पर आ गई है, राहुल ने राजनीति का क,ख,ग सीखने की कोशिश की है। लेकिन विरोधी दलों के नेता तीन-चार माह के इस नौसिखिए राजनीतिक शिशु को अपना गुरु कैसे धारण कर लेंगे? अखिलेश यादव और मायावती ने भारत-जोड़ो यात्रा में जुड़ने से मना कर दिया है।

देश दुनीया से

दहशत-ए-कोरोना : एक अबूझ पहेली

पूरे विश्व में एक बार फिर कोविड के विस्तार को लेकर चिंतायें बढ़ने लगी हैं। भारत सहित दुनिया के अनेक देश इस ख़तरनाक वायरस का मुक़ाबला व इसकी रोक थाम करने के लिये तरह तरह की तैय्यारियों में जुट गये हैं। एक बार फिर तरह तरह के प्रतिबंधों से लेकर कई नये नये नियम भी बनाये जा रहे हैं। विदेश से आने वाले यात्रियों की टेस्ट व जाँच शुरू कर दी गयी है। और पहले की ही तरह इस बार भी पड़ोसी देश चीन को लेकर ही वैश्विक स्तर पर फिर वही सुना जाने लगा है कि - 'चीन में अस्पतालों में कोरोना मरीज़ों को रखने और उनका इलाज करने की जगह नहीं है। वहां क़ब्रिस्तान में लाशों की लाइनें लगी हुई हैं। ऐसे में भारत जैसे उस देश के लोगों का कोरोना के संभावित ख़तरों अथवा उसकी दहशत को लेकर फ़िक्रमंद होना लाज़िमी भी है जिसने कोविड के दो वर्ष पूर्व के विस्तार के दौरान अकल्पनीय हालात का सामना किया हो। निःसंदेह देश की अर्थव्यवस्था को चौपट कर देने वाला लॉक डाउन, ऑक्सीजन की कमी से दम तोड़ते मरीज़, मरीज़ों व उनके परिजनों की चीख़ पुकार, थल-जल-वायु में थमे हुये यातायात के पहिये, रेलवे ट्रैक पर व सड़क मार्ग से हज़ारों किलोमीटर की पैदल यात्रा पर चलने वाले करोड़ों कामगारों का परिवार, रास्ते में भूख और थकान से दम तोड़ते लोग, शमशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिये लगी लंबी लाइनें, नदियों में तैरती व किनारे पड़ी लावारिस लाशें, यह दृश्य और उसकी दहशत देश कभी भूल नहीं सकता। इसीलिये कोविड/कोरोना या इससे जुड़े किसी नये वैरिएंट की ख़बर और इन ख़बरों के माध्यम से फैलने वाली अथवा फैलाई जाने वाली दहशत को लेकर आम लोगों की चिंतायें स्वभाविक हैं। भारत के लिये सबसे बड़ी चिंता पड़ोसी चीन देश में कथित अनियंत्रित कोविड विस्तार की ख़बरों की वजह से अधिक है। परन्तु चीन के अधिकारी कहते रहते हैं कि विश्व मीडिया चीन में कोविड दुर्दशा का प्रोपेगंडा कर रहा है उसकी तुलना में चीन के हालात उतने ख़राब नहीं हैं। केवल चीनी सत्ता के पक्षकार ही नहीं बल्कि चीन के विभिन्न नगरों व महानगरों में रहने वाले तमाम ऐसे भारतीय भी जो अंतर्राष्ट्रीय मीडिया विशेषकर भारतीय प्रोपेगंडा मीडिया द्वारा चीन के बारे में कोरोना से संबंधित ख़बरों को बिना किसी तथ्य, पुष्टि अथवा सत्यापन के प्रचारित करने को लेकर बेहद दुखी हैं। वे चीन की वास्तविक सामान्य स्थिति दर्शाने वाले अनेक वीडीओ अपलोड कर रहे हैं। अपने ऐसे वीडीओ में वे स्पष्ट रूप से बता व दिखा रहे हैं कि भारतीय मीडिया द्वारा चीन के बारे में कोरोना संबंधी दुष्प्रचार की वजह से किस तरह भारत में रह रहे उनके परिजन चिंतित हो जाते हैं। ऐसे कई भारतीय चीन के बाज़ारों की सामान्य रौनक़ और बेफ़िक्र चीनियों की रोज़मर्रा की नियमित ज़िंदगी की वीडीओ व तस्वीरें शेयर करते हुये यही बताना चाह रहे हैं कि चीन में सब कुछ नियंत्रण में है और चीन संबंधी झूठी ख़बरों ने ही जान बूझ कर दहशत का माहौल बना रखा है। कोरोना के बढ़ते ख़तरों के मद्देनज़र भारत में भी सरकार ने सार्वजनिक स्थलों पर मास्क लगाने के निर्देश जारी किये हैं। परन्तु जनता द्वारा इन निर्देशों का पालन करना तो दूर स्वयं नियम निर्माताओं द्वारा ही इस पर अमल नहीं किया जा रहा है। पिछले दिनों देश की लोकसभा के साथ साथ उत्तर प्रदेश व अन्य कई राज्यों की विधान सभा कार्रवाइयों या मुख्यमंत्री स्तर की एक ही दिन व समय पर चलने वाली विभिन्न बैठकों के चित्र प्रकाशित हुये। इनमें केवल लोकसभा का चित्र ऐसा था जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक मंत्री मुंह पर मास्क ढके दिखाई दे रहे थे।

> कोरोना या इससे जुड़े किसी नये वैरिएंट की ख़बर और इन ख़बरों के माध्यम से फैलने वाली अथवा फैलाई जाने वाली दहशत को लेकर आम लोगों की चिंतायें स्वभाविक हैं। भारत के लिये सबसे बड़ी चिंता पड़ोसी चीन देश में कथित अनियंत्रित कोविड विस्तार की ख़बरों की वजह से अधिक है। परन्तु चीन के अधिकारी कहते रहते हैं कि विश्व मीडिया चीन में कोविड दुर्दशा का प्रोपेगंडा कर रहा है उसकी तुलना में चीन के हालात उतने ख़राब नहीं हैं। केवल चीनी सत्ता के पक्षकार ही नहीं बल्कि चीन के विभिन्न नगरों व महानगरों में रहने वाले तमाम ऐसे भारतीय भी जो अंतर्राष्ट्रीय मीडिया विशेषकर भारतीय प्रोपेगंडा मीडिया द्वारा चीन के बारे में कोरोना से संबंधित ख़बरों को बिना किसी तथ्य, पुष्टि अथवा सत्यापन के प्रचारित करने को लेकर बेहद दुखी हैं।

इस्राइल ने दमिश्क एयरपोर्ट पर दागी मिसाइलें, दो सैनिकों की मौत, हवाई अड्डा बंद

दमिश्क ।

इस्राइली सेना ने सोमवार को सीरिया पर मिसाइल हमला बोल दिया। दमिश्क इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए मिसाइल हमले में दो सीरियाई सैनिकों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। हमले के बाद दमिश्क एयरपोर्ट को बंद करना पड़ा। यह हमला स्थानीय समय अनुसार रात 2 बजे किया गया। भारतीय समयानुसार करीब साढ़े सात बजे हमला किया गया। सैन्य सूत्रों ने बताया कि दमिश्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और उसके आसपास के इलाकों को निशाना बनाते हुए इस्राइल ने मिसाइलें दागीं। हमले में दो सैनिकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

रिपोर्ट के अनुसार, लेबनान के हिजबुल्लाह और ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों को हथियारों की खेप भेजने से रोकने के लिए इस्राइल ने ये हमला किया। रिपोर्ट के अनुसार इस्राइली सेना ने सीरिया के सरकारी हवाई अड्डों और बंदरगाहों को निशाना बनाया। हमलों से दमिश्क के दक्षिण में हवाईअड्डा और हथियार डिपो को नुकसान पहुंचा है।

इस्राइल ने साधी चुप्पी

दमिश्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमले के संबंध में इस्राइल ने कोई टिप्पणी नहीं की है। सीरियाई सेना ने भी हमले से हुए नुकसान का ब्योरा नहीं दिया है। सीरिया पर इस्राइल का वर्ष 2023 का यह पहला हमला है, जिसे नववर्ष के दूसरे ही दिन अंजाम दिया गया।

10 जून को भी किया था दमिश्क एयरपोर्ट पर हमला

एक साल से भी कम समय में यह दूसरा मौका है जब दमिश्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद करना पड़ा है। इससे पहले 10 जून को दमिश्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इस्राइली हवाई हमले में एयरपोर्ट के बुनियादी ढांचे और रनवे को काफी नुकसान पहुंचा था। इसे मरम्मत के बाद दो सप्ताह पूर्व ही फिर खोला गया था।

सितंबर में अलेप्पो पर हमला किया था

इस्राइली सेना ने पिछले साल सितंबर में सीरिया के सबसे बड़े और व्यावसायिक शहर अलेप्पो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमला किया था। इस कारण यह कई दिनों तक बंद रहा था। 2021 के अंत में भी इस्राइल के लड़ाकू विमानों ने मिसाइलें दागी थीं। ये लताकिया बंदरगाह पर कंटेनरों से टकराई थीं, इससे बड़े पैमाने पर आग लग गई थी।

बीते वर्षों में सैकड़ों हमले

रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल ने हाल के वर्षों में सीरिया के सरकार-नियंत्रित हिस्सों में सैकड़ों हमले किए हैं। हालांकि, सीरिया इन सैन्य ऑपरेशनों को स्वीकार नहीं करता है। जबकि, इस्राइल मानता है कि उसने लेबनान के हिजबुल्लाह जैसे ईरान-सहयोगी आतंकवादी समूहों के ठिकानों को निशाना बनाया है। लेबनान ने सीरिया के राष्ट्रपति बशर असद की सेना का समर्थन करने के लिए हजारों लड़ाकों को भेजा है।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री प्रचंड के सामने अब संसद की कसौटी, 10 जनवरी को हासिल करेंगे विश्वास मत

काठमांडू । नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के सामने अब संसद की कसौटी होगी। वह 10 जनवरी, 2023 को अपना विश्वास मत हासिल करेंगे। संसद सचिवालय के प्रवक्ता रोजनाथ पांडेय ने बताया कि विश्वास मत को लेकर प्रधानमंत्री की ओर से एक पत्र भी संसद में भेजा गया है। बता दें, भारी बहुमत से प्रधानमंत्री नियुक्त होने के बावजूद प्रचंड को 30 दिन के भीतर निचले सदन से विश्वास मत प्राप्त करना होगा। दरअसल, नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने नवगठित कैबिनेट की सिफारिश पर 9 जनवरी 2023 को अगला सदन सत्र बुलाने का आह्वान किया है। 20 नवंबर को हुए चुनावों के बाद पहली बार प्रतिनिधि सभा और नेशनल असेंबली की बैठक होने जा रही है। बता दें, बीते महीने 'प्रचंड' ने तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। प्रचंड ने नाटकीय रूप से नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व से चुनाव पूर्व हुए गठबंधन से नाता तोड़ लिया था और विपक्ष के नेता केपी शर्मा ओली के साथ हाथ मिला लिया था। प्रचंड और ओली के बीच बारी-बारी से सरकार का नेतृत्व करने के लिए सहमति बनी है। प्रचंड को पहले प्रधानमंत्री बनाने पर ओली ने अपनी सहमति जताई थी। नए मंत्रिमंडल में तीन उप-प्रधानमंत्री हैं, जिनमें केपी शर्मा ओली के दल सीपीएन-यूएमएल से विष्णु पौडेल, सीपीएन-माओवादी सेंटर से नारायण काजी श्रेष्ठ और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) से रवि लामिछाने का नाम शामिल है। पौडेल को वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि श्रेष्ठ को बुनियादी ढांचा एवं परिवहन मंत्रालय और लामिछाने को गृह मंत्रालय सौंपा गया है। ओली की पार्टी से ज्वाला कुमारी, दामोदर भंडारी और राजेंद्र कुमार राय को मंत्री बनाया गया है। वहीं, जनमत पार्टी के अब्दुल खान को भी मंत्री बनाया गया।

मैक्सिको के जुआरेज शहर में जेल पर हमला, 10 सुरक्षाकर्मियों सहित 14 की मौत, दर्जनों कैदी फरार

वाशिंगटन । मैक्सिको के सीमावर्ती शहर जुआरेज शहर में एक जेल में कुछ हमलावरों ने गोलियां चला दीं। इस हमले में 14 लोगों की मौत हो गई, वहीं एक अधिकारी ने बताया कि जेल हमले में मरने वालों में 10 सुरक्षाकर्मी और चार कैदी थे, जबकि 13 अन्य घायल हुए और कम से कम 24 भाग निकले। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका कि हमला किसने किया। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पाया गया कि हमलावर स्थानीय समयानुसार सुबह करीब सात बजे बख्तरबंद वाहनों में जेल पहुंचे और गोलियां चलाईं। शहर के एक अलग हिस्से में, बाद में दिन में दो और ड्राइवरों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सशस्त्र हमले में उनकी मौत हुई है। राज्य अभियोजक ने यह नहीं बताया कि क्या तीनों घटनाएं संबंधित थीं। अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना उस वक्त हुई, जब जेल में बंद कैदियों के अपने परिवारों से मिलने का समय था। इसी दौरान सुबह लगभग 7 बजे कुछ बंदूकधारी एक गाड़ी से जेल में घुस आए और सुरक्षा अधिकारियों को गोली मार दी।

2023 में दुनिया के 5 बड़े स्पेस मिशनः पहली बार 1 लाख किग्रा का यान भेजेगा अमेरिका, जापान के 8 लोग चंद्रमा पर जाएंगे

वॉशिंगटन। साल 2023 को स्पेस टेक्नोलॉजी के लिए स्वर्ण युग माना जा रहा है। वजह- 5 बड़े मिशन जो लोगों की अंतरिक्ष को लेकर समझ बढ़ाएंगे। ये हैं- यूरोपीय अंतरिक्ष एंजेसी के जुपिटर आइसी मून्स एक्सप्लोरर और सुपर हैवी स्पेसएक्स स्टारशिप की लॉन्चिंग। जापान के 8 सदस्यीय दल का मिशन डियरमून। नासा के यान की बेहद अहम एस्टेरॉयड के नमूने के साथ पृथ्वी पर वापसी और भारत की प्राइवेट स्पेस कंपनी स्काईरूट के पहले 3डी प्रिंटेड रॉकेट के साथ सैटेलाइट की लॉन्चिंग। स्टारशिप एक लाख किलोग्राम के कार्गो को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करेगा। इसमें दो घटक होंगे। अंतरिक्ष यान और सुपर हैवी रॉकेट। 39 शक्तिशाली इंजन से बने रॉकेट को 65 किलोमीटर ऊंचाई पर उठाकर ले जाएगा। जापान का आठ सदस्यीय दल स्पेसएक्स के स्टारशिप से ही चंद्रमा पर जाएगा। यह दल चंद्रमा का चक्कर लगाएगा और इसकी सतह पर उतरेगा।

हिजाब के विरोध के बाद ईरान में अब गृह युद्ध का खतरा, अब तक 500 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों की मौत

ईरान ।

ईरान में हिजाब विरोधी आंदोलन को चार महीने से ज्यादा हो चुके हैं। इस दौरान 18 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जिनमें से एक हजार से ज्यादा को मुकदमा चलाकर फांसी देने की तैयारी की जा रही है। अब तक 20 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है और दो युवकों को फांसी पर लटकाया जा चुका है। जबकि, तीन ने फांसी की सजा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। इनमें से एक की अपील खारिज कर मौत की सजा बरकरार रखी गई है।

अब तक 500 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों की मौत

ईरानी रिवोल्युशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) की गोलीबारी से अब तक 500 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों की मौत हो चुकी है। अब ईरानी लोग कट्टरपंथी (क्लेरिक) सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई में जुटे हैं। दिलचस्प बात यह है कि बिना किसी नेतृत्व के शुरू हुआ हिजाब विरोधी प्रदर्शन अब लोकतंत्र समर्थक आंदोलन में बदल रहा है और मौजूदा व्यवस्था को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ युवा छात्र आईआरजीपी का मुकाबला कर रहे हैं। आंदोलन की तपिश से ईरान के सख्त इस्लामी शासन के कालीन के नीचे सत्ता और शक्ति में टकराव से गृह युद्ध के खतरे का धुआं उठने लगा है। आईआरजीसी के ब्रिगेडियर जनरल हामिद अबजारी ने 30 दिसंबर को कहा था कि कुछ सैन्य कमांडर इस्लामी मूल्यों और सर्वोच्च नेता के शासन के खिलाफ खड़े हुए हैं। ईरानी मीडिया के मुताबिक, अबजारी आईआरजीसी के कमांडर मेजर जनरल हुसैन सलामी के सलाहकार हैं। लेकिन, आईआरजीसी के प्रवक्ता ने इसका खंडन करते हुए अबजारी की टिप्पणी को निजी बताया।

सुरक्षा सलाहकार व इंटेलिजेंस चीफ के बीच खींचतान

एक ईरानी पत्रकार सईद अगांजी ने ट्वीट कर बताया कि सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के वरिष्ठ राजनीतिक व सुरक्षा सलाहकार अशगर मीर हेजाजी और आईआरजीसी के इंटेलिजेंस चीफ हुसैन तैयब के बीच जबरदस्त खींचतान चल रही है। असल में तैयब को अली शामखानी की जगह सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का सचिव बनाया जाना था, लेकिन हेजाजी के विरोध के चलते उन्हें यह पद नहीं मिल सका। अयातुल्लाह अली खामेनेई के बेटे मोज्तबा इसे लेकर हेजाजी से नाराज हैं, क्योंकि हुसैन तैयब को उनका करीब माना जाता है। इसके अलावा कई बार सर्वोच्च नेता और उनके बेटे के बीच मतभेदों की बातें भी सामने आ चुकी हैं। असल में मोज्तबा प्रदर्शनों को बेरहमी से कुचल देना चाहते हैं, लेकिन सर्वोच्च नेता और उनके सलाहकार इसके पक्ष में नहीं हैं। आईआरजीसी पर मोज्तबा का प्रभाव है, जिसके चलते माना जा रहा है कि सर्वोच्च नेता के वास्तविक निर्देशों का पालन नहीं हो पा रहा है। मोज्तबा जल्द से जल्द खुद सर्वोच्च नेता बनना चाहते हैं, लेकिन आम लोगों के बीच उनकी खराब छवि की वजह से अली खामेनेई सत्ता अपने बेटे को सौंपने से कतरा रहे हैं, क्योंकि ऐसा हुआ तो पहले से ही प्रदर्शनों से जूझ रहा देश गृह युद्ध की तरफ बढ़ जाएगा।

लूला डा सिल्वा तीसरी बार बने ब्राजील के राष्ट्रपति, बोले- हम नफरत का जवाब प्यार से देंगे

ब्राजील । वामपंथी नेता लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा ने ब्राजील के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। वह तीसरी बार ब्राजील की बने हैं। ब्राजील राष्ट्रपति चुनाव में जाएर बोल्सोनारो को वामपंथी नेता लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा से हार का सामना करना पड़ा था। काफी दिनों तक बोल्सोनारो ने अपनी हार को उन्होंने स्वीकार नहीं किया था, वहीं उनके समर्थक भी लूला का विरोध कर रहे थे। लूला डा सिल्वा का शपथ समारोह एक कार परेड, संगीत प्रदर्शन और वर्कर्स पार्टी (पीटी) के सदस्य के भाषण के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम को जायर बोल्सोनारो के समर्थकों द्वारा हिंसा की कथित धमकियों के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच आयोजित किया गया था। फिर इसके बाद उन्होंने लोगों को संबोधित किया। लूला ने सदन में एक भाषण में कहा कि हम ब्राजील का पुनर्निर्माण करेंगे। जो इस राष्ट्र ने हाल के वर्षों में खोया है, उसे फिर से खड़ा करने के लिए, हम अपने सभी प्रयासों को निर्देशित करने जा रहे हैं। लूला सिल्वा ने गरीब ब्राजीलियाई लोगों के लिए जीवन में सुधार के लिए लड़ने, नस्लीय और लैंगिक समानता की दिशा में काम करने का वादा किया। साथ ही आज के समय में पर्यावरण को लेकर चल रही बहस को लेकर अमेजॉन वर्षावन में शून्य वनों की कटाई के लक्ष्य को प्राप्त करने की बात कही। फासीवाद से प्रेरित विरोधियों के सामने हमें जो जनादेश मिला है, उसकी रक्षा हमारे लोकतांत्रिक संविधान के जरिए की जाएगी। हम नफरत का जवाब प्यार से, झूठ का सच से, आतंकवाद और हिंसा का कानून से जवाब देंगे।

चीन की सफाई- कोविड से मौत पर हम सही आंकड़े दे रहे, विदेशी मीडिया फैला रहा झूठ

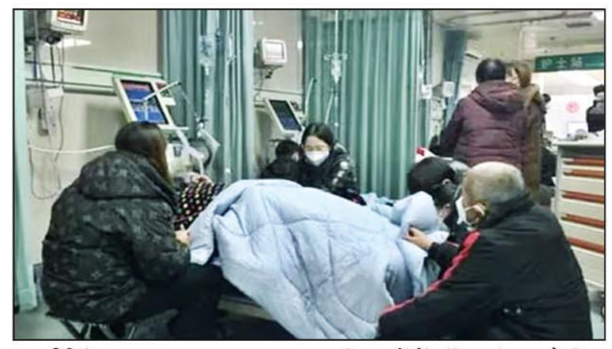

बीजिंग ।

चीन में कोविड संक्रमण की वजह से मचे कोहराम की वजह से पूरी दुनिया चिंता में है। वहीं शी जिनपिंग ने नए साल के संबोधन में यह तो माना कि देश चुनौती का सामना कर रहा है, बावजूद इसके दुनिया को बताया जा रहा है कि चीन में सब कुछ सही है। चीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि चीन में कोविड के हालात काबू में हैं और संक्रमण व मौत के मामले बस उतने ही हैं, जितने कि आधिकारिक तौर पर बताए गए हैं। चीन में कोविड की भयावह स्थिति की बातें सिर्फ विदेशी मीडिया के प्रपंच की वजह से हो रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) सहित दुनियाभर के कई संगठन चीन से कोविड संक्रमण व मौत के मामलों के वास्तविक आंकड़े साझा करने का अनुरोध कर चुके हैं। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) के अधीन आने वाले चिकित्सा प्रशासन ब्यूरो के प्रमुख जियाओ याहुई ने कहा कि चीन पूरी पारदर्शिता के साथ आंकड़े दिए हैं।

डब्ल्यूएचओ ने चीन से रियल टाइम कोविड डेटा साझा करने को कहा चीन में कोविड से बुरा हाल है। अस्पतालों में जगह नहीं है और कब्रिस्तानों में अंतिम संस्कार के लिए कतारें लग रही हैं। सड़कें खाली हैं। अस्पतालों में लोगों को बेड नहीं मिल रहे हैं। इस बीच. सामने आया था कि चीन नए साल से कोरोना से जुड़े आंकड़े महीने में एक बार ही जारी करेगा। उस पर कोरोना के आंकड़े छिपाने का आरोप हमेशा से ही लगता आ रहा है। वहीं, डब्ल्यूएचओ ने चीन पर रियल टाइम कोविड डेटा को साझा करने का दवाब बनाया है। इस दौरान डब्ल्यूएचओ ने उच्च जोखिम वाले लोगों के लिए गंभीर बीमारी और मृत्यु से बचाने के लिए टीकाकरण और बूस्टर के महत्व को भी दोहराया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की टीम ने शुक्रवार को चीनी अधिकारियों से मुलाकात की और चीनी स्वास्थ्य अधिकारियों से अस्पताल में भर्ती होने, गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में प्रवेश और मृत्यु सहित बीमारी के प्रभाव पर अधिक आनुवंशिक अनुक्रमण डेटा की मांग की थी। साथ ही चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण और रोकथाम प्रशासन के अधिकारियों से कोरोना टीकाकरण का डेटा भी नियमित रूप से साझा करने के लिए कहा गया, खासकर कमजोर लोगों और 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में।

यूक्रेन में रूस कर रहा ड्रोन अटैकः कीव में 4 घंटे से सुनाई दे रहे एयर रेड सायरन, नए साल की शाम 400 रूसी सैनिक मारे गए

कीव।

साल का दूसरे दिन शुरू होने से पहले ही रूस ने यूक्रेन पर ड्रोन से हमले करना शुरू कर दिया। इन हमलों में यूक्रेन की राजधानी कीव के बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया गया है। रूसी हमलों की जानकारी गवर्नर ओलेक्सी कल्यूबा ने टेलीग्राम पर दी। हमलों की वजह से डेस्निआनसकी जिले में एक 19 साल का लड़का इमारत का मलबा गिरने से घायल हो गया।

यूक्रेन ने नए साल की शाम को डोनटेस्क इलाके में 400 रूसी सैनिकों को मार गिराया। इसकी पुष्टि रूस ने भी की है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया है कि उनके कितने सैनिक मारे गए।

कीव में सोमवार को 1 बजे से सायरन सुनाई दे रहे कीव में रूसी हमलों की चेतावनी देने के लिए 4 घंटों से लगातार एयर रेड सायरन बजाए जा रहे हैं। गवर्नर ओलेक्सी कल्यूबा ने लोगों से अपील की है कि वो शेल्टरों में रहें। उन्होंने बताया कि यूक्रेन का एयर डिफेंस इन हमलों को रोकने के लिए पूरी कोशिश कर रहा है।

यूक्रेन डट कर दे रहा रूसी हमलों का जवाब

सुबह तीन बजे से

यूक्रेन ने कीव के आसमान में मंडरा रही 20 संदिग्ध चीजों को तबाह किया है। इनके रूस की तरफ से भेजे गए शाहीद ड्रोन होने की आशंकाएं थीं। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के मुताबिक रविवार रात को भी यूक्रेन ने रूस की तरफ से भेजे गए 45 ईरानी ड्रोन्स को तबाह कर दिया था। नए साल के दिन भी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की में जुबानी जंग हुई। दोनों ने नए ल पर अपने देश को संबोधित किया। पुतिन ने 9 मिनट लंबे संबोधन में कहा हमारी सेना अपनी मातृभूमि, सच्चाई और न्याय के लिए लड़ रही है। हम जंग जीतेंगे, अपने परिवारों के लिए रूस के लिए।

पाकिस्तान में बुरा हाल, सिपाही के 1667 पदों के लिए 32 हजार पहुंचे, जमीन पर बैठाकर ली परीक्षा

इस्लामाबाद ।

भारी आर्थिक तंगी झेल रहे पाकिस्तान में महंगाई के साथ ही बेरोजगारी का भी बुरा हाल है। सोशल मीडिया में इस्लामाबाद में आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा की तस्वीरें व खबर वायरल हो रही है। इसमें 32 हजार से ज्यादा युवाओं ने भाग लिया। हालत यह हो गई कि एक स्टेडियम के मैदान में जमीन पर बैठाकर लिखित परीक्षा लेना पड़ी। सिपाही भर्ती परीक्षा शनिवार को इस्लामाबाद के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की गई थी। इसमें हजारों युवा शामिल हुए। इस्लामाबाद पुलिस के अनुसार इनमें बड़ी संख्या में युवतियां भी थीं। पाकिस्तान सरकार ने सिपाहियों के 1667 पदों पर भर्ती की वैकेंसी निकाली थी। इसका विज्ञापन देकर आवेदन मांगे गए थे। देशभर से 32 हजार से ज्यादा युवक-युवतियों ने इन पदों के आवेदन किया था। पिछले पांच सालों से ये पद खाली पड़े थे।

एक पद के लिए 20 दावेदार

पाकिस्तान में बेरोजगारी का आलम यह है कि एक पद के लिए करीब 20 दावेदार हैं। इस्लामाबाद में पुलिस भर्ती परीक्षा में उमड़ी युवाओं की भीड़ को देखते हुए अब पाकिस्तान में बेरोजगारी को लेकर बहस शुरू हो गई है। हजारों पद खाली होने के बाद भी उन पर भर्ती नहीं हो पा रही है, क्योंकि सरकार के पास पैसा नहीं है। ऐसे में जब भी कोई सरकारी भर्ती होती है तो हजारों लाखों की तादाद में युवा इनमें भर्ती होने के लिए निकल पड़ते हैं।

31 फीसदी पाकिस्तानी युवा बेरोजगार

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट इकानॉमिक्स के वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार देश के 31 फीसदी से ज्यादा युवा बेरोजगार हैं। इनमें 51 फीसदी महिलाएं हैं, जबकि 16 फीसदी पुरुष। कई के पास पेशेवर डिग्रियां भी हैं फिर भी उन्हें नौकरियां नहीं मिल पा रही हैं। पीआईडीई की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान की 60 फीसदी आबादी 30 साल से कम उम्र की है। मौजूदा बेरोजगारी दर करीब 7 फीसदी है।

महंगाई से बुरा हाल

पाकिस्तान में महंगाई से नागरिकों का बुरा हाल है। एक तरफ सरकार का खजाना खाली है तो दूसरी ओर रोजमर्रा की वस्तुओं की कमी से जनता बेहाल। इमरान खान को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से देश में राजनीतिक अस्थिरता ने संकट बढ़ा दिया है।

खस्ताहाल पाकिस्तान को उबारने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष मदद को आगे आया है, लेकिन वह देश के वित्त मंत्रालय व राजस्व महकमे के कामकाज से संतुष्ट नहीं है। आईएमएफ ने पाकिस्तान को अब तक 1.2 अरब डॉलर का कर्ज वितरित किया है। इसके साथ ही उसका पाकिस्तान पर कुल कर्ज बढ़कर 7 अरब डॉलर हो गया है।

ऑस्ट्रिया पहुंचे जयशंकर, कहा- आज का युग युद्ध का नहीं, बातचीत की तरफ लौटें रूस-यूक्रेन

ऑस्ट्रिया ।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2023 में अपनी पहली राजनयिक वार्ता के तहत रविवार को ऑस्ट्रिया के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत की और चांसलर कार्ल नेहमर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से व्यक्तिगत बधाई दी। अपने दो देशों के दौरे के दूसरे चरण में साइप्रस से यहां पहुंचे जयशंकर ने वियना फिलहारमोनिक ऑर्केस्ट्रा के देश के प्रसिद्ध नए साल के संगीत समारोह में भाग लेने से पहले नेहमर से मुलाकात की।

रूस-यूक्रेन संघर्ष गहरी चिंता का विषय

कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा, हमारे लिए रूस-यूक्रेन संघर्ष गहरी चिंता का विषय है। हम मानते हैं कि यह युद्ध का युग नहीं है। शुरू से ही हमारी कोशिश रही है कि डायलॉग और डिप्लोमेसी की तरफ लौटें। हम शांति के पक्ष में हैं और दुनिया का एक बड़ा हिस्सा हमारी तरह सोचता है। विदेश मंत्री ने कहा, कोविड की स्थिति और रूस-यूक्रेन संघर्ष के प्रभाव को देखने के बाद

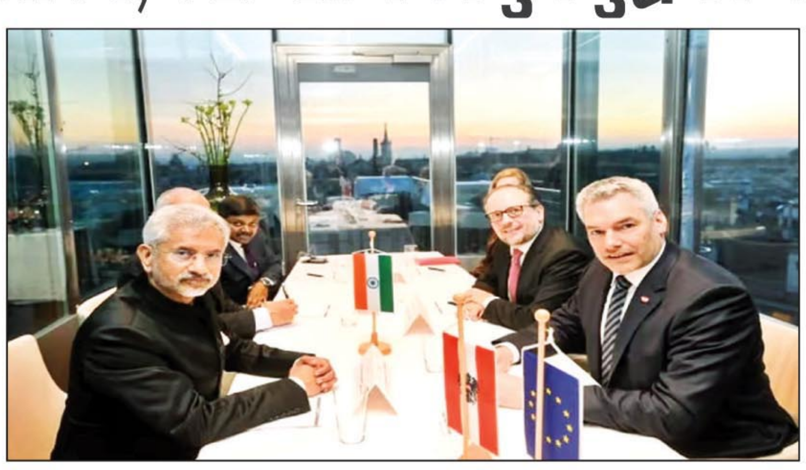

हमने महसूस किया कि जब तक हम अधिक आत्मनिर्भर नहीं बनते हैं और भारत में अधिक चीजों का निर्माण नहीं करते हैं, और जब तक भारत की मुख्य आवश्यकताओं को भारत के भीतर पूरा नहीं किया जाता है, तब तक हम बाहरी दबावों के प्रति संवेदनशील रहेंगे। उन्होंने कहा, यह दुनिया के लिए एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण समय है क्योंकि दुनिया बहुत अधिक आर्थिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला तनाव और बहुत मजबूत राजनीतिक ध्रुवीकरण के अधीन है। सभी प्रमुख देशों को बातचीत के लिए बैठने को लेकर बहुत सारी कूटनीति की आवश्यकता होती है। जयशंकर ने कहा, हम अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लाभ के लिए जी20 अध्यक्षता का उपयोग करना चाहते हैं और निष्पक्षता, न्याय की आवाज बनना चाहते हैं। हम उन समाजों और देशों की आवाज के रूप में उभरना चाहते हैं जिनके पास ऊर्जा पहुंच और खाद्य सुरक्षा से संबंधित मामलों पर बोलने के लिए कोई नहीं है।

भारत-प्रशांत और पश्चिम एशिया पर चर्चा

इससे पहले जयशंकर ने ट्वीट किया, आज मेरी अगवानी करने के लिए चांसलर कार्ल नेहम्मर का धन्यवाद। पीएम के व्यक्तिगत अभिवादन से अवगत कराया। यूरोपीय संघ की नीतियों और यूक्रेन संघर्ष पर उनकी अंतर्दृष्टि की सराहना की। भारत-प्रशांत और पश्चिम एशिया पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों देश द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। भारत-यूरोपीय संघ संबंधों में सुधार के लिए ऑस्ट्रिया के समर्थन को महत्व दें।

उन्होंने अपने ऑस्ट्रियाई समकक्ष अलेक्जेंडर शालेनबर्ग के साथ भी बातचीत की। जयशंकर ने ट्वीट किया, वियना में अपने अच्छे दोस्त अलेक्जेंडर शालेनबर्ग को देखकर खुशी हुई। 2023 में मेरी पहली राजनयिक मुलाकात। वियना में पारंपरिक नए साल के संगीत समारोह में शामिल होने के लिए हमें आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद। यह पिछले 27 वर्षों में भारत से ऑस्ट्रिया की पहली ईएएम-स्तरीय यात्रा है, और यह 2023 में दोनों देशों के बीच 75 वर्षों के राजनयिक संबंधों की पृष्ठभूमि में हो रही है। मार्च 2022 में शालेनबर्ग ने भारत का दौरा किया था। जयशंकर ने बुल्गारिया के राष्ट्रपति रुमेन जॉर्जीव रादेव से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने ट्वीट किया, वियना में बुल्गारिया के राष्ट्रपति रुमेन जॉर्जिएव रादेव के साथ एक अच्छी बैठक हुई।

महाधिवक्ता पूछकर बताए स्पीकर कब तक करेंगे विधायकों के इस्तीफों पर निर्णय

जयपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कांग्रेस के 91 विधायकों की ओर से दिए इस्तीफों के मामले में महाधिवक्ता को कहा है कि वे विधानसभा स्पीकर से पूछ कर बताएं कि वह इन इस्तीफों पर कब तक निर्णय कर देंगे। अदालत ने इसकी जानकारी और मामले में जवाब पेश करने के लिए महाधिवक्ता को 16 जनवरी तक का समय दिया है। सीजे पंकज मित्थल और जस्टिस शुभा मेहता अखंड की खंडपीठ ने यह आदेश उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की जनहित याचिका पर दिए। वहीं अदालत ने कहा कि मामले में पक्षकार बनने के लिए अधिवक्ता पीसी भंडारी की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को जरूरत महसूस होने पर सुन लिया जाएगा। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता एमएस सिंघवी ने पेश होकर मामले में जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। जिसका याचिकाकर्ता राजेंद्र राठौड़ ने यह कहते हुए विरोध किया कि मामले में देरी करने के लिए समय ले रहे हैं। अदालत के पूछने पर राठौड़ ने बताया कि 23 जनवरी से विधानसभा सत्र शुरू हो रहा है। इस पर अदालत ने कहा कि सत्र से पहले इन विधायकों के इस्तीफा को लेकर निर्णय किया जाना चाहिए। विधानसभा के बिजनेस रूल्स भी होंगे, तो क्या स्पीकर 1 साल तक भी इन इस्तीफों पर निर्णय नहीं करेंगे? राठौड़ की ओर से यह भी कहा गया कि महाधिवक्ता राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में वे विधानसभा की ओर से पैरवी नहीं कर सकते। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने स्पीकर से जानकारी कर अदालत को बताने के लिए महाधिवक्ता को 16 जनवरी तक का समय दिया है। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी की ओर से प्रार्थना पत्र पेश कर मामले में पक्षकार बनने की गुहार की गई। इस पर अदालत ने कहा कि वह कौन है और इस याचिका से उनके अधिकार किस तरह प्रभावित हो रहे हैं। याचिका में उन्हें लेकर कोई रिलीफ भी नहीं मांगा गया है। वे चाहे तो अलग से याचिका दायर करें, उन्हें किसने रोका है। अदालत ने यह भी कहा कि यहां इतने वकील खड़े हैं तो क्या सभी को मामले में पक्षकार बना लें। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि यदि उन्हें जरूरत महसूस होगी तो वह बाद में उनका पक्ष सुन लेंगे। याचिका में कहा गया कि कांग्रेस के 91 विधायकों ने गत 25 सितंबर को विधानसभा स्पीकर को अपने इस्तीफे पर थे। इसके बाद 18 अक्तूबर, 19 अक्तूबर, 12 नवंबर और 21 नवंबर को याचिकाकर्ता ने स्पीकर को प्रतिवेदन देकर दिए गए इस्तीफे को लेकर निर्णय करने का आग्रह किया था। इसके बावजूद भी स्पीकर ने अब तक इन इस्तीफों को लेकर कोई निर्णय नहीं किया है। याचिका में कहा गया कि यदि कोई विधायक इस्तीफा स्वयं पेश करता है तो विधानसभा प्रक्रिया नियम 173 के तहत स्पीकर के पास इस्तीफा स्वीकार करने के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं होता। सिर्फ इस्तीफा स्वैच्छिक और फर्जी है या नहीं, को लेकर ही जांच की जा सकती है। याचिका में यह भी कहा गया कि यह असंभव है कि इतनी बडी संख्या में विधायकों से जबरन इस्तीफों पर हस्ताक्षर करवाए गए हो या उनके फर्जी हस्ताक्षर किए गए हो। विधायकों के इस्तीफे देने के चलते सरकार सदन में अपना विश्वास खो चुकी है। इसके बावजूद भी इस्तीफा देने वाले मंत्रिमंडल और मंत्रिपरिषद सहित अन्य सरकारी बैठकों में शामिल हो रहे हैं। याचिका में भी गुहार की गई है कि इस्तीफा देने वाले विधायकों के नाम सार्वजनिक किए जाएं और बतौर विधायक इनका विधानसभा में प्रवेश से रोका जाए। स्पीकर के समक्ष बसपा से दल बदल कर कांग्रेस में आए विधायकों का मामला लंबित है। ऐसे में उन्हें अंदेशा है कि इन विधायकों के इस्तीफों पर भी स्पीकर निर्णय नहीं करेंगे।

विजिलेंस ने पकड़ा पंजाब के पूर्व मंत्री का भगोड़ा पीए

चंडीगढ़ (हिंस)। राज्य की अनाज मंडियों में करोड़ों रुपए के ढुलाई संबंधी टेंडर घोटाले में फरार आरोपी इन्द्रजीत सिंह इन्दी को पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी इंदी लुधियाना स्थित ब्यूरो के दफ्तर में आत्मसमर्पण करने पहुंचा था। आरोपी पंजाब के पूर्व खाद्य एवं सिविल सप्लाई मंत्री भारत भूषण आशु के साथ निजी सहायक के तौर पर काम करता था। इस सम्बन्ध में विजीलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि ब्यूरो की कार्रवाई के कारण उसे कोर्ट से इस घोटाले में भगौड़ा घोषित करने की आशंका थी, क्योंकि विजीलेंस ब्यूरो पहले ही उसके विरुद्ध अदालती कार्रवाई शुरू कर चुका था। इस केस की अगली सुनवाई 4 जनवरी 2023 को निर्धारित की गई थी। उसे मंगलवार को लुधियाना की समर्थ अदालत में पेश किया जाएगा।

राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष लांबा बोले ग्राउंड पर काम करने वाले युवाओं को मिलेगा चुनाव में टिकट

अलवर (हिंस)। राजस्थान के आगामी चुनाव में ग्राउंड पर काम करने वाले युवाओं को टिकट मिलेगी। यह कहना है राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लांबा का। वह सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर अलवर पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि संगठन में युवाओं को अलग-अलग जगह मौका दे रहा है। हमारे नेता राहुल गांधी और राजस्थान प्रभारी रंधावा ने भी कुछ दिन पहले कहा कि सर्वे के आधार पर युवाओं को टिकट दिया जाएगा। जो युवा वास्तव में ग्राउंड लेवल पर काम कर रहे हैं उन युवाओं को टिकट मिलेगी। पार्टी को भी सरकार बनानी है तो युवाओं को मौका देना ही होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अच्छा माहौल है। पार्टी युवाओं के बारे में सोचती है। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के काम से अलवर आए हैं। सोहना में चल रहे संगम नेतृत्व शिविर में वह भाग लेंगे। जिसकी फील्ड विजिट रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में होनी है इसके लिए वह अलवर आए हैं। इस दौरान उनके साथ राष्ट्रीय युवा नेता दिनबंधु शर्मा साथ रहे। लांबा ने कहा कि इस बार राजस्थान सरकार का बजट युवाओं को समर्पित होगा। वह इसके लिए राजस्थान में घूम रहे हैं हर तबके के युवाओं से संवाद कर रहे हैं। युवाओं से मिलकर युवाओं के सर्वांगीण विकास किस तरह सरकार कार्य कर सकती है। उन मांगों व विषयों को सरकार के सामने रख रहे है। राजस्थान में आए दिन हो रहे पेपर आउट के विषय पर लांबा बोले कि पेपर आउट होना दुर्भाग्यपूर्ण है जो अपराधी लोग यह कर रहे हैं उन पर सरकार अंकुश लगा रही है। राजस्थान सरकार ने नकल विरोधी कानून बनाया है। इस तरह की पुनरावृति को रोकने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं जो भी अपराधी हैं उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी। वह बोले कि अब आगे होने वाले पेपर आउट नहीं होंगे इस विषय पर सरकार काम कर रही है।

बीपीएल सूची से नाम हटाने को लेकर हजवाना गांव के 150 परिवारों में गुस्सा

कैथल (हिंस)। जिले के गांव हजवाना के करीब 150 परिवारों का नाम बीपीएल सूचि से कटने के विरोध में सैकड़ों ग्रामीणों ने डीसी व एडीसी का दरवाजा खटखटाया। गुस्साए ग्रामीणों का आरोप है कि सरकार ऑन लाईन के नाम पर जनता को उलझा रही है। कभी आधार कार्ड, कभी फेमनी आईडी, कभी इंकम सर्टीफिकेट तो कभी अन्य प्रकार के कागज ऑन लाईन करवाकर उन्हें मिलने वाला दाना चुग्गा भी सरकार बंद कर रही है। ऐसे में वे गरीब लोग जाए तो जाए कहां। हर दिन ऑन लाईन के नाम पर सरकार उन्हें गुमराह कर रही है और वे बेचारे किराया के पैसे खर्च करके कभी कैथल सचिवालय, कभी सीएचसी सेंटर तो कभी अधिकारियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। ग्रामीण सुदेश देवी, कृष्णा, मुकेश, राजबीर, बतेरी, सतपाल, चरण सिंह, ओमपति, सुनीता देवी, बलवंत सिंह, रोशनी देवी, आरती, सहिल कुमार आदि जिन पांच लोगों ने सर्वे किया वह गलत है। जिन लोगों की इंकम एक लाख 80 हजार से कम है उनकी इंकम ज्यादा दिखाई गई है। ऐसे में गरीब लोगों के आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड दोनों से नाम काटे गए हैं। ऐसे में वे जाए तो जाए कहां। ग्रामीण चरण सिंह का आरोप है कि वह मजदूरी दिहाड़ी करके परिवार का मुश्किल से गुजारा चला रहा है लेकिन उसकी इंकम 8 लाख रुपए दिखाई गई है। जबकि बड़े बड़े जमींदारों के नाम बीपीएल सूचि में दर्ज है। उधर सचिवालय में आए भानपुरा व संगतपुरा के शमशेर व अनिल का आरोप है कि 5 साल की लड़की की इंकम भी 15 हजार रुपए दर्शाई गई है। ऐसे में सारा सिस्टम बिगड़ रहा है। कुराड़ निवासी सुमित का आरोप है कि उनका बिजली का बिल 9 हजार रुपए आ गया था। अब उसे बताया जा रहा है कि इसीलिए उसका नाम बीपीए सूचि से काटा गया है। जबकि उसने समय से बिल का भुगतान भी कर रखा है और उसकी रसीद भी उनके पास है। सूचि ने नाम काटने का ये एक नया नियम है। सचिवालय में एकत्रित हुए विभिन्न गांवों का आरोप है कि ऑन लाईन के नाम पर उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा है।

पटवारियों की हड़ताल के कारण 500 रजिस्ट्रियां अटकीं

कैथल (हिंस)। पटवारियों की हड़ताल के कारण तहसील में तकरीबन 500 रजिस्ट्रियां अटक गई हैं। दी रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन हरियाणा जिला कैथल ईकाई का धरना आठवें दिन भी विरोध स्वरूप जारी रहा। धरने की अध्यक्षता उप प्रधान राजेश एडवोकेट ने की। पटवारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया। बता दें कि पे- ग्रेड बढ़ाने और अन्य मांगों को लेकर पटवारियों की अनिश्चित कालीन हड़ताल 23 दिसंबर से जारी है। पहले तो यह हड़ताल 29 दिसंबर तक प्रस्तावित थी, लेकिन सरकार की बेरुखी के चलते इसे अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया गया है। उधर पटवारियों के समर्थन में आंगनबाड़ी वर्कर हेल्पर यूनियन की राज्य महासचिव शकुंतला ने धरने पर कहा बोलते हुए कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता 6 जनवरी को पटवारियों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन करेंगी और डीसी को ज्ञापन देंगी। पटवारियों के धरना स्थल पर

बोलते हुए शकुंतला ने कहा कि अपनी मांग को लेकर लंबा संघर्ष किया। सर्व कर्मचारी संघ से जय प्रकाश शास्त्री ने कहा कि सरकार पटवारियों की मांग पर ध्यान दें। पटवारी पब्लिक से जुड़ा हुआ है। इसलिए सरकार जल्द इनकी मांग पूरी करे। इस मौके पर किसान सभा के जिला प्रधान महेंद्र सिंह ने कहा कि सभी विरोध में डटे रहे। आपकी मांग जरुर पूरी होगी। जो संघर्ष शील होते हैं। वो कभी हार नहीं मानते। एसकेएस जिला प्रधान शिवचरण ने कहा कि सरकार अपना हठधर्मिता छोड़ पटवारियों की मांग को पूरा करें। पूर्व प्रधान राजा राम ने कहा कि मांग पूरी न होने तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इस मौके पर महासचिव सुखविंदर सिंह, पूर्व प्रधान हेमंत शर्मा, तहसील कैथल प्रधान फग्गू राम, कानूनगो दलबीर सिंह, रामशरण, प्रवीन कुमार, गुहला से गुरचरण भाटिया, कलायत तहसील प्रधान मनदीप, पूंडरी तहसील प्रधान देवीदयाल, कानूनगो कृष्ण कुमार, कानूनगो हेमंत शर्मा, कानूनगो जागर सिंह, सीवन से रणधीर सिंह कानूनगो, ढांड तहसील प्रधान मनीष पटवारी, कानूनगो सुरेश कुमार, सुभाष कानूनगो, संजय कुमार भूप सिंह, रामनिवास, महेंद्र सिंह, राजेश शर्मा, सुरेंद्र सिंह पटवारी समेत जिला भर के पटवारी और कानूनगो मौजूद रहे। पटवारियों की मांग को लेकर सोमवार को विभिन्न संगठनों ने समर्थन दिया। एसकेएस के जिला प्रधान शिवचरण, पूर्व प्रधान जरनैल सिंह, सचिव ओमपाल भाल, एसकेएस के प्रदेश सचिव सतबीर गोयत, जिला सचिव रामपाल शर्मा, नंबरदार एसोसिएशन जिला प्रधान अनिल कुमार, पब्लिक हेल्थ कैथल ब्रांच नंबर वन से गजेसिंह, पार्षद शमशेर फौजी समेत किसान सभा जिला कैथल के पदाधिकारियों ने भी समर्थन किया।

पार्षदों की अमर्यादित भाषा पर नगर परिषद अधिकारी व कर्मचारियों ने दिया धरना

अलवर (हिंस)। शहर की नगर परिषद राजनीति का अखाड़ा बनी हुई। काम कुछ हो नहीं रहे लेकिन लड़ाई, झगड़े, मारपीट से लेकर भ्रष्टाचार के लिए परिषद प्रदेश में प्रसिद्ध हो गई है। सोमवार को पार्षद और अधिकारी कर्मचारी आमने-सामने हो गए। नौबत यहां तक आई कि अधिकारी व कर्मचारी कार्य का बहिष्कार कर गांधी प्रतिमा के पास विरोध में धरने पर बैठ गए। कर्मचारियों ने पार्षदों को निलंबित करने की मांग की। दरअसल सोमवार सुबह आयु क्त धर्मपाल जाट के निर्देश पर नगर परिषद के बाहर चल रहे पार्षदों के धरना स्थल पर नगर परिषद के सहायक अभियंता मुकेश तिवारी, दिनेश, राजकुमार सैनी, पीए आशुतोष शर्मा पार्षदों से बातचीत करने के लिए धरना स्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि

इस दौरान पार्षदों ने उनसे अभद्रता की। अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया। जिस कारण वह लौट कर वापस आ गए। जब यह बात परिषद के अन्य कर्मचारियों को पता चली तो सभी आक्रोशित हो गए और कार्य बहिष्कार कर धरने पर बैठ गए। सहायक अभियंता राजकुमार सैनी ने बताया कि पार्षद आए दिन अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हैं, लेकिन अधिकारी कर्मचारी सहते रहते हैं लेकिन अब पानी सर से ऊपर निकल गया है। अब पार्षदों की अमर्यादित भाषा नहीं सही जाएगी। इस दौरान धरना स्थल पर सफाई कर्मचारी भी पहुंच गए और अधिकारी कर्मचारियों के समर्थन में बैठ गए। उल्लेखनीय है कि नगर परिषद के गेट पर पार्षद धर्मपाल तवर, रमेश सैनी, सोनू चौधरी कई दिनों से विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं। रविवार की शाम कांग्रेस जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने भी उनसे बातचीत कर मांगों को पूरा करने के लिए जिला कलेक्टर से बात की थी लेकिन इसके बावजूद भी पार्षदों ने धरना समाप्त नहीं किया था। पार्षद रमेश सैनी ने कहा कि जब बड़े अधिकारियों से बात हो गई तो यह हमारे पास आए ही क्यों थे। जो यह आरोप लगा रहे हैं वह सब निराधार हैं। सही है तो प्रूफ दिखाए किसने अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया है।

युवा वर्ग में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय, अभिभावक दें ध्यान : डॉ. दलबीर सैनी

हिसार (हिंस)। सेवानिवृत जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. दलबीर सिंह सैनी ने कहा है कि वर्तमान युग प्रतियोगिता का युग है। इसमें विद्यार्थियों को न केवल विभिन्न विषयों से अपडेट रहना चाहिए बल्कि नशे जैसे व्यसनों से दूर रहते हुए मेहनत से अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए। डॉ. दलबीर सिंह सैनी हिसार की अमरदीप कॉलोनी स्थित लीडिंग एंजल स्कूल के वार्षिकोत्सक में उपस्थित विद्यार्थियों, स्कूल स्टाफ व आए हुए अभिभावकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान की भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चों, अध्यापकों व अभिभावकों की जिम्मेवारी काफी बढ़ गई है। ऐसे में सभी को एक-दूसरे से टच में रहकर कार्य करना होगा ताकि बच्चों को पढ़ाई में सफलता मिले और वे किसी गलत रास्ते पर भी न जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में युवा वर्ग में नशे की प्रवृति बढ़ती जा रही है जो चिंता का विषय है। बच्चों को हर तरह के नशे से दूर रहना चाहिए और दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए कि वे नशा छोड़कर स्वस्थ जीवन जीएं। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा गलत या पथभ्रष्ट नहीं होता लेकिन यदि उसकी संगत गलत लोगों से हो गई तो वह गलत रास्ते पर चल सकता है। ऐसे में अभिभावक भी केवल स्कूल व अध्यापकों के सहारे न रहें बल्कि समय-समय पर अपने बच्चों से संवाद करते हुए उसकी गतिविधियों पर नजर रखें। कार्यक्रम में स्कूल के विद्यार्थियों ने अनेक मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर प्रतिभावान प्रतिभागियों एवं प्रतिभाशाली सफल विद्यार्थियों को उनकी बोर्ड की वार्षिक परीक्षाओं में सर्वोत्तम प्रदर्शन के आधार पर सम्मानित किया गया।

लोकायुक्त लोहरा ने राज्यपाल को वार्षिक प्रतिवेदन किया प्रस्तुत

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र से सोमवार को राजभवन में लोकायुक्त प्रताप कृष्ण लोहरा ने मुलाकात की। लोकायुक्त लोहरा ने राज्यपाल को वार्षिक प्रतिवेदन सौंपा। उन्होंने राज्यपाल को लोकायुक्त संस्था की गतिविधियों, परिवादों के त्वरित निस्तारण के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी।

प्रेस क्लब जम्मू-11 ने जीत का सिलसिला रखा बरकरार

जम्मू। जम्मू प्रेस क्लब के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का मुजायरा करते हुए अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए नगरोटा खेल गांव मैदान में खेले गए रोमांचक मुकाबले में रेवन्यू क्रिकेट क्लब को 48 रनों से मात दी। मैच में टॉस जीतकर प्रेस क्लब जम्मू-11 के कप्तान नवीन कौल ने पहले बल्लेबाजी कर निर्णय लिया और यह निर्णय सही भी साबित हुआ। टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम को 7 विकेट गवाकर 185 रनों का लक्ष्य दिया। टीम की ओर से बल्लेबाजी में सलामी बल्लेबाज सोनू चाढ़क ने 61 रनों की

अर्धशतकीय पारी खेली। जबकि रुपेश राज ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 48 रन टीम के लिए जोड़े। साहिल कुमार ने 14 रन बनाए। आखिर में उतरे टीम के कप्तान नवीन कौल ने तेज पारी खेलते हुए मात्र 9 गेंदों में 26 रनों की पारी खेली, जिसमें उन्होंने 2 गगनुचमी छक्के और 2 चौके लगाए। वहीं रेवन्यू टीम की ओर से गेंदबाजी में सज्जद ने 2, राघव शर्मा ने 2 विकेट हासिल किए। वहीं लक्ष्य को भेदने उतरी रेवन्यू टीम के सलामी बल्लेबाजों ने बेहतरीन खेल दिखाया और अर्धशतकीय साझेदारी की, जिसमें यशपॉल ने 19 और पंकज ने 43 रन बनाए। एक समय प्रेस क्लब के गेंदबाज रेवन्यू क्रिकेट क्लब टीम की विकेट लेने के लिए जूझ रहे रहे, लेकिन स्पीन गेंदबाजों ने पूरे मैच का रूख बदल दिया और रोहित शर्मा ने टीम को पहली सफलता दिलाई और 55 रनों पर टीम ने पहली विकेट ली। इसके बाद रेवन्यू टीम बिखर गई। प्रेस क्लबकी ओर से ऋषि ने 3, वरूण शर्मा ने 3, रोहित शर्मा ने 2 और साहिल कुमार ने 1 विकेट हासिल की।

सूर्यनगरी एक्सप्रेस हादसे में घायल यात्रियों को मिलेगा मुआवजा

पाली (राजस्थान) (हिंस)। मुंबई के बांद्रा टर्मिनस से जोधपुर जा रही सूर्यनगरी एक्सप्रेस ट्रेन (12480) की बेपटरी हुई बोगियों को दोबारा पटरी पर चढ़ाने की कवायद शुरू हो गई है। राहत एवं बचाव के लिए जोधपुर से पहुंचे यांत्रिक विभाग के कार्मिकों ने काम शुरू कर दिया है। ट्रेन के कोच आधुनिक तकनीक से निर्मित थे, इस कारण यात्रियों को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा है। ट्रेन की गति भी नियंत्रित थी। हादसे में घायल दिव्या संतोष (14), श्रेया दुबे (14), मोनार्क महेश (26), ओम प्रकाश छावंडास (55), सुवर्ण अशोक (50), पुष्प ओम प्रकाश (55), मंजू पेमाराम (46), अंजू प्रकाश (30), इंद्रा महेंद्र (50), शर्वख कमरुद्दीन (30), बाबूलाल पोकरज (59), इंदुदेवी राजेश (47), संध्या प्रेम (59), प्रेम शर्मा कनैयालाल (65), राजेश (44), श्रवण (69), गणपतलाल (55), ऋतुजा (18), हर्ष (19), आशा (40), पेमाराम मांगीलाल (52) का उपचार किया गया है। केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट किया है कि बांद्रा-जोधपुर सूर्यनगरी एक्सप्रेस ट्रेन हादसा दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। मंत्रालय इससे जुड़ी हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है। गंभीर रूप से घायल हर व्यक्ति को एक लाख रुपए और मामूली रूप से चोटिल प्रति यात्री को 25 हजार रुपए मुआवजे के रूप में दिए जाएंगे। सीपीआरओ शशि किरण ने इस हादसे में 26 यात्री घायल हुए हैं। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बांगड अस्पताल में भर्ती घायल यात्रियों से बातचीत की है। इस हादसे की वजह से मार्ग परिवर्तित की गई रेल सेवाओं का यात्रियों की सुविधा के लिए समदड़ी, जालोर एवं मारवाड़ भीनमाल स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है।

सड़क हादसे में पांच की मौत व दो घायल

सिरसा (हिंस)। मैहना खेड़ा के निकट एक तेज रफ्तार से आ रही कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों में एक दो माह की बच्ची भी बताई जा रही है। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार सोमवार दोपहर लगभग 2 बजे खारिया से मैहना खेड़ा मार्ग पर एक मारुति कार सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे की वजह कार की ओवर स्पीड बताई जा रही है। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार सवार सात लोगों में से पांच की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त पार्वती पत्नी भला राम, विक्रम पुत्र चानन राम, सरस्वती पत्नी गिरधारीलाल, शबनम पुत्री अशोक कुमार, दो माह की आरती पुत्री राजवीर के रूप में हुई है। हादसे में संदीप पुत्र अशोक कुमार और बनती पुत्री हेतराम घायल हो गए हैं। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फव्वारा चौक की जगह लिखा जाएगा आई लव फतेहाबाद

विधायक ने ली नगरपरिषद की बैठक, हिसार रोड, सिरसा रोड व रतिया रोड पर बनेंगे स्वागत द्वार

फतेहाबाद (हिंस)। नए वर्ष में फतेहाबाद की नई तस्वीर बनाने को लेकर सोमवार को विधायक दुड़ाराम ने नगर परिषद की मीटिंग ली। बैठक में एडीसी अजय चोपड़ा, नगरपरिषद चेयरमैन राजेंद्र सिंह खिची, वाइस चेयरमैन सविता टुटेजा के अलावा नप अधिकारी व पार्षद मौजूद रहे। इस मीटिंग में शहर के सौंदर्यकरण को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और कई अहम निर्णय भी लिए गए। बैठक में शहर के फव्वारा चौक को हटाकर यहां आई लव फतेहाबाद का बोर्ड लगाने, लाइटिंग करवाने का निर्णय लिया गया वहीं फव्वारा चौक से लाल बत्ती चौक तक फूल पौधे व पाम ट्री लगाने का भी सुझाव रखा गया। इसके अलावा पपीहा पार्क में सबसे ऊंचा तिरंगा लगाने, बीघड़ चौक पर गोल चौक या अन्य व्यवस्था करने सहित कई सुझाव रखे गए। बैठक में विधायक ने नप अधिकारियों को हिसार रोड, सिरसा रोड व रतिया रोड पर स्वागत गेट बनाने के निर्देश दिए, जिसके डिजाइन बाकायदा आर्कीटेक्ट से 10 दिन में तैयार करवाए जाएंगे। मीटिंग में पार्षदों के इलार्क में साइन बोर्ड लगाने व पूर्व पार्षदों के साइन बोर्ड दुरुस्त करने का फैसला लिया गया। विधायक दुड़ाराम ने एक्सईएन व एमई को निर्देश

दिए कि हिसार और सिरसा रोड पर स्वागत गेट तैयार करवाए जाएं। इस पर अधिकारियों ने बताया कि रतिया रोड पर भी गेट प्रस्तावित है। तीनों के डिजाइन 10 दिन में तैयार हो जाएंगे, फिर रेल्युलेशन पास कर चंडीगढ़ प्रस्ताव भेज दिया जाएगा। शहर के फव्वारा चौक के रेनोवेशन पर सुझाव मांगा गया और विधायक ने कहा कि दूसरे शहरों में आजकल आई लव और शहर का नाम होता है, उसी तर्ज पर यहां भी आईलव फतेहाबाद लिखवाया जाए। इसका भी डिजाइन अब 10 दिन में तैयार होगा। पपीहा पार्क के कायाकल्प पर विधायक ने कहा कि यहां पर सबसे ऊंचा तिरंगा लगाया जाए, जिस प्रकार अन्य शहरों में अब लग रहे हैं। इस दौरान वाइस चेयरपर्सन सविता टुटेजा ने लाल बत्ती चौक से फव्वारा चौक तक ग्रिलों के बीच पाप ट्री लगाने और फूल पौधे लगाने का सुझाव दिया ताकि शहर सुंदर लग सके।

No. DV/S-107/NLM(G)2022-23/2691

CORRIGENDUM

In reference to the quotation notice published on The Assam Tribune, December 31, 2022, at page- 11 Janasanyog/C/17331/22 for selection of vendor/contractors/bidders for supplying of goat male/female. The unit size will be 110 (100 female, 10 male goat) with project cost Rs. 6,60,000.00/-(Rupees six lakh sixty thousand only)that include (5%) farmer share i.e. Rs. 33,000.00/-(Rupees Thirty three thousand only) and Govt. share (95%) Rs. 6,27,000.00/-(Rupees six lakh twenty seven thousand only).

The last date for submission of the bid will be 11/01/2023, time- 2:00 pm For further details contact District A.H. & Vety Officer, Office, Chenikuthi, Guwahati-03

-- Janasanyog / C/17447/22

Dist. A.H. & Vety. Officer, Kamrup, Chenikuthi, Ghy.-03.

नए ऑर्डर और मजबूत मांग का असर, विनिर्माण पीएमआई दिसंबर में 13 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली ।
मजबूत मांग और नए ऑर्डर में उछाल से देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दिसंबर में बढ़कर 13 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। एक मासिक सर्वे में यह खुलासा हुआ है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) दिसंबर में बढ़कर 57.8 पर पहुंच गया है, यह नवंबर में 55.7 था। पिछले दो वर्षों में कारोबारी गतिविधियों में आई अब तक की सबसे बड़ी तेजी के कारण ऐसा हुआ है। दिसंबर के आंकड़ों से पता चलता है कि कुल परिचालन स्थितियां लगातार 18वें महीने सुधरी हैं। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से अधिक अंक का आंकड़ा विस्तार दर्शाता है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की एसोसिएट निदेशक पोलियाना डी लीमा ने कहा, ''2022 की शुरुआत काफी अच्छी रही थी। उसके बाद से विनिर्माण क्षेत्र का प्रदर्शन लगातार अच्छा बना हुआ है। इस साल के अंत में पीएमआई गतिविधियां नवंबर, 2021 के बाद से सबसे तेज रही हैं।'' सर्वे में कहा गया है कि दिसंबर में नियुक्ति गतिविधियां अच्छी रहीं। वहीं कंपनियों ने अपने भंडारण में बढ़ोतरी के लिए अच्छी खरीद की। ''मांग में मजबूती से दिसंबर में बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली।''

लीमा ने कहा, ''आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियां अब कम हुई हैं जिससे विनिर्माण बढ़ा है। आपूर्ति का समय स्थिर है जिसकी वजह से कंपनियां महत्वपूर्ण सामग्री की खरीद कर सकीं और अपने भंडार को बढ़ा सकीं।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात की बात की जाए, तो दिसंबर में नए ऑर्डर की रफ्तार पिछले पांच माह में सबसे कम रही है। कंपनियों को महत्वपूर्ण निर्यात बाजारों से ऑर्डर में कमी आई है।

रिपोर्ट कहती है कि दिसंबर में मुद्रास्फीति के मोर्चे पर लागत दबाव लगभग स्थिर रहा और नवंबर की तुलना में महंगाई की दर में मामूली अंतर ही देखने को मिला। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया विनिर्माण पीएमआई एसएंडपी ग्लोबल द्वारा 400 विनिर्माताओं के खरीद प्रबंधकों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर तैयार किया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनियों के लिए नए साल में उत्पादन के लिए परिदृश्य सकारात्मक है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा समूह को ऊंचाई पर ले जाने वाले आरके कृष्णकुमार का निधन, निदेशक के पद पर दी थी लंबी सेवा

मुंबई । टाटा समूह के दिग्गज और टाटा संस के पूर्व निदेशक आर के कृष्णकुमार का रविवार को दिल का दौरा पड़ने से मुंबई में निधन हो गया। उन्होंने 84 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। कृष्णकुमार को रतन टाटा के भरोसेमंद सहयोगियों में से एक माना जाता था। कृष्णकुमार, जो टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा के करीबी सहयोगी थे, टाटा की कंसल्टेंसी फर्म, आरएनटी एसोसिएट्स और समूह के धर्मार्थ ट्रस्टों में शामिल थे, जिनके पास टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उनके निधन पर बोलते हुए रतन टाटा ने दुख जताते हुए कहा कि मेरे दोस्त और सहयोगी आर.के. कृष्णकुमार के निधन पर मुझे जो नुकसान हुआ है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। मैं हमेशा उस सौहार्द को याद रखूंगा जो हमने समूह के भीतर और व्यक्तिगत रूप से साझा किया था। वह टाटा समूह और टाटा ट्रस्ट्स के सच्चे दिग्गज थे और सभी को उनकी कमी खलेगी। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कृष्ण कुमार टाटा के एक दिग्गज और समर्पित सदस्य थे जिन्होंने अपने जीवनकाल में टाटा समूह के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया। मुझे उन्हें जानने का सौभाग्य मिला और जो सबसे अलग था वह हमेशा कम विशेषाधिकार प्राप्त लोगों की मदद करना चाहते थे और उनके जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालना चाहते थे। हम उनकी दिवंगत आत्मा के लिए प्रार्थना करते हैं और हमें उनकी कमी खलेगी।

घरेलू बाजार में पिछले साल बिके रिकॉर्ड 37.93 लाख यात्री वाहन

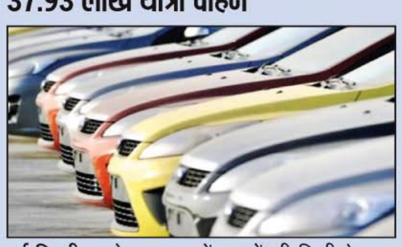

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में वाहनों की बिक्री के लिहाज से 2022 शानदार साल रहा। सेमीकंडक्टर आपूर्ति का संकट कम होने और मजबूत मांग के दम पर पिछले साल घरेलू बाजार में रिकॉर्ड 37.93 यात्री वाहन बिके। बिक्री का यह आंकड़ा 2021 में बिके 30.82 लाख यात्री वाहनों के मुकाबले 23 फीसदी ज्यादा है। इस दौरान मारुति सुजुकी इंडिया, ह्यूंडई और टाटा मोटर्स ने सर्वाधिक कारें बेचीं। टोयोटा किर्लोस्कर और स्कोडा जैसी कंपनियों ने भी रिकॉर्ड वाहन बेचे। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (मार्केटिंग एवं सेल्स) शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी कैलेंडर वर्ष के लिहाज से 2022 में सबसे ज्यादा यात्री वाहनों की थोक बिक्री हुई। इससे पहले 2018 में 33.3 लाख यात्री वाहन बिके थे। आंकड़ों के मुताबिक, कुल बिक्री में 10 लाख रुपये या इससे अधिक कीमत के यात्री वाहनों की हिस्सेदारी करीब 40 फीसदी रही।

55 हजार के पार निकला सोना: चांदी भी साढ़े 68 हजार के पार पहुंची, आगे और बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली। नए साल के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 2 जनवरी को सर्राफा बाजार में सोना 246 रुपए महंगा होकर 55,113 रुपए पर पहुंच गया है। अगर चांदी की बात करें तो ये साढ़े 68 हजार के पार निकल गई है। सर्राफा बाजार में 435 रुपए महंगी होकर 68,527 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। 31 दिसंबर को ये 68,092 हजार पर थी। आर्थिक अनिश्चितता के बीच दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने सोने का भंडार बढ़ाया है। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, केंद्रीय बैंकों की तरफ सोने की खरीदारी बढ़ना सकारात्मक संकेत है। इससे सोने की कीमतों को सपोर्ट मिलेगा। अजय केडिया ने कहा कि 2023 में सोना 64,000 रुपए तक पहुंच सकता है। 2022 में सोने-चांदी की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिली। बीते साल सोना 48,279 रुपए से बढ़कर 54,867 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी 2022 में सोने के दाम में 6,588 रुपए की तेजी आई। वहीं चांदी की बात करें तो ये 62,035 रुपए से बढ़कर 68,092 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी 2022 में इसकी कीमत में 6,057 रुपए की तेजी आई है।

नोटबंदी के बावजूद मुद्रा का चलन लगभग दोगुना हुआ, देश में 32.42 लाख करोड़ की करेंसी मौजूद

नई दिल्ली ।
सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नोटबंदी पर सरकार के फैसले को बरकरार रखा है। हालांकि सरकार के आंकड़े ही बताते हैं कि 2016 के नवंबर महीने में हुई नोटबंदी का देश में चलन में मौजूद मुद्रा (सीआईसी) पर कोई स्पष्ट प्रभाव नहीं पड़ा। यह फैसला उन लक्ष्यों को बहुत हद तक नहीं हासिल कर सका जिसके कारण इसे लिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आठ नवंबर 2016 को 500 और 1,000 रुपये के पुराने नोटों को चलन से बाहर करने की घोषणा की थी। सरकार की ओर से अभूतपूर्व फैसले का एक मुख्य उद्देश्य डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना और काले धन के प्रवाह पर अंकुश लगाना बताया गया था।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार देश में चलन में मौजूद मुद्रा (सीआईसी) चार नवंबर 2016 को 17.74 लाख करोड़ रुपये थी जो 23 दिसंबर 2022 को बढ़कर लगभग दोगुनी यानी 32.42 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। आंकड़ों के अनुसार हालांकि नोटबंदी के ठीक बाद चलन में मौजूद करेंसी छह जनवरी 2017 को घटकर करीब नौ लाख करोड़ रुपये पर आ गई। यह चार नवंबर 2016 को चलन में मौजूद मुद्रा 17.74 लाख करोड़ रुपये की तुलना में करीब 50 प्रतिशत था।

500 और 1,000 रुपये के पुराने नोटों पर बैन के बाद चलन में मौजूद मुद्रा का यह पिछले छह साल में यह सबसे निम्नतम स्तर रहा। 6 जनवरी, 2017 की तुलना में अब तक सीआईसी (चलन में मौजूद मुद्रा) में लगभग तीन गुना या 260 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है। 4 नवंबर 2016 की तुलना में इसमें लगभग 83 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नोटबंदी का असर जैसे-जैसे कम होता गया सीआईसी सप्ताह दर सप्ताह बढ़ता गया और वित्त वर्ष के अंत तक यह 74.3 प्रतिशत शिखर पर पहुंच गया। इसके बाद यह जून 2017 के अंत में नोटबंदी से पहले के अपने उच्चतम स्तर के लगभग 85 प्रतिशत पर पहुंच गया। नोटबंदी के कारण सीआईसी में लगभग 8,99,700 करोड़ रुपये (6 जनवरी, 2017 तक) की गिरावट आई, जिसके परिणामस्वरूप बैंकिंग प्रणाली के पास सरप्लस लिक्विडिटी में बड़ी वृद्धि हुई। वहीं दूसरी ओर, नकद आरक्षित अनुपात (आरबीआई के पास जमा राशि का प्रतिशत) में लगभग 9 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। यह रिजर्व बैंक के तरलता प्रबंधन संचालन के लिए एक चुनौती की तरह था। केंद्रीय बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष तरलता को अवशोषित करने के लिए तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत अपने साधनों विशेष रूप से रिवर्स रेपो की नीलामी का उपयोग किया। सीआईसी 23 दिसंबर 2022 के अंत में बढ़कर 32.42 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 31 मार्च, 2022 के अंत में 31.33 लाख करोड़ रुपये था। नोटबंदी के बाद से सीआईसी में नोटबंदी के साल को छोड़कर हर साल वृद्धि देखी गई है। सीआईसी मार्च 2016 के अंत में 20.18 प्रतिशत घटकर 13.10 लाख करोड़ रुपये रह गया जो 31 मार्च 2015 के अंत में 16.42 लाख करोड़ रुपये था। नोटबंदी के अगले साल यह 37.67 प्रतिशत बढ़कर 18.03 लाख करोड़ रुपये हो गया और मार्च 2019 के अंत में 17.03 प्रतिशत बढ़कर 21.10 लाख करोड़ रुपये और 2020 के अंत में 14.69 प्रतिशत बढ़कर 24.20 लाख करोड़ रुपये हो गया। पिछले दो साल में मूल्य के लिहाज से सीआईसी की वृद्धि की रफ्तार 31 मार्च 2021 को 16.77 प्रतिशत बढ़कर 28.26 लाख करोड़ रुपये और 31 मार्च 2022 के अंत में 9.86 प्रतिशत बढ़कर 31.05 लाख करोड़ रुपये रही। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 4: 1 के बहुमत से 1,000 और 500 रुपये के नोटों को बंद करने के सरकार के 2016 के फैसले को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति एसए नजीर की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि आर्थिक नीति के मामलों में बहुत संयम बरता जाना चाहिए और अदालत फैसले की न्यायिक समीक्षा कर कार्यपालिका के विवेक की जगह नहीं ले सकती। हालांकि न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने आरबीआई एक्ट की धारा 26 (2) के तहत केंद्र की शक्तियों के बिंदु पर बहुमत के फैसले से असहमति व्यक्त करते हुए कहा कि 500 और 1,000 रुपये के नोटों को बंद करने का काम एक कानून के माध्यम से किया जाना चाहिए था, न कि अधिसूचना के माध्यम से। उन्होंने कहा, संसद को नोटबंदी पर कानून पर चर्चा करनी चाहिए थी, यह प्रक्रिया गजट अधिसूचना के माध्यम से नहीं की जानी चाहिए थी।

वित्त वर्ष 2022 में स्विगी का घाटा 2 गुना बढ़ा

नई दिल्ली।
फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी का घाटा पिछले वित्त वर्ष के 1,617 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त वर्ष 22 में दोगुना होकर 3,629 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2022 में कुल खर्च 131 प्रतिशत बढ़कर 9,574.5 करोड़ रुपये हो गया। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) के साथ अपने वार्षिक वित्तीय विवरण के अनुसार, वित्त वर्ष 2022 की अंतिम तिमाही के दौरान, स्विगी ने इंवेस्को के नेतृत्व में 700 मिलियन डॉलर का दौर बढ़ाने के बाद डिकैकॉर्न (10 अरब डॉलर और उससे अधिक के मूल्यांकन के साथ) बन गया।

इस बीच, वित्त वर्ष 2022 के दौरान स्विगी का राजस्व 2.2 गुना बढ़कर 5,705 करोड़ रुपये हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2021 में यह 2,547 करोड़ रुपये था।

एंट्रेकर के अनुसार, आउटसोर्सिंग समर्थन लागत कंपनी के कुल खर्च का 24.5 प्रतिशत है। यह विशेष लागत वित्त वर्ष 2022 में 2.3 गुना बढ़कर 2,350 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 21 में 1,031 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 22 के दौरान इसका विज्ञापन और प्रचार खर्च 4 गुना बढ़कर 1,848.7 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। पिछले महीने रिपोर्ट सामने आई थी कि स्विगी जनवरी से 250 से अधिक कर्मचारियों या अपने कर्मचारियों के 5 प्रतिशत तक की छंटनी कर सकता है। स्विगी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा था, स्विगी में कोई छंटनी नहीं हुई है। हमने अपना प्रदर्शन चक्र अक्टूबर में समाप्त किया और सभी स्तरों पर रेटिंग और प्रचार की घोषणा की है। जैसा कि हर चक्र में होता है, हम प्रदर्शन के आधार पर निकास की उम्मीद कर रहे हैं। आगामी छंटनी से कैश बर्न को कम करने के लिए स्विगी की त्वरित वाणिज्य वितरण सेवा इंस्टामार्ट पर असर पड़ने की संभावना है। नवंबर में, वैश्विक ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने कहा था कि स्विगी भारी छूट की पेशकश के बावजूद अपने प्रतिद्वंद्वी जोमैटो को तेजी से बाजार हिस्सेदारी खो रही है। स्विगी के निवेशक प्रॉसस की वित्तीय रिपोर्ट का हवाला देते हुए जेफरीज ने कहा कि इस साल जनवरी-जून की अवधि में स्विगी के खाद्य वितरण कारोबार का सकल मूल्य 1.3 अरब डॉलर था। इसी अवधि में जोमैटो ने 1.6 अरब डॉलर का सकल ऑर्डर वॉल्यूम लॉग किया।

लगातार 10वें महीने बना रिकॉर्डः दिसंबर महीने में 15प्रतिशत बढ़ा जीएसटी कलेक्शन, सरकार के खजाने में आए 1.49 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।
भारतीय सरकार ने दिसंबर महीने में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स से 1.49 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। इस बात की जानकारी रविवार को फाइनेंस मिनिस्ट्री ने दी है। फाइनेंस मिनिस्ट्री ने कहा है कि नवंबर की तुलना में दिसंबर महीने में जीएसटी कलेक्शन में 2.5प्रतिशत की ग्रोथ आई है। नवंबर 2022 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 1.46 लाख करोड़ रुपए रहा था।

दिसंबर महीने में 15प्रतिशत बढ़ा जीएसटी कलेक्शन

वहीं दिसंबर 2021 की तुलना में दिसंबर 2022 में जीएसटी कलेक्शन में 15.2प्रतिशत की बढ़त आई है। दिसंबर 2021 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 1.3 लाख करोड़ रुपए रहा था। दिसंबर 2022 के आंकड़े सामने के बाद एक नया रिकॉर्ड भी बन गया है।

लगातार 10वें महीने जीएसटी कलेक्शन 1.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हुआ है। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन ने लगभग 1.68 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छूआ था। वहीं दूसरा सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन अक्टूबर में 1.52 लाख करोड़ रुपए का रहा था।

दिसंबर में सेंट्रल जीएसटी 26,711 करोड़ रुपए रहा

दिसंबर 2022 में सेंट्रल जीएसटी 26,711 करोड़ रुपए रहा था, जबकि स्टेट जीएसटी 33,357 करोड़ रुपए था। वहीं इंटीग्रेटेड जीएसटी 78,434 करोड़ रुपए और सेस 11,005 करोड़ रुपए रहा था। सरकार ने इंटीग्रेटेड जीएसटी से सेंट्रल जीएसटी में 36,669 करोड़ रुपए और स्टेट जीएसटी में 31,094 करोड़ रुपए का सेटलमेंट किया है।

इस सेटलमेंट के बाद दिसंबर महीने में केंद्र और राज्यों का टोटल रेवेन्यू क्रमशः 63,380 करोड़ रुपए और 64,451 करोड़ रुपए था। नवंबर महीने में 7.9 करोड़ ई-वे बिल जनरेट हुए, जो अक्टूबर में जनरेट 7.6 करोड़ ई-वे बिल से काफी ज्यादा थे।

नया साल 2023 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए और अधिक चुनौतीपूर्ण, आईएमएफ प्रमुख ने चीन पर कही ये बड़ी बात

नई दिल्ली ।
नया साल पिछले वर्षों के की तुलना में आर्थिक दृष्टि से और कठिन साबित होने वाला है। आईएमएफ के प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जियोर्जिएवा ने सीबीएस संडे के फेस द नेशन कार्यक्रम के दौरान ये बातें कही है। आईएमएफ एमडी ने रविवार को कहा कि वर्ष 2023 में वैश्विक विकास के प्रमुख इंजन अमेरिका, यूरोप और चीन की अर्थव्यवस्थाओं में कमजोरी दिख रही है। उन्होंने बताया है कि दुनिया की तीनों बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका, ईयू और चीन में सुस्ती दिख रही है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ष 2023 के लिए वैश्विक विकास के अनुमानों में कटौती की है। यह स्थिति रूस-यूक्रेन युद्ध, बढ़ती महंगाई और इस पर काबू पाने के लिए केंद्रीय बैंकों जैसे यूएस फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में वृद्धि के कारण पैदा हुई है।

चीन में जीरो कोविड पॉलिसी की समाप्ति और अर्थव्यवस्था के खोलने के बावजूद कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए उपभोक्ताओं में चिंता है। कोविड पॉलिसी में परिवर्तन के बाद नये साल पर अपने पहले संबोधन में शनिवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि हम एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं, इसके लिए और अधिक प्रयास और एकता की जरूरत होगी।

40 वर्षों में पहली बार वर्ष 2022 में चीन का विकास वैश्विक विकास के बराबर या कम रह सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में कोविड संक्रमण की एक और लहर चीन की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। इससे क्षेत्रीय और वैश्विक विकास दोनों प्रभावित होने की आशंका है। बता दें आईएमएफ प्रमुख ने पिछले महीने के अंत में चीन की यात्रा की थी। उन्होंने कहा, कोरोना लहर के बीच मैं पिछले हफ्ते चीन में थी, उस समय जीरो कोविड पॉलिसी लागू था। लोगों के यात्रा शुरू करने के बाद इससे अधिक समय तक राहत मिलने की संभावना कम है।

म्यूचुअल फंड : रिटर्न पर निर्भर रहकर पैसा लगाना आपके लिए घातक साबित हो सकता है

नई दिल्ली ।
बाजार में भले ही इस तरह का कोई डिस्क्लेमर न हो, पर म्यूचुअल फंड में यह नियामकीय आधार पर जरूरी है कि पिछला प्रदर्शन आगे भी जारी रह सकता है, इसकी गारंटी नहीं है। यही एक मात्र साधन है, जो सबसे ज्यादा रेगुलेटेड और पारदर्शी सेगमेंट है। यदि आप म्यूचुअल फंड उद्योग के टॉप रेटेड इक्विटी और हाइब्रिड फंडों में एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के हिस्से को देखते हैं, तो यह फिर साबित हो जाता है। दो फंड हाउसों यानी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और मिरै के एयूएम का काफी हिस्सा टॉप रेटेड फंडों में है। इससे समझ सकते हैं कि वे जोखिम और रिटर्न के बीच संतुलन देते हुए दूसरी कंपनियों की तुलना में तेजी से क्यों आगे बढ़ रहे हैं।

इक्विटी व हाइब्रिड फंड पर जोर

वैल्यू रिसर्च के मुताबिक, जब 4-स्टार और 5-स्टार रेटेड फंड में व्यक्तिगत एयूएम की हिस्सेदारी की बात आती है तो दोनों फंड अपने सभी बड़े प्रतिस्पर्धियों से आगे निकाल जाते हैं। सीधे शब्दों में कहें तो इन दो एएमसी की ज्यादातर इक्विटी और हाइब्रिड स्कीम टॉप रेटेड यानी 4-स्टार और 5-स्टार हैं। उनके अधिकांश फंडों ने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। इक्विटी और हाइब्रिड फंड एयूएम नए एवं युवा भारत के विकासोन्मुखी निवेश को दर्शाता है। इन नंबरों में डेट, कंजर्वेटिव हाइब्रिड, आर्बिट्राज, पैसिव फंड, डोमेस्टिक फंड ऑफ फंड (एफओएफ) आदि शामिल नहीं हैं।

जोखिम वाली रेटिंग में बड़े फंड नीचे - देश के सबसे बड़े फंड और करीब 7 लाख करोड़ रुपये के एयूएम का प्रबंधन करने वाले एसबीआई म्यूचुअल फंड की रेटिंग 69 फीसदी, यूटीआई की 67 फीसदी, कोटक की 50 फीसदी, एक्सिस एमएफ की 49 फीसदी व निप्पॉन की 41 फीसदी है। आईडीएफसी एमएफ के पास 4-स्टार और 5-स्टार रेटेड फंडों में अपने व्यक्तिगत एयूएम का 15प्रतिशत हिस्सा है। एचडीएफसी एमएफ व आदित्य बिरला के पास 10प्रतिशत भी नहीं है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, एसबीआई, कोटक और मिरै एक और दो-स्टार रेटेड फंड एयूएम (रेगुलर प्लान) में 'शून्य' हिस्सेदारी वाले बड़े फंड हाउस हैं। इस प्रकार के फंड जोखिम-समायोजित रेटिंग में सबसे नीचे होते हैं। खुदरा निवेशकों को डायरेक्ट प्लान पर भरोसा खुदरा निवेशक डायरेक्ट फंड खरीदकर आगे बढ़ना पसंद करते हैं। इस लिहाज से आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और मिरै इस सेगमेंट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इक्विटी और हाइब्रिड सेगमेंट में आदित्य बिरला म्यूचुअल फंड के रेटेड एयूएम की रेटिंग डायरेक्ट प्लान में शून्य और रेगुलर में 8प्रतिशत रही है। कोटक म्यूचुअल फंड की रेटिंग 51 फीसदी और 50 फीसदी, यूटीआई की 74 फीसदी व 67प्रतिशत और आईडीएफसी की 28 फीसदी और 15प्रतिशत रेटिंग रही है।

निवेश के लिए पैसे जुटाने में रेटिंग महत्वपूर्ण - जहां तक रेटिंग देने का सवाल है तो 5-10 फीसदी फंड को 5-स्टार रेटिंग दी जाती है। इसी तरह, अगले 15-20 फीसदी को 4-स्टार रेटिंग दी जाती है। यह रेटिंग निवेश के लिए पैसे जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अगर किसी फंड की रेटिंग अधिक है, तो इसका मतलब है कि फंड ने जोखिम-समायोजित आधार पर बेहतर प्रदर्शन किया है।

गुल पनाग की ब्यूटीफुल स्माइल ने चुरा लिए थे फैंस के दिल

बॉलीवुड से लेकर राजनीति तक अपना सफर तय कर चुकीं गुल पनाग का जन्म 3 जनवरी 1979 को चंडीगढ़ में हुआ था। गुल पनाग का असली नाम गुलकीरत कौर पनाग है। गुल पनाग ने अपने करियर की शुरूआत बतौर मॉडल की। उसके बाद उन्होंने मिस फेमिना मिस इंडिया में हिस्सा लिया। उन्होंने साल 1999 में मिस इंडिया और मिस ब्यूटीफुल का खिताब अपने नाम किया। उसके बाद उन्होंने मिस यूनिवर्स में भी हिस्सा लिया,लेकिन वहां वह ज्यादा आगे ना जा सकी। गुल पनाग अपनी खूबसूरत स्माइल के लिए मिस ब्यूटीफुल स्माइल का खिताब भी अपने नाम कर चुकी हैं। गुल पनाग ने साल 2003 में आई फिल्म धूम से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद वह जुर्म, डोर, मनोरमा सिक्स फीट अंडर, हैलो, स्ट्रेट और रण जैसी कई फिल्मों में अभिनय करती नजर आईं। साल 2014 में गुल पनाग ने राजनीति का रुख करते हुए आम आदमी पार्टी में शामिल हो गईं। उन्होंने चंडीगढ़ से बीजेपी उम्मीदवार और अभिनेत्री किरण खेर के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन वे हार गईं। गुल पनाग की निजी जिंदगी की बात करें तो गुल पनाग ने साल 2011 में अपने बचपन के दोस्त पायलट ऋषि अटारी से शादी की थी। गुल पनाग का एक बेटा निहाल है।

अजय देवगन ने किया 2023 का स्वागत धमाकेदार अंदाज में भोला की दिखाई झलक

मुंबई (ईएमएस)। अजय देवगन ने 2023 का स्वागत धमाकेदार अंदाज में किया है। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है। इसमें भोला की एक झलक दिख रही है। दरअसल यह अजय की अगली फिल्म का नाम है। अजय देवगन ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा है भोला का वर्ष शुरू हो गया। सभी को नए वर्ष की शुभकामनाएं। इसके अलावा उन्होंने शेड्स ऑफ भोला और भोला इन 3डी नामक दो हैश टैग भी लगाए हैं। अजय देवगन की वीडियो को 2 घंटे में 36000 से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं इस पर 244 कमेंट भी किए गए हैं। कई लोगों ने वीडियो पर जय भोलेनाथ जय शंभू जय हो भोलेनाथ हर हर भोला और जबरदस्त भाऊ जैसे कमेंट किए हैं। वहीं कई लोगों ने उन्हें 2023 की शुभकामनाएं भी दी हैं। गौरतलब है कि अजय अपनी आगामी फिल्म को लेकर काफी उत्साहित है। इसके पहले उन्होंने फिल्म से जुड़े कई पोस्टर और वीडियो भी शेयर किए हैं। एक तस्वीर में उनके माथे पर त्रिपुंड लगा हुआ है और वहां काफी खुश नजर आ रहे हैं। वहीं शेयर किए हुए वीडियो में उनकी आंखें नजर आ रही है और उनकी आंखों में काफी गुस्सा है।

बॉक्स ऑफिस पर चमत्कारिक नतीजे देगी 25 को प्रदर्शित हो रही पठान जर्मनी में दिखा जबर्दस्त उत्साह

मुंबई (ईएमएस)। 2022 साल रोहित शेट्टी की सर्कस के निराशाजनक नतीजों के साथ खत्म हो गया है। अब दर्शकों के साथ-साथ बॉक्स ऑफिस की नजरें अगले साल 25 तारीख को प्रदर्शित होने वाली शाहरुख खान की फिल्म पठान पर केंद्रित हो गई हैं। इन्हें उम्मीद है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चमत्कारिक साबित होगी। वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों का विचार है कि अत्यधिक प्रचार के चलते और बेशरम रंग गीत की विरोध लहर के चलते यह फिल्म शुरूआती धमाका करने में तो कामयाब होगी लेकिन यह दृश्यम-2 की तरह लम्बी रेस का घोड़ा साबित नहीं होगी। इस सबके बावजूद पठान को लेकर काफी हाइप है क्योंकि यह 4 साल से अधिक समय के बाद शाहरुख खान की प्रदर्शित होने वाली पहली पूरी फीचर फिल्म है। हालांकि इस बीच वह ब्रह्मास्त्र और रॉकेट्री सरीखी फिल्मों में कैमियो के जरिए लोगों में अपनी छवि बनाए रखने में कामयाब हुए हैं। विशेष रूप से ब्रह्मास्त्र में उनके किरदार वानरास्त्र को दर्शकों को बहुत पसन्द किया है। फिल्म का पहला गाना बेशरम रंग कुछ हफ्ते पहले लॉन्च किया गया था और यह एक बहुत बड़ा चार्टबस्टर बन गया लेकिन कुछ लोगों द्वारा आपत्ति जताने के बाद इसने विवाद को भी जन्म दिया। हालांकि ऐसा लगता है कि विवाद का फिल्म के आसपास के उत्साह पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। पठान की विदेशों में एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। जर्मनी में पठान ने एडवांस बुकिंग के तौर पर जबरदस्त टिकटों की बिक्री की है। एक सूत्र ने बताया पठान की एडवांस बुकिंग 28 दिसंबर को जर्मनी में शुरू हुई। हालांकि रिलीज को लगभग एक महीना दूर है लेकिन कुछ ही समय में शो की बिक्री शुरू हो गई है। इससे उद्योग और व्यापार में खुशी की लहर दौड़ गई है। इससे पता चलता है कि पठान जबरदस्त चचाओं में और भारत सहित अन्य देशों में भी इसकी समान प्रतिक्रिया होगी। जर्मनी में पठान के थिएटर की बुकिंग के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। जर्मनी में मल्टीप्लेक्स चेन सिनेमैक्सएक्स की वेबसाइट ने फिल्म की टिकट बिक्री शुरू कर दी है। बर्लिन एसेन डैमटोर हार्बर्ग हनोवर म्यूनिख और ऑफिनबैक में 7 थिएटरों में बुधवार 25 जनवरी को पठान के शो लगभग भरे हुए हैं। जर्मनी की प्रतिक्रिया को देखते हुए यह आश्चर्य की बात नहीं होगी यदि अन्य देशों के थिएटर भी टिकट बिक्री शुरू करने का निर्णय लेते हैं। सिर्फ भारत ही नहीं पूरी दुनिया अब पठान का बेसब्री से इंतजार कर रही है। भारत में एडवांस बुकिंग जनवरी के पहले पखवाड़े में शुरू होने की उम्मीद है। कहने की जरूरत नहीं है यह एक उड़ान की शुरूआत होगी। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स द्वारा निर्मित पठान 25 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

खटाई में पड़ा पाक फिल्म मौला जट्ट का भारत में प्रदर्शन सेंसर बोर्ड ने लगाई रोक

मुंबई (ईएमएस)। वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म मौला जट्ट का आगामी 30 दिसम्बर को जी स्टूडियोज भारत में प्रदर्शन करने वाली थी। उसे सेंसर बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र भी मिल गया था लेकिन गुरुवार को अचानक सेंसर बोर्ड ने फिल्म के भारत में प्रदर्शन पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया है। फवाद खान स्टारर इस फिल्म ने वैश्विक स्तर पर पाकिस्तानी मुद्रा से 220 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। फिल्म के प्रदर्शन को क्यों रोका गया है इसकी कारणों का अभी तक कोई खुलासा नहीं हो पाया है। भारत में फिल्म को रिलीज करने के लिए जी स्टूडिजोज ने पूरी कमर कस ली थी लेकिन सेंसर बोर्ड ने अंतिम वक्त पर फिल्म की रिलीज पर अनिश्चितकाल के लिए रोक लगा दी है। जी स्टूडिजोज ने फिल्म के रिलीज के लिए सेंसर बोर्ड से क्लीयरेंस हासिल कर लिया था लेकिन ऐसा लगता है कि फिल्म की रिलीज मुश्किल में पड़ गई है। जब इस फिल्म के देश में रिलीज होने की बात आई तो राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इसका विरोध किया। पार्टी के एक नेता अमेय खोपकर ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म के खिलाफ हमला बोला था। द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट ने दुनियाभर में 10 मिलियन डॉलर यानी 220 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। इसमें पाकिस्तानी रुपए से 87.50 करोड़ घरेलू बॉक्स ऑफिस से है जबकि 132.50 करोड़ रुपए ओवरसीज से आए हैं। यह फिल्म पाकिस्तानी सिनेमाई इतिहास की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। यहाँ तक कि पाकिस्तान में आज तक इससे महंगी फिल्म कोई नहीं बनी है। मौला जट्ट ने यूके नार्वे और गल्फ कंट्रीज में कमाई के मामले में भारत की ब्लॉकबस्टर फिल्मों आरआरआर केजीएफ 2 को पीछे छोड़ दिया है। यह फिल्म 13 अक्टूबर 2022 को रिलीज हुई थी। गौरतलब है कि बिलाल लशारी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में फवाद खान और माहिरा खान लीड रोल में हैं जबकि हमजा अली अब्बासी जैसे एक्टर्स सपोर्टिंग रोल में हैं। द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट 1979 में रिलीज हुई कल्ट क्लासिक फिल्म मौला जट्ट की रीमेक है।

नवरत्न और नेहा का धमाकेदार गीत हुआ रिलीज

मुंबई, (हि.स.)। भोजपुरी सिंगर नेहा राज और नवरत्न पांड्ये का धमाकेदार गीत 'बजरिया में मार हो जाला' रिलीज हुआ है। इस गाने में नवरत्न ने अभिनेत्री आस्था सिंह के साथ परफॉर्म किया है। गाने में नवरत्न पांडेय और आस्था सिंह की जोड़ी बेहद पसंद की जा रही है। गाने में आस्था के डांस मूव्स एक दम हटके हैं। नवरत्न अपनी गायिकी से सभी को अपना दीवाना बना रहे हैं और नेहा राज की आवाज पर आस्था ने गजब के ठुमके लगाए हैं। वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स प्रस्तुत 'बजरिया में मार हो जाला' को नवरत्न पांडेय और नेहा राज ने गाया है। इसके निमार्ता रत्नाकर कुमार हैं। इसके लिरिक्स अर्जुन शर्मा ने लिखे हैं। इसका म्यूजिक अभिषेक तिवारी ने दिया है। गाने का निर्देशन आर्यन देव का है।

बालीवुड गायक व रैपर हनी सिंह ने नववर्ष का जश्न गर्लफ्रेंड टीना ठंडानी के साथ मनाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। बालीवुड के गायक और रैपर हनी सिंह ने नववर्ष का जश्न अपनी गर्लफ्रेंड टीना ठडानी के साथ मनाया। हनी सिंह ने फैंस के साथ का एक खास वीडियो भी शेयर किया। इस वीडियो में हनी सिंह अपनी गर्लफ्रेंड के संग रोमांटिक दिखाई दिए। दोनों का रोमांस चर्चा में बना हुआ है। पत्नी संग तलाक के बाद हनी सिंह को टीना ठडानी में अपनी ड्रीम गर्ल मिल गई है। वे टीना संग रिश्ते में हैं। हनी सिंह टीना ठडानी संग ही अपना ज्यादातर टाइम गुजारते हैं। वीडियो में हनी सिंह अपनी स्वीटहार्ट टीना के लिए मेरी जान...मेरी जान गाना भी गा रहे हैं। दोनों एक दूसरे संग काफी खुश नजर आ रहे हैं। हनी सिंह ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा हि कि सभी लवर्स को हैप्पी न्यू ईयर ये लवर्स का सीजन है हेटर्स का नहीं. हनी सिंह के इस वीडियो को लाखों लोग पसंद कर चुके हैं और दोनों पर प्यार लुटा रहे हैं। हनी सिंह का पत्नी शालिनी तलवार से सितंबर 2022 में तलाक हो गया था। हनी सिंह का उनकी पत्नी संग 20 साल पुराना रिश्ता टूटा तो हर कोई हैरान रह गया लेकिन तलाक के चंद महीनों बाद ही हनी सिंह की जिंदगी में टीना ठंडानी आ गईं और उन्होंने फैंस के चहेते रैपर की जिंदगी में फिर से प्यार की मिठास घोल दी। दोनों एक दूसरे से बेपनाह प्यार करते हैं।

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल का फर्स्ट लुक रिलीज सोशल मीडिया पर हलचल

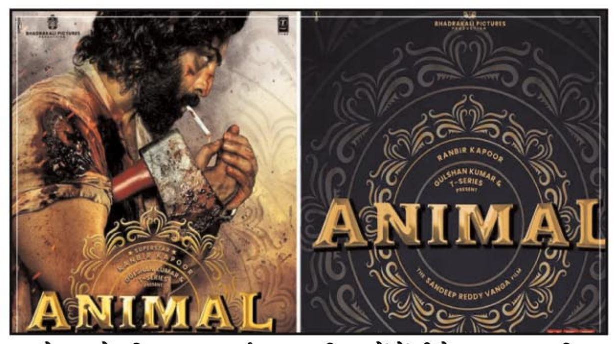

मुंबई (ईएमएस)। 2023 की शुरूआत के साथ ही रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। फिल्म का पोस्टर न्यू ईयर के मौके पर रात 12 बजे रिलीज किया गया जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। एनिमल के फर्स्ट लुक पोस्टर में रणबीर कपूर अपने अब तक के सबसे हिंसक अवतार में नजर आ रहे हैं। रणबीर को एनिमल बना देख उनके फैंस ही नहीं बल्कि क्रिटिक्स के बीच भी खलबली मच गई है। एनिमल में एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना भी होंगी। यह पहली बार है जब किसी फिल्म में उनकी और रणबीर कपूर की जोड़ी दिखेगी। उन्होंने और फिल्म के मेकर्स ने एनिमल का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज करते हुए लिखा कि आपके सामने एनिमल का फर्स्ट लुक पोस्टर लेकर हाजिर हैं। हैप्पी न्यू ईयर दोस्तों। एनिमल में रणबीर कपूर का अवतार देखकर लग रहा है कि वो इस फिल्म से अब अपनी बॉय-नेक्स्ट-डोर वाली इमेज से बाहर निकलेंगे। अब तक ज्यादातर फिल्मों में रणबीर को रोमांटिक और चॉकलेटी किरदारों में ही देखा गया पर एनिमल में वह कुछ अलग करते दिखाई देंगे। संदीप रेड्डी वांगा ने एनिमल का जो अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया है उसे देखकर जाहिर है कि यह एक पिता और बेटे के जटिल रिश्ते की कहानी होगी। एनिमल पांच भाषाओं में पैन इंडिया रिलीज की जाएगी।

न्यू जुआरी ब्रिज पर पहुंचने वाले पहले यात्रियों में अभिनेता सतीश कौशिक

पणजी। गोवा में न्यू जुआरी ब्रिज पर शुक्रवार को यात्रा करने वाले पहले लोगों में अभिनेता सतीश कौशिक भी शामिल थे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार शाम जुआरी नदी पर बने दूसरे पुल का उद्घाटन किया। पुल को यातायात के लिए शुक्रवार को दोपहर एक बजे खोल दिया गया। पुल का निर्माण करने वाली गोवा पुलिस और दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड के अधिकारियों ने पहले कुछ यात्रियों को गुलाब का फूल देकर उनका स्वागत किया। डाबोलिम हवाई अड्डे से पर्यटकों को ले जाने वाली टैक्सी दोपहर एक बजे पुल पार करने वाली पहली सार्वजनिक गाड़ी थी। बॉलीवुड अभिनेता सतीश कौशिक को बाद में टैक्सी में देखा गया। पणजी से लगभग 15 किमी दूर स्थित यह पुल गोवा के उत्तर और दक्षिण जिलों को जोड़ता है।

दो मिनट में बाहर कर दूंगा अर्चना गौतम से बोले सलमान

- बिगबास में अर्चना और विकास के बीच बढ़ गया था झगड़ा

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस 16 में इस बार सलमान खान अर्चना की क्लास लगाते नजर आएंगे। सलमान इतने गुस्से में आ गए कि उन्होंने ने न केवल अर्चना गौतम को उनके व्यवहार के लिए फटकार लगाई बल्कि उन्हें शो से बाहर करने की धमकी भी दी। लेटेस्ट प्रोमो में सलमान खान को अर्चना को यह कहते हुए देखा जा सकता है कि कैसे वह घर के सदस्यों जैसे मां बहन पिता को अपने झगड़े में घसीटती हैं और बिलो द बेल्ट कमेंट करती हैं। अपने बचाव में अर्चना का कहना है कि लोग जानबूझकर उन्हें उकसाते हैं। सलमान यहीं नहीं रुकते हैं और उन्हें बताते हैं कि उनके बयानों की वजह से उन्होंने बाहरी दुनिया में शो की छवि खराब कर दी है और अगर उनके पास सबकी मर्जी के खिलाफ उन्हें शो में वापस लाने का अधिकार है तो वह जब चाहें उन्हें बाहर भी निकाल कर फेंक सकते हैं। सलमान अर्चना गौतम को दो कौड़ी की औरत कहने के लिए शालीन भनोट पर भी सवाल उठाया हैं और उन्हें खरी खोटी सुनाई है। शालीन सलमान से कहते है कि भले ही वह गुस्से में है और उन्हें अर्चना की बात बुरी भी लगी है लेकिन उन्हें बिग बॉस हाउस की प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने का हक किसने दिया है। शालीन ने कहा कि वो अपने करीबी के लिए कुछ भी ऐसा वैसा नहीं सुन सकते हैं। उन्होंने सलमान खान की बात बिना सुने ही कह दिया कि ठीक है उन्हें समझ आ गया है कि वो इस शो पर सब कुछ सुनने और चुपचाप बैठने के लिए आए हैं। सलमान अपने गुस्से पर काबू रखते हैं और वहां से निकल जाते हैं। बता दें कि बुधवार को घर में काफी हंगामा हुआ जिसके बाद शालीन भनोट अर्चना गौतम और विकास के बीच काफी कहा सुनी हुई। इस झगड़े में अर्चना ने शालीन की एक्स वाइफ के लिए कुछ ऐसा कहा जो उन्हें अच्छा नहीं लगा। तो शालीन ने भी अर्चना को दो कौड़ी की औरत कह दिया। अर्चना ने विकास को भी बाप न बन पाने का ताना दिया। बता दें कि बिग बॉस का इस बार का वीकेंड का वार काफी धमाकेदार रहने वाला है। हाई वोल्टेज ड्रामा के बीच घर से विकास को बाहर कर दिया गया है वो भी राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से शिकायत मिलने के बाद। इसके पीछे हाथ है अर्चना गौतम का। उनके और विकास के बीच झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों ने हदें पार कर दीं। अर्चना बेलगाम किसी को कुछ भी बोले जा रही थीं।

समांथा रुथ प्रभु अभिनीत शाकुंतलम 17 फरवरी को होगी रिलीज

हैदराबाद। शकुंतला और राजा दुष्यंत की प्रेम कहानी पर आधारित और समांथा रुथ प्रभु अभिनीत फिल्म शाकुंतलम दुनिया भर में 17 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह तेलुगु फिल्म पहले चार नवंबर, 2022 को पर्दे पर आने वाली थी, लेकिन इस प्रेम कहानी का अनुभव दर्शक 3डी प्रारूप में कर सकें इसलिए इसकी रिलीज में देरी हुई। समांथा ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर सोमवार को फिल्म शाकुंतलम के रिलीज होने की नई तारीख की घोषणा की। उन्होंने ट्वीट में लिखा, देखिए! शकुंतला और राजा दुष्यंत की ऐतिहासिक प्रेम कहानी शाकुंतलम 17 फरवरी, 2023 से दुनिया भर के सिनेमाघरों में। 3डी में भी। कालिदास के प्रशंसित संस्कृत नाटक अभिज्ञान शकुंतलम पर आधारित, यह फिल्म पुरस्कार विजेता निर्देशक गुणशेखर (रुद्रमादेवी) द्वारा लिखित और निर्देशित है।

सूडोकु नवताल- 6568

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6567 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7632

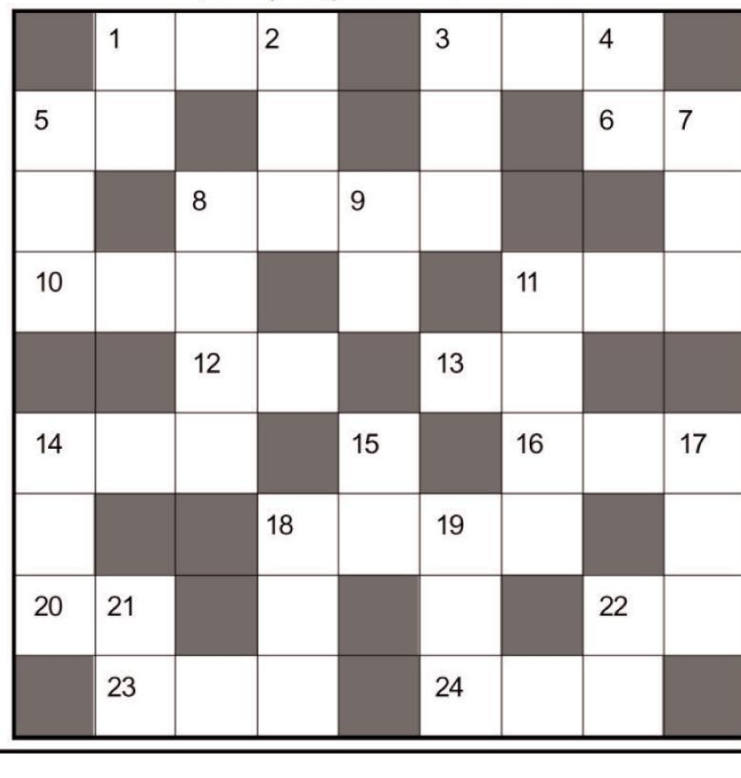

बाएँ से दाएँ

1. सरस्वती-3
3. किनारा,तट-3
5. मूल्य,कीमत-2
6. उस समय-2
8. प्रबंध,व्यवस्था-4
10. नमक-3
11. अधीन,मातहत-3
12. संज्ञा,संबोधन-2
13. मार्ग,रास्ता-2
14. तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
16. धुन,आसक्ति-3
18. जमानत-4
20. रहस्य-2
22. पुत्र,तनय-2
23. मुलायम-3
24. गंवार,अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1. संध्या,सांझ-2
2. असुर,दैत्य-3
3. शोरबा,रसा-3
4. बुरी आदत-2
5. प्रवेश,एडमिट-3
7. वर यात्रा,दूल्हे का जुलूस-3
8. प्रियतम,साजन-4
9. अनाज-2
11. सनसनी,रोमांच-4
14. तृतीय-3
15. सच्चाई,सत्य-2
17. जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18. मुंशी,दीवान-3
19. रवैया,तरीका-3
21. आम जनता-2
22. लता,लतिका-2

शब्द पहेली -7631 का हल

	ना	ह	र			आ		सी
गॉ		म		फ	स	ल		ल
क	म	ला	क	र		म	ही	न
		व		क	म		र	
ब	ना	र	स		द	र	क	ना
	जु		म	य		ख		
अ	क	ल		ती	मा	र	दा	री
स		क	र	म		खा		स
ली		वा			ह	व	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दुबई लीग – फटाफट क्रिकेट का रोमांच 13 जनवरी से : अंबानी अडाणी और शाहरुख की टीमें ; पोलार्ड, उथप्पा जैसे खिलाड़ी

दुबई।

टी 20 के फटाफट क्रिकेट के लिए दुबई तैयार हो चुका है। 13 जनवरी से यहां (इंटरनेशनल लीग टी–20) के लिए छह टीमों के बीच मुकाबले होंगे। दुबई लीग की इन छह टीमों में से पांच टीमों के मालिक भारतीय हैं। मुकेश अंबानी की रिलायंस, गौतम अडाणी की स्पोर्ट्सलाइन और शाहरुख खान की नाइट राइडर्स की टीमें यहां मैदान पर नजर आएंगी। प्रत्येक टीम को लगभग 21 करोड़ रुपए का सैलरी कैप दिया गया है। इसके साथ ही आईपीएल के बाद सबसे सबसे मालदार टूर्नामेंट बन गया है। टॉप प्लेयर कैटेगरी के लिए 3.72 करोड़ रुपए की अधिकतम सीमा रखी गई है। दुबई लीग में खिलाड़ियों के लिए ऑफर भी है। प्लेयर्स की लीग से होने कमाई को टैक्स फ्री करने का सबसे बड़ा ऐलान किया है। ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खिलाड़ी हर सत्र में 1.96 करोड़ रुपए की कमाई ही कर सकता है। दुबई लीग के लिए सबसे बड़ी बाधा स्टेडियम–टेलीविजन के दर्शकों को लेकर है। 12 फरवरी तक चलने वाली दुबई लीग का शेड्यूल बिग बैश और दक्षिण अफ्रीका की लीग के साथ ही है। टीम इंडिया के बड़े खिलाड़ी भी प्री–शेड्यूल के कारण नहीं दुबई लीग में नहीं खेल पाएंगे।

कैरेबियाई खिलाड़ियों का दबदबा

- गल्फ जायंट्स (अडाणी की टीम) : क्रिस जॉर्डन, हेटमायर, लियाम डॉसन, जेम्स विंस
- एमआई अमीरात (अंबानी की टीम) : पोलार्ड, ड्वेन ब्रावो, निकोलस पूरन, इमरान ताहिर
- अबू धाबी नाइट राइडर्स (शाहरुख की टीम) : सुनील नरेन, आंद्रे रसेल, जॉनी बेयरस्टो, पॉल स्टारलिंग, लाहिरू कुमारा, कॉलिन इंग्राम
- दुबई कैपिटल्स (जीएमआर) : रॉबिन उथप्पा, रोमन पॉवेल, दुष्मंथा चमीरा, मुजीब उर रहमान
- शारजाह वारियर्स (राजेश शर्मा की टीम) : मोइन अली, डेविड मलान, एविन लुईस, नबी
- डेजर्ट वाइपर्स (अमेरिकी टीम) : कॉलिन मुनरो, टॉम करेन, बेन डकेट, वानिंदु हसरंगा
- फ्रेंचाइजी टीमों में 84 अंतरराष्ट्रीय और 24 के खिलाड़ी शामिल किए गए हैं।

लीग का फॉर्मेट: राउंड–रॉबिन में हर टीम दूसरी टीम से दो बार खेलेगी। 30 लीग मैच, चार प्लेऑफ होंगे। दुबई में 16, अबु धाबी में 10 और शारजाह में 8 मैच होंगे। हर टीम में संयुक्त अरब अमीरात के चार लोकल खिलाड़ी होंगे।

बॉलीवुड शो: लीग के उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड के मशहूर रैपर बादशाह और आरएंडबी सिंगर जेसन डेरुलो प्रस्तुतियां देंगे। अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी का कहना है कि संयुक्त अरब अमीरात के प्लेयर्स इस लीग से अपनी पहचान बना पाएंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

कराची में शाहीन अफरीदी पाक टीम के मेडिकल स्टाफ की निगरानी में

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी से कराची में राष्ट्रीय टीम के मेडिकल स्टाफ के तहत अपना पुनर्वास फिर से शुरू करेंगे। शाहीन नवंबर 2022 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से मैदान से दूर हैं। मैच के दौरान हैरी ब्रूक का कैच लेते समय उन्हें घुटने में चोट लग गई थी। इसका मतलब यह था कि पाकिस्तान बाकी मैच के लिए अपने स्ट्राइक गेंदबाज से चूक गया, जिसने फाइनल में केवल 2.1 ओवर फेंके। घुटने की चोट और फिर एक सर्जरी के कारण शाहीन घर में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान के टेस्ट सीरीज से चूक गए थे। पीसीबी ने कहा कि शाहीन को शीर्ष स्तर की देखभाल प्रदान करते हुए, इस कदम से चिकित्सा कर्मचारियों को उसकी प्रगति को ट्रैक करने और उनकी सुचारू वापसी के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद मिलेगी। शाहीन इससे पहले घुटने की चोट के कारण 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ एशिया कप और पाकिस्तान के सात टी20 मैचों में नहीं खेल पाए थे। पीसीबी ने यह भी कहा कि पूर्व कप्तान शाहिद आफरीदी की अध्यक्षता वाली अंतरिम चयन समिति और पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को टीम के मेडिकल स्टाफ द्वारा जांच के लिए आमंत्रित किया है ताकि तीन वनडे मैचों के लिए उनकी उपलब्धता पर फैसला किया जा सके। राऊफ रावलपिंडी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू पर चोटिल होने के बाद बाहर हैं और लाहौर में राष्ट्रीय उच्च प्रदर्शन केंद्र में पुनर्वास कर रहे हैं। अब तीन वनडे 9, 11 और 13 जनवरी को कराची के नेशनल बैंक क्रिकेट एरिना में खेले जाएंगे।

पंत की कार दुर्घटना के बाद कपिल देव ने युवा क्रिकेटरों को दी सलाह

नई दिल्ली। विकेटकीपर ऋषभ पंत की भयानक कार दुर्घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए महान क्रिकेटर कपिल देव ने युवाओं को सलाह देते हुए कहा, आप आसानी से ड्राइवर का खर्च उठा सकते हैं। पंत शुक्रवार की सुबह एक कार दुर्घटना का शिकार हो गए थे। वह नई दिल्ली से अपने गृहनगर रुड़की जा रहे थे और अपनी मर्सिडीज कार चला रहे थे। 25 वर्षीय पंत को माथे पर गंभीर चोटें आईं, घुटने का लिगामेंट फट गया, उनकी दाहिनी कलाई, टखने, पैर के अंगूठे में भी चोटें आई हैं। जब उनकी कार देहरादून हाईवे पर डिवाइडर से टकरा गई और आग लग गई थी। 1983 विश्व कप विजेता कप्तान ने कहा, यह युवा क्रिकेटरों के लिए सीख है। जब मैं एक उभरता हुआ क्रिकेटर था, तो मुझे एक मोटरसाइकिल दुर्घटना का सामना करना पड़ा। उस दिन के बाद से, मेरे भाई ने मुझे मोटरसाइकिल को छूने भी नहीं दिया। मैं बस भगवान का शुक्रगुजार हूं कि ऋषभ पंत सुरक्षित है। उन्होंने कहा, हां, आपके पास अच्छी कार है, जिसकी गति बहुत तेज है, लेकिन आपको सावधान रहना होगा। आप आसानी से ड्राइवर का खर्च उठा सकते हैं, आपको इसे अकेले चलाने की जरूरत नहीं है। मैं समझता हूं कि किसी को ऐसी चीजों के लिए शौक या जुनून भी होता है।

एडिलेड इंटरनेशनलः नोस्कोवा ने कसात्किना को हराया

एडिलेड। चेक युवा लिंडा नोस्कोवा ने पहली बार शीर्ष–10 टेनिस खिलाड़ी को अपना शिकार बनाया, जब सोमवार को एडिलेड इंटरनेशनल में डारिया कसात्किना को पहले दौर में मात दी। एडिलेडइंटरनेशनल डॉट कॉम डॉट एयू की रिपोर्ट के अनुसार, 18 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी ने उन्हें 6–3, 6–7 (2), 6–3 से हराया। हाल ही में अगस्त तक दुनिया में नंबर 87 रैंकिंग पर आने के बाद, नोस्कोवा 2022 में एक ब्रेकआउट बनाने पर आमादा थी, जिसमें उन्होंने रोलां गैरो और फ्लशिंग मीडोज में अपने पहले दो ग्रैंड स्लैम मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया और टूर–लेवल सेमीफाइनल में जगह बनाई। नोस्कोवा ने कहा, यह काफी उतार–चढ़ाव वाला रहा है लेकिन मुझे लगता है कि यह वास्तव में अच्छा सीजन था। मैंने लगभग 300 रैंकिंग के आसपास शुरू किया और अब में शीर्ष–100 के अंदर आ चुकी हूं। निश्चित रूप से मुझे (शीर्ष) 100 में वापस आने के लिए इसमें थोड़ा सुधार करने की जरूरत है लेकिन उम्मीद है कि मैं इस साल इसे हासिल कर लूंगी। पिछले साल यूएस ओपन में, नोस्कोवा ने हमवतन लूसी हर्डेका के साथ मिलकर वीनस और सेरेना विलियम्स को हराया था, जो संभवतः 14 बार के ग्रैंड स्लैम युगल चैंपियन का एक साथ आखिरी मैच था। नोस्कोवा ने अपने 2022 हाइलाइट्स के बारे में कहा, प्राग ओपन मेरे लिए वास्तव में एक सफल टूर्नामेंट था, लेकिन एक टूर्नामेंट के अनुभव के रूप में मैं निश्चित रूप से यूएस ओपन कहूंगी।

एक आईपीएल परफॉर्मेंस से टीम इंडिया में एंट्री नहीं : बीसीसीआई बोला–

फ्रेंचाइजी वर्कलोड मैनेज करें, एनसीए साथ मिलकर काम करे...अब स्टार्स को रेस्ट देना होगा

मुंबई।

किसी क्रिकेटर के टीम इंडिया में सिलेक्शन का आधार सिर्फ एक आईपीएल सीजन का प्रदर्शन नहीं होगा। 4 घंटे चली रिव्यू मीटिंग में यह स्पष्ट कर दिया है। मीटिंग में खिलाड़ियों के वर्कलोड, उनकी फिटनेस और टेस्ट पर भी चर्चा की गई।

बीसीसीआई ने आईपीएल फ्रेंचाइजियों को साफ कहा है कि वे खिलाड़ियों के वर्कलोड का मैनेजमेंट करें। नेशनल क्रिकेट अकादमी को बोर्ड ने आदेश दिया है कि वो इस मसले पर फ्रेंचाइजियों के साथ काम करे और कड़ी नजर रखे।

इस मीटिंग में टी–20 वर्ल्ड कप की हार की समीक्षा हुए। 2023 वर्ल्ड कप की तैयारियों पर बड़े फैसले लिए गए।

आईपीएल के संबंध में फैसला क्या और क्यों है

बीसीसीआई ने नेशनल सिलेक्टर्स से कहा कि किसी भी खिलाड़ी को सिर्फ एक शानदार आईपीएल सीजन के आधार पर नेशनल टीम में न चुना जाए। सिलेक्टर्स यह भी ध्यान में रखें कि आईपीएल के अलावा क्रिकेटर ने घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया हो। बोर्ड जसप्रीत बुमराह, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा जैसे स्टार परफॉर्मर्स की चोटों को लेकर भी फिक्रमंद है। इसीलिए आईपीएल फ्रेंचाइजियों को वर्कलोड मैनेजमेंट और खिलाड़ियों की फिटनेस पर नजर रखने का फरमान सुनाया है।

भारतीय टीम 2011 के बाद से वर्ल्ड कप टाइटल नहीं जीत सकी है। 2013 के बाद टीम ने कोई आईसीसी ट्रॉफी पर भी कब्जा नहीं किया है। इसीलिए बोर्ड ने 2023 वर्ल्ड कप को नजर में रखते हुए यह फैसला लिया।

बोर्ड के फैसले का आईपीएल पर क्या असर होगा

बीसीसीआई के फैसले से आईपीएल फ्रेंचाइजियों की मुश्किल बढ़ जाएगी। वर्कलोड मैनेजमेंट और फिटनेस पर नजर रखने का मतलब यह है कि 2023 आईपीएल में कई स्टार्स या तो रोटेड होंगे या फिर उन्हें बीच–बीच में रेस्ट भी दिया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या, चेन्नई के रवींद्र जडेजा, मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह को सशर्त आईपीएल खेलने की मंजूरी दी गई है। क्योंकि ये चारों ही खिलाड़ी 2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए बेहद अहम हैं।

फ्रेंचाइजियों की इस फैसले पर क्या राय है

आईपीएल फ्रेंचाइजियों के ऑफिशियल्स ने कहा, प्लेयर्स आईपीएल को शानदार बनाते हैं न कि उनकी फ्रेंचाइजी। ऐसे में उनका ध्यान रखना जरूरी है। कोई भी दूसरा चोटिल दीपक चाहर या श्रेयस अय्यर नहीं चाहता है, जो पूरे सीजन से बाहर रहे। ऐसे खिलाड़ी आईपीएल ब्रांड के लिए जरूरी हैं। हमें उनके वर्कलोड पर ध्यान देना होगा, ताकि वे चोटिल न हों। ऐसे में उन्हें आराम देना और बहुत एहतियात से मैचों में उनका इस्तेमाल जरूरी होगा।

आईपीएल में किन खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर रहा और वो इंटरनेशनल में फेल हुए राहुल चाहर, वरुण चक्रवर्ती, शिवम दूबे, देवदत्त पडिक्कल, वेंकटेश अय्यर और अवेश खान का आईपीएल में शानदार प्रदर्शन था। इसके बाद ही टीम में जगह दी गई। ये खिलाड़ी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। इनमें से राहुल चाहर और वरुण चक्रवर्ती 2021 में हुए टी–20 वर्ल्ड कप में भी टीम का हिस्सा थे, पर आज वह गायब हैं। सूर्य कुमार यादव, ईशान किशन, अर्शदीप सिंह और दीपक हुड्डा और ऋतुराज गायकवाड़ जैसे खिलाड़ियों को मौका मिला तो इन्होंने जगह पक्की कर ली। आईपीएल के साथ–साथ घरेलू टूर्नामेंट में भी इनका प्रदर्शन शानदार था। ग्राफिक्स के जरिए जान लीजिए कि 2023 में टीम इंडिया कितने मैच खेलेगी 2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए 20 खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट होंगे 2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। इनमें 16 खिलाड़ी तो श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए शामिल किए गए खिलाड़ी हैं। रोहित शर्मा के अलावा विराट कोहली, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, युजवेंद्र चहल और श्रेयस अय्यर का वर्ल्ड कप के लिए चुना जाना तय है। ऋषभ पंत के ठीक होने पर उन्हें भी शामिल किया जा सकता है। संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़, आर अश्विन, भुवनेश्वर कुमार के भी नाम आ सकते हैं।

वनडे वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया 5 सीरीज खेलेगी। सभी में 3–3 मैच होंगे। 50 ओवर का एशिया कप भी खेला जाएगा। सभी 20 खिलाड़ियों को इन मैचों में ट्राय किया जाएगा और फिर वर्ल्ड कप के लिए फाइनल 15 की स्क्वॉड तैयार होगी।

2023 में टीम इंडिया की पहली चुनौती..श्रीलंका से टी–20

टी-20 टीम में मावी, मुकेश और त्रिपाठी जैसे यंग चेहरे, सूर्या पहली बार उप-कप्तान

मुंबई।

3 जनवरी को टीम इंडिया 2023 का पहला मुकाबला खेलेगी। श्रीलंकाई टीम टी–20 और वनडे सीरीज के लिए भारत आ चुकी है। पहले टी–20 के लिए हार्दिक की कप्तानी में टीम में नए चेहरे हैं। सूर्यकुमार को पहली बार उप–कप्तान बनाया गया है। पहले टी–20 को युवाओं के टेस्ट के तौर पर भी देखा जा रहा है। इसे टी–20 वर्ल्ड कप 2024 की तैयारियों की शुरुआत भी कहा जा रहा है। टीम एक्सपेरिमेंट्स कर सकती है और नई रणनीति के साथ नजर आ सकती है।

पहले 2022 के प्रदर्शन पर नजर...सबसे ज्यादा 46 मैच जीते – 2022 में टीम इंडिया ने 71 मैच खेले। 46 में जीत और 21 में हार मिली। 1 मैच टाई रहा जबकि 3 में नतीजा नहीं निकल सका। एक कैलेंडर ईयर में टीम इंडिया ने सबसे ज्यादा मुकाबले जीते हैं।

लीडरशिप नई, सूर्या पहली बार उप कप्तान – साल के पहले टी–20 या कहें सीरीज के लिए टीम की लीडरशिप नई है। मैनेजमेंट ने साल के पहले प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी हार्दिक पंड्या को सौंपी है। सूर्यकुमार को उनका डेप्यूटी बनाया गया है। सूर्या पहली बार टीम इंडिया के उप कप्तान बने हैं।

टीम में 3 नए चेहरे – साल की पहली सीरीज के लिए सिलेक्टर्स ने शिवम मावी, मुकेश कुमार और राहुल त्रिपाठी को शामिल किया है। ये ब्लू जर्सी में खेलते नजर आ सकते हैं।

10 साल में सिर्फ एक बार साल का पहला मैच जीत सके – बीते 10 साल की बात करें तो टीम इंडिया ने सिर्फ एक बार साल का पहला मुकाबला मुकाबला जीता है। दूसरे शब्दों में कहें तो नए साल के पहले मुकाबले में जीत के लिहाज से हमारी टीम का रिकॉर्ड बेहद खराब है। नए साल के पहले मुकाबले में जो इकलौती जीत हमारी टीम के हिस्से आई वो इंग्लैंड के खिलाफ थी। 2017 में टीम इंडिया ने वनडे में इंग्लैंड को तीन विकेट से हराया था। इस साल भारतीय टीम बाइलेट्रल सीरीज के 43 मुकाबले खेलेगी। इनमें 18 वनडे, 17 टी–20 और 8 टेस्ट शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया के ब्राउन ने 270 की स्ट्राइकरेट से रन बनाए: अपना बैट खुद बनाते हैं, 1000+ बैट रिपेयर भी कर चुके

ब्रिस्बेन।

ऑस्ट्रेलिया के 29 साल के जोश ब्राउन बिग बैश टी20 लीग में ब्रिस्बेन हीट की जीत के हीरो रहे। उन्होंने 269.56 की स्ट्राइक रेट से 23 गेंदों पर 62 रन की पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 6 छक्के जमाए। जोश ने दूसरे विकेट के लिए नाथन मैक्स्वानी (84) के साथ 73 रन की साझेदारी की। ब्राउन प्लेयर ऑफ द मैच भी चुने गए। हालांकि, जोश ने खेल की शुरुआत क्रिकेट नहीं बल्कि फुटबॉल से की थी, लेकिन 13 साल की उम्र में उन्होंने क्रिकेट खेलना शुरू किया। 2019 में जोश को ब्रिटेन में खेलने का मौका मिला। उन्होंने एक पारी में 290 रन बनाए। पूरे सीजन में 1000+ रन स्कोर किए और 43 विकेट चटकाए। जोश ने 22 साल की उम्र में ब्रिस्बेन में ग्रेड क्रिकेट खेलना शुरू किया। उन्होंने नार्दर्न सबअर्ब क्लब की ओर से डेब्यू किया। 2020–21 सीजन जोश के लिए बेहतरीन रहा। उन्होंने 53 मैच खेले, जिसमें 34.23 की औसत से 1643 रन बनाए। इसमें 3 शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। 21 विकेट भी झटके। क्रिकेट खेलने के अलावा उनमें बैट बनाने की दक्षता भी है। इसके लिए उन्होंने कोर्स किया है। वे अपने बल्ले खुद बनाते हैं। साथ ही अन्य खिलाड़ियों के लिए भी बल्ले बनाते हैं और रिपेयर भी करते हैं। जोश कहते हैं, 'मुझे क्रिकेट बैट बनाना बहुत पसंद है। मैं हर साल करीब 100 बल्ले बनाता हूं और 1000 से ज्यादा बल्ले रिपेयर करता हूं। मैंने क्रिकेट में लगभग हर संभव ब्रेक देख लिया है।' जोश को फिशिंग और गोल्फ खेलना पसंद है।

ब्रिस्बेन हीट ने मौजूदा सीजन में छह मैच में सिर्फ दूसरी जीत हासिल की। ब्रिस्बेन हीट ने सिडनी सिक्सर्स को 15 रन से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्रिस्बेन हीट ने 224/5 का स्कोर बनाया। जवाब में सिडनी सिक्सर्स की टीम 20 ओवर में 209 रन पर 10 विकेट गंवाकर हार गई। जेम्स विंस और जॉर्डन सिल्क ने 41–41 रन बनाए। माइकल नेसर ने 3 विकेट झटके। यह सिडनी सिक्सर्स की 7 मैच में तीसरी हार है। टीम को लगातार 4 मैच जीतने के बाद पहली हार का सामना करना पड़ा।

साइना एशियाई मिश्रित टीम चैंपियनशिप से हटीं, चयन स्पर्धा में नहीं लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली।

राष्ट्रमंडल खेलों की दो बार की चैंपियन साइना नेहवाल उन बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल हैं जो 14 से 19 फरवरी को दुबई में होने वाली एशियाई मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए होने वाले राष्ट्रीय बैडमिंटन ट्रायल्स में हिस्सा नहीं लेंगे। पूर्व नंबर एक साइना को आकर्षि कश्यप और मालविका बंसोड के साथ ट्रायल्स के लिए शामिल किया गया था।

सीनियर चयन समिति को एशियाई प्रतियोगिता में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के साथ दूसरी महिला एकल खिलाड़ी चुनने के लिए इन तीनों के नाम शामिल किए थे। साइना और मालविका दोनों ने ट्रायल्स में हिस्सा नहीं लेने की घोषणा की। एकल में चयन के लिए अब आकर्षि और अस्मिता के बीच मुकाबला होगा। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के एक सूत्र ने कहा– साइना और मालविका ने बीएआई को ट्रायल्स के लिए अपनी अनुपलब्धता की जानकारी दी। इसलिए अस्मिता चालिहा को ट्रायल्स के लिए आमंत्रित किया गया है। कुछ अन्य खिलाड़ियों ने भी हटने का फैसला किया है।

अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी भी ट्रायल्स के लिए उपलब्ध नहीं होगी क्योंकि कुछ महीने पहले यह जोड़ी टूट चुकी है। महिलाओं के युगल में दो स्थान दाव पर लगे होंगे जिसमें तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद दौड़ में सबसे आगे हैं। ट्रायल्स में अन्य दो जोड़ियां अश्विनी भट्ट और शिखा गौतम तथा हरिथा मानाजियी और आश्ना रॉय की हैं। समिति ने 25 दिसंबर को वर्चुअल बैठक की थी, जिसमें उसने ट्रायल्स से 14 सदस्यीय टीम के अन्य सदस्यों का चयन करने का फैसला किया था। अब यह ट्रायल खिलाड़ियों की अनुपलब्धता के कारण एक दिन में ही हो जाएगा। पता चला है कि एम आर अर्जुन भी चोटिल हो गए हैं और वह भी ट्रायल्स का हिस्सा नहीं हो पाएंगे जिससे पुरुष युगल स्थान के लिए कृष्णा प्रसाद गार्गा और विष्णुवर्धन गौड़ पी तथा ईशान भटनागर और साई प्रतीक की जोड़ी के लिए यह नॉकआउट मुकाबला होगा। विजेता जोड़ी टीम में सात्विक और चिराग के साथ जुड़ जाएगी। मिश्रित युगल में एक स्थान के लिए ईशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो तथा रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी की नई जोड़ी के विकल्प होंगे। साइना के लिए 2022 काफी मुश्किल रहा जिसमें वह कई तरह की चोटों से जूझती रहीं और फॉर्म में नहीं होने से वह विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर खिसक गईं। अपने कार्यभार प्रबंधन के लिए वह पिछले साल अप्रैल में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के चयन ट्रायल में भी उपलब्ध नहीं हो पाई थीं।

बाउंड्री के 3 मीटर बाहर कैच, आउट देने पर विवाद

फील्डर ने 2 बार बॉल को उछाला, 3 बार पकड़ा

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में नए साल के पहले ही दिन एक कैच पर कॉन्ट्रोवर्सी हो गई। ब्रिसबेन हीट और सिडनी सिक्सर्स के बीच मैच हुआ। 19वें ओवर की दूसरी बॉल पर सिक्सर्स टीम के जॉर्डन सिल्क ने एक्स्ट्रा कवर की ओर हवा में शॉट खेला। जहां हीट टीम के माइकल नेसर ने 3 प्रयास में अद्भुत कैच पकड़ लिया। इसी कैच पर अब कॉन्टोवर्सी होने लगी है।

क्या है कॉन्ट्रोवर्सी

नेसर ने बाउंड्री के अंदर बॉल को पकड़ा और बॉल को हवा में पहले उछाल दिया। बॉल बाउंड्री के बाहर गई। नेसर करीब 2–3 मीटर बाउंड्री के बाहर गए और हवा में उछलते हुए बॉल को दूसरी बार उछाल कर ग्राउंड के अंदर पहुंचा दिया। फिर वापस बाउंड्री के अंदर गए और कैच पूरा कर लिया। अंपायर ने सिल्क को आउट दिया और उनकी टीम मैच हार गई। इस कैच के बाद क्रिकेट एक्सपर्ट्स भी कन्फ्यूज हो गए। कई एक्सपर्ट बोले कि एक बार बाउंड्री के बाहर जाने के बाद फील्डर कैच ले तो उसे लीगल नहीं मानना चाहिए। वहीं, कइयों ने इस कैच को लीगल माना। आगे खबर में हम जानेंगे कि इस तरह के कैच पर आईसीसी का आधिकारिक नियम क्या कहता है। साथ ही इस तरह के कैच का दूसरा उदाहरण भी देखेंगे।

क्या कहता है एमसीसी का नियम

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के लिए क्रिकेट के नियम बनाने वाले मेरीलबोन क्रिकेट क्लब के रूल नंबर 19.5.2 में इस तरह के कैच का जिक्र है। इसके अनुसार, कैच लेते वक्त बॉल को पहली बार छूते समय फील्डर के पैर बाउंड्री के अंदर होने चाहिए। फिर कैच पूरा करते वक्त भी फील्डर के पैर बाउंड्री के अंदर ही होने चाहिए। बॉल से इन दोनों कॉन्टैक्ट के बीच फील्डर बाउंड्री से बाहर जा सकता है। वो बाउंड्री के बाहर हवा में उछलकर बॉल को ग्राउंड के अंदर भी फेंक सकता है, लेकिन बाउंड्री के बाहर खड़े होकर बॉल को नहीं छू सकता। ऐसा करने से कैच कम्प्लीट नहीं माना जाएगा और बैटर नॉटआउट रहेगा।

नेसर का कैच नियमों के खिलाफ क्यों नहीं

बिग बैश में नेसर ने कैच लेते वक्त एमसीसी के नियमों का पालन किया। पहली बार बॉल को छूते वक्त वह बाउंड्री के अंदर थे और कैच पूरा करने के दौरान भी वह बाउंड्री के अंदर ही थे। इस बीच वह बाउंड्री के बाहर भी गए, लेकिन वहां खड़े होकर बॉल को नहीं छुआ। उन्होंने हवा में उछलकर बॉल को ग्राउंड के अंदर फेंका था। इसीलिए उनका कैच कम्प्लीट माना गया और सिल्क आउट करार दिए गए। कई एक्सपर्ट इस बात पर भी बहस करते हैं कि अगर फील्डर बॉउंड्री के बाहर जाकर कैच ले सकता है, तो उसे शॉट लगने से पहले ही बाहर खड़ा क्यों नहीं कर देते। इसका जिक्र भी एमसीसी के रूल नंबर 19.5.2 में ही है। इसके अनुसार, बॉल फेंके जाने से पहले सभी फील्डर्स को बाउंड्री के अंदर ही रहना होगा। बॉल फेंके जाने के बाद भी फील्डर को ग्राउंड के अंदर एक बार गेंद को छूना होगा। इसके बाद ही वह बाउंड्री के बाहर जाकर कैच या बाउंड्री बचाने का प्रयास कर सकता है। वहीं, बॉल फेंके जाने से पहले अगर फील्डर बाउंड्री के बाहर खड़ा रहता है तो उस बॉल को नो बॉल करार दिया जाएगा। बिग बैश में नेसर से पहले ब्रिसबेन हीट के मैथ्यू रेन्शो के कैच पर भी इसी तरह का विवाद हुआ था। 9 जनवरी 2020 को होबार्ट हरिकंस और ब्रिसबेन हीट के बीच मैच के दौरान कॉन्ट्रोवर्सी हुई थी। हीट के बॉलर बेन कटिंग की बॉल पर हरिकंस के मैथ्यू वेड ने स्लॉग शॉट खेला। बॉल डीप मिड–विकेट पर गई। जहां मैथ्यू रेन्शो ने बाउंड्री के बाहर से हवा में उछलकर बॉल को साथी फील्डर टॉम बैंटन को दिया। बैंटन ने बाउंड्री के अंदर कैच पूरा किया और वेड 61 रन के स्कोर पर आउट हो गए।

बच्चों में छुपी इंटेलिजेंस को समझकर सही दिशा दें

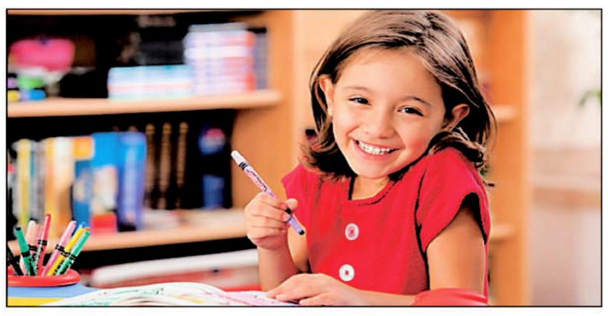

हर बच्चे के अंदर कोई-न-कोई प्रतिभा और इंटेलिजेंस छुपी होती है। लेकिन कई बार अभिभावक उसे खेल-कूद समझकर अनदेखा कर देते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपने बच्चे के अंदर छुपी इंटेलिजेंस को समझें और उसे सही दिशा देने की कोशिश करें ।

लॉजिकल- मैथमैटिकल इंटेलिजेंस

बच्चों के अंदर छुपी लॉजिकल- मैथमैटिकल इंटेलिजेंस यह दर्शाती है कि उसकी सोचने की क्षमता लॉजिकल मैनर में अधिक है। अगर आपके बच्चे में इस तरह की योग्यता है तो आप उसकी इंटेलिजेंस को बढ़ाने के लिए उसे घर पर रीजिनिंग, मैथ्स आदि के छोटे-छोटे सवाल दें। इसके बाद उसे छोटे-छोटे बजट प्लानिंग के सवाल दें और इसी तरह क रियर में सहयोग करें।

लक्षण- इस तरह के बच्चे पज़ल्स, टीजर्स, और लॉजिक वाले गेम खेलना ज्यादा पसंद करते हैं। जब तक कि किसी पज़ल या प्रश्न का जवाब न ढूंढ लें तब तक हार नहीं मानते हैं। ऐसे बच्चे यह भी कोशिश करते हैं कि उस टास्क को विभिन्न तरीके से कैसे किया जा सकता है। इसके अलावा गाड़ी नम्बर और मोबाइल नंबर भी ऐसे बच्चों को सबसे जल्दी याद हो जाता है।

वर्बल- लिंग्विस्टिक्स इंटेलिजेंस

वर्बल लिंग्विस्टिक्स इंटेलिजेंस वाले बच्चे में विभिन्न तरह की भाषाएं सीखने की क्षमता ज्यादा होती है। इस तरह के बच्चे हमेशा दूसरों की भाषा या डिफिकल्ट वर्ड बहुत जल्दी सीख जाते हैं और बोलने का प्रयास करते हैं। ऐसे बच्चे लैंग्वेज कमांड में भी अपना करियर बना सकते हैं। इसमें बच्चों की प्रतिभा बढ़ाने के लिए उन्हें छोटे-छोटे टॉपिक्स दें और उस पर एक कहानी लिखने को कहें। साथ ही उनकी पसंदीदा किताब उन्हें पढ़ने के लिए दें। अक्सर अभिभावकों को लगता है कि बच्चों को अपने सिलेबस की ही किताबें पढ़नी चाहिए। अन्य किताबों पर समय बरबाद होता है, पर यह धारणा गलत है। बस बच्चे को उसकी उम्र के अनुरूप किताबें देनी चहिए।

लक्षण- वर्बल लिंग्विस्टिक्स इंटेलिजेंस वाले बच्चे अपनी शुरूआती उम्र में कविता सबसे जल्दी सीखते हैं और उसका उच्चारण भी बिल्कुल सही करते हैं। इसके अलावा ऐसे बच्चों को लिखने और किताबें पढ़ने में इंटरेस्ट ज्यादा होता है। इस तरह के बच्चे अपने आप कई छोटी-छोटी स्टोरी क्रियेट कर लेते हैं, साथ ही ये बोलचाल की भाषा और उच्चारण में हुई गलतियों को भी जल्दी पकड़ते हैं।

म्यूजिकल इंटेलिजेंस

कई बच्चों की म्यूजिकल यानी संगीत की रुचि बहुत अधिक होती है। म्यूजिकल इंटेलिजेंस वाले बच्चों की आवाज और बोल- चाल में रिदम देखने और सुनने को मिलेगी। म्यूजिक के शौकीन बच्चों को एक्टिविटीज के तौर पर म्यूजिकल क्लास में एडमिशन करा देना चाहिए। हो सकता है इसमें ही बच्चे का सुनहरा भविष्य छिपा हो। बच्चा कई रियेलिटी शो में भी हिस्सा ले सकता है और साथ ही एक अच्छा सिंगर और म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट एक्सपर्ट भी बन सकता है।

लक्षण- इस तरह की योग्यता वाले बच्चे अपनी शुरूआती उम्र में गाना सुनते ही उसे बड़ी जल्दी कैप्चर कर लेते हैं, साथ ही गाने और कविता को सही टोन के साथ गाने की कोशिश करते हैं। कई बार बातें भी गाने की टोन में बोलते हैं। जिसे हम मजाक या शरारत समझकर इग्नोर कर देते हैं। म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट की तरफ भी बच्चों का ध्यान भागता तरह के खिलौने पसंद करते हैं।

विजुअल स्पेशियल इंटेलिजेंस

बच्चों में विजुअल इंटेलिजेंस उनकी क्रिएटिविटी को दर्शाती है। कई बच्चे आर्ट में मास्टर होते हैं इसलिए वे अन्य विषयों की अपेक्षा ड्राइंग में ज्यादा रुचि दिखाते हैं। लेकिन अभिभावकों को लगता है कि इसमें उनका कोई भविष्य नहीं है इसलिए वे अन्य विषयों इंग्लिश और मैथ्स पर ज्यादा जोर देते हैं। यदि आपके बच्चे की आर्ट और विजुअल स्पेशियल में रुचि है तो वो एक एनालिटिक्स स्पेशलिस्ट, आर्टिस्ट, डिजाइनर, इंटीरियर डेकोरेटर के तौर पर भी अपना भविष्य बना सकता है।

लक्षण- इस तरह की इंटेलिजेंस वाले बच्चे ज्योमैट्री और फिजिक्स जैसे डिफिकल्ट विषय के डायग्राम, चार्ट, ग्राफ्स व मैप आदि को बेहतरीन ढंग से डिजाइन कर लेते हैं। इसके अलावा कोई भी डायरेक्शन इन्हें जल्दी याद हो जाती है। यह किसी का चेहरा और अपनी इमेजिनेशन यानी कल्पना को भी कागज पर उतार सकते हैं।

योग से तन और मन का सौंदर्य निखारें

योग जीवन जीने की कला है। योगासन जहां हमारे शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं, वहीं प्राणायाम मानसिक शक्ति का विकास करते है। योगाभ्यास शरीर को स्वस्थ व सुडौल बनाने के साथ हमारे विचारों को भी निर्मल बनाने में सहायक होता है।

आज महिलाएं घर और परिवार की ज़िम्मेदारी बखूबी निभा रही हैं। बेटी, बहू, मां और पत्नी की भूमिका निभाते हुए वह अक्सर अपने ऊपर ध्यान नहीं दे पाती। रोजाना सुबह से रात तक के इस भाग दौड़ भरे जीवन में उनके लिए एक नियमित दिनचर्या का पालन संभव नहीं हो पाता है। परंतु यदि वह प्रतिदिन सिर्फ एक घंटे का योगाभ्यास करती है जिसमें प्राणायाम एवं ध्यान भी शामिल है, शरीर को स्वस्थ व सुडौल बनाने के साथ हमारे विचारों को भी निर्मल बनाने में सहायक होता है। योग जीवन जीने की कला है। योगासन जहां हमारे शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं, वहीं प्राणायाम मानसिक शक्ति का विकास करते है।

महिलाओं के जीवन में योग क्यों है आवश्यक

महिलाएं योग को अपनी जीवन शैली का अभिन्न अंग बनाकर न केवल शारीरिक रूप से स्वास्थ रह सकती हैं, बल्कि जीवन में विभिन्न प्रकार के मानसिक विकारों को दूर कर एक संतुलित जीवन जी सकती हैं।

- नियमित योगाभ्यास शरीर में न केवल चुस्ती-फुर्ती लाता है, बल्कि अतिरिक्त चर्बी को घटाकर शरीर को सुडौल, लचीला एवं रोगमुक्त बनाता है ।
- महिलाओं का जीवन चक्र हार्मोन्स के साथ जुड़ा है। इस्ट्रोजन व प्रोजेस्ट्रोन हार्मोन्स का संतुलन बेहद जरूरी है। आयु की हर अवस्था में यह अपना प्रभाव बनाए रखते हैं। आसनों के माध्यम से की गई आकुंचन-संकुचन की क्रिया हार्मोन्स का संतुलन बनाए रखने के लिए सबसे अधिक सहयोगी होती है।
- शरीर में रक्त का सुचारु रूप से संचार, प्रतिरोधक शक्ति में सुधार एवं ग्रंथियों से होने वाले स्राव का नियंत्रण भी योग द्वारा ही संभव है।
- योग द्वारा महिलाओं का सामान्य स्वास्थ्य तो अच्छा बनता ही है, उसके प्रजनन अंग भी स्वस्थ एवं सुद्रढ़ बनते हैं।
- नियमित योगाभ्यास से चेहरे पर दमक, आंखों में चमक, त्वचा में कोमलता एवं कांति आती है। मन प्रसन्न रहता है।
- योग से चित एकाग्र होता है, मन की चंचलता समाप्त करने के लिए प्राणायाम सटीक योग है।
- अक्सर परिवार में छोटी-छोटी बातों को लेकर तनाव और मानसिक परेशानी हो जाती है, अगर हम नियमित योगाभ्यास करते हैं तो इन छोटी-छोटी परेशानियों से घबराएंगे नहीं बल्कि संतुलित दिमाग से इन सबका सामना करेंगे।
- नियमित योग महिलाओं में आजकल प्रदूषण के कारण बढ़ रही एजिंग की प्रक्रिया को रोकता है।

नियमित योग हमारे विचारों को सकारात्मक बनाता है साथ ही व्यक्तिव को भी निखारता है।

- यदि महिलाएं नियमित योग करती हैं तो वह अपने बच्चों को भी योगाभ्यास के लिए प्रेरित कर पाएंगी और अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे पाएंगी।

हर मौसम में हिट है यह फैशन

सर्दियों में सबसे ज्यादा टेंशन फैशन ट्रेंड को लेकर होती है. मोटे-मोटे ऊनी कपड़ों के बीच ट्रेंडी नजर आना किसी चुनौती से कम नहीं है लेकिन कुछ चीजें सदाबहार होती हैं. इन टिप्स को अपनाकर आप भी ट्रेंडी और क्लासिक नजर आएंगी... तो खुद को तैयार कर लीजिए.

नाजुक पेस्टल रंगों का चयन

टोट या चेन स्ट्रैप, बैग चाहे जो भी हो, पर सुनिश्चित करें कि इस मौसम में सब नाजुक पेस्टल रंगों का ही हो.

समय की बचत

रोज और रोज गोल्ड घड़ियां देंगी रॉयल लुक.

आंखों की हिफाजत

कैट आइ सनग्लासेज को अलविदा कहें और बग आइ सनग्लासेज चुनें.

ज्वेलरी का कमाल

क्रिस्टल और राइनस्टोन (स्टफिक) ज्वेलरी की लेयर्स चमकीली होंगी और बहुत ज्यादा ध्यान अट्रैक्ट करेंगी.

जूतों का जादू

आरामदेह फैशन का स्थान सबकी सूची में अव्वल होता है. अपनी टीम वाली सैंडल्स की जगह डेपर लेदर मोकैसिन्स यानी सॉफ्ट चमड़े से बनें सपाट जूतें पहनें.

लिप्स का कमाल

होंठों पर लाल रंग की लिपस्टिक से ज्यादा आकर्षक भला और क्या लगेगा. इसलिए इस कलर को बेहिचकर लगाएं.

डेस्क जॉब से होने वाले नुकसानों से ऐसे बचें

लंबे वक्त तक डेस्क पर बैठे रहने से आपकी बॉडी में खिंचाव आ सकता है। यही वजह है कि फिट रहने के लिए चलना-फिरना और फ्लेक्सिबिलिटी जरूरी है। 9 से 5 की जॉब धीरे-धीरे आपकी हेल्थ खराब करने लगती है। यहां दिए तरीकों से आप कुछ कॉमन समस्याओं को दूर रख सकते हैं।

पीठ दर्द : भले ही आप एक्सर्साइज न करें लेकिन ध्यान रखें कि डेस्क पर सही पॉश्चर में बैठें। यह बेहद जरूरी है कि आपकी कुर्सी ठीक से रखी हो और आपके पैर न लटकते रहें। ध्यान रखें कि आपकी पीठ और गर्दन पर तनाव न हो। हफ्ते में दो-तीन बार एक्सर्साइज और ऐब्डॉमिनल क्रंचेस आपको मजबूती देंगे। इससे आपका पॉश्चर सही रहेगा और पीठ पर प्रेशर भी नहीं रहेगा।

कलाई में तनाव : लगातार टाइप करने, रिपोर्ट लिखने और ई-मे के जवाब देने से आपकी कलाई को काफी नुकसान हो सकता है। आप कितनी देर तक ऐसा करते हैं और कीबोर्ड यूज करते वक्त कलाई की पोजिशन क्या है, इसका भी फर्क पड़ता है। अगर हाथ में झंझनाहट या सुन्न पड़ने जैसी शिकायत हो तो सतर्क हो जाएं। बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। तनाव से राहत के लिए नमस्ते की पोजिशन में हाथों को चेस्ट के सामने लाएं और कोहनी बाहर की ओर मूव करें, हाथों को तब तक झुकाएं जब तक कलाई में अच्छा-खासा स्ट्रेच न मसहूस होने लगे।

आंखों में परेशानी : क्योंकि कंप्यूटर स्क्रीन पर आपका काफी सारा वक्त जाता है, इससे आपकी आंखों में तनाव हो सकता है। इससे आंखों में ड्राइनेस और थकान हो सकती है। कंप्यूटर स्क्रीन आंखों से दूर रखें। स्क्रीन न ज्यादा दूर होनी चाहिए, न पास। लाइट की व्यवस्था सही रखें और स्क्रीन से हर 20 से 30 मिनट पर नजर हटाएं।

बागबानी के ये भी हैं फायदे

एक समय था जब बहुमंजिला इमारतों में आशियाना नहीं तलाशा जाता था, खुले आंगन और छोटे से बगीचे वाले आशियाने को प्राथमिकता दी जाती थी. बगीचे पर तो खासतौर पर ध्यान दिया जाता था, क्योंकि यही उन के घर की साजसज्जा का जरीया होता था और अपनी पसंद की सब्जियां वगैरह उगाने का भी. वक्त ने करवट बदली, तो आधुनिकता ने आंगन भी निगल लिया और बगीचा भी. लेकिन एक बार फिर लोगों में अपने घर पर एक छोटा सा बगीचा तैयार करने की उत्सुकता को देखा जा रहा है. भले ही लोग गार्डन को जरूरत या शौक के नजरिए से न देख लाइफस्टाइल स्टेटस में इजाफा समझ कर अपने आशियाने में जगह दे रहे हों, लेकिन होम गार्डन के ट्रैंड पर उन्होंने अपनी सहमति की मुहर जरूर लगा दी है.

इस बाबत बागबानी विशेषज्ञा डाक्टर दीप्ति कहती हैं, ''बगीचा होना अब घर की शान समझा जाता है. लोग इस में फैंसी पौधे और फूल उगाते हैं, जो घर की खूबसूरती को बढ़ाते हैं. असल में गार्डन होना और गार्डनिंग करने में बहुत अंतर है. भले गार्डन आशियाने की रौनक को बढ़ा दे, मगर उस में रहने वालों को इस का असली सुख तभी मिलेगा जब वे इस की उपयोगिता को भी समझेंगे.''

उपयोगिता बागबानी की

बागबानी समय का सब से अच्छा सदुपयोग है. बागबानी विशेषज्ञ डाक्टर आनंद सिंह कहते हैं, ''आज की भागतीदौड़ती दिनचर्या में किसी के पास वक्त नहीं है. लोग औफिस के काम से फुरसत पाते हैं तो घरेलू कार्यों में मसरूफ हो जाते हैं. फिर अगर समय मिलता है तो वीकैंड में शौपिंग करने निकल जाते हैं. कई बार तो फुजूलखर्ची करते हैं. ऐसे में मानसिक संतुष्टि मिलने के बजाय उलटा अवसाद घेर लेता है. अतः इस से अच्छा तो यह हो कि घर पर रह कर कुछ रचनात्मक काम किया जाए. इस में बागबानी से बेहतर और कोई विकल्प नहीं हो सकता है, क्योंकि यह आप को मानसिक सुख देने के साथसाथ अच्छी सेहत और भरपूर ज्ञान भी देगा.'' यहां डच (जरमनी) लोगों का उदाहरण देना सही रहेगा, क्योंकि वहां करीबकरीब सभी लोगों के पास अपना बगीचा है, जिस में खाली समय में वे बागबानी करते हैं. उन्हें मौल्स में घूमने से ज्यादा बेहतर बागबानी करना लगता है. यहां आम लोग ही नहीं वरन सैलिब्रिटीज भी गार्डनिंग का शौक रखते हैं. एक डच पत्रिका में जरमनी के मशहूर शैफ, जौन लफर के अनुसार, यदि वे देश के मशहूर शैफ न बन पाते तो खुशी से गार्डनिंग के पेशे में आते. वैसे शैफ जौन अभी भी अपने पेशे के अलावा गार्डनिंग में खास दिलचस्पी रखते हैं. यही वजह है कि वे अपने पौटेड प्लांट्स कलैक्शन के पैशन को छिपा नहीं पाते.

वैसे जरमनी ही नहीं हमारे देश में भी बहुत से लोग बागबानी का शौक रखते हैं, लेकिन विस्तृत जानकारी के अभाव और इस की उपयोगिता से अनजान होने की वजह से अपने शौक को बढ़ावा नहीं दे पाते. फिर भी कुछ सैलिब्रिटीज की बात करें तो बौलीवुड के अभिनेता और अभिनेत्रियां, जिन का ज्यादा वक्त शूटिंग करते ही बीतता है, खाली वक्त में या तो पार्टी करना पसंद करते हैं या फिर छुट्टियां बिताने विदेश पहुंच जाते हैं. लेकिन कुछ अरसा पहले एक इंटरटेनमैंट वैबसाइट को दिए इंटरव्यू में अभिनेत्री सेलिना ने कहा कि वे अपने प्रोफैशन से वक्त मिलते ही छत पर बनाई अपनी बगिया में पहुंच जाती है।

नैशनल ज्योग्राफिक औथर एवं रिसर्चर डैन बटनर के अध्ययन के अनुसार, बागबानी करने वालों का जीवन आम लोगों से 14 वर्ष अधिक होता है. कैसे, आइए जानें.

- बागबानी दिन में ही की जाती है, इसलिए जाहिर है कि बागबानी के दौरान सूर्य के संपर्क में आना पड़ता है, जिस से शरीर को विटामिन डी मिल जाता है. विटामिन डी शरीर को कैंसर और हृदय से जुड़ी बीमारियों से बचाता है.
- यह भ्रम है कि मिट्टी में हाथ सनने से बैक्टीरिया चिपक जाते हैं, जिस से संक्रमण का खतरा रहता है. दरअसल, मिट्टी प्राकृतिक बैक्टीरिया, मिनरल्स, माइक्रोऔर्गैनिज्म का प्रमुख स्रोत होती है. रोजाना मिट्टी के स्पर्श से शरीर का इम्यून सिस्टम अच्छाहोता है.
- लोगों में भ्रांति है कि नंगे पैर जमीन पर रखने से वे मैले हो जाते हैं. लेकिन यह सोचना गलत है. त्वचा का धरती से सीधा संपर्क शरीर में इलैक्ट्रिकल ऐनर्जी द्वारा पौजिटिव इलैक्ट्रोंस जेनरेट करता है.
- आधुनिक जीवनशैली में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने लोगों को अवसाद के आगोश में धकेल दिया है, जिस से तमाम तरह की बीमारियां जन्म ले रही हैं. बागबानी इन बीमारियों से बचने का एक सरल उपाय है, क्योंकि इस से मिलने वाला सुख शरीर पर प्रत्यक्ष रूप से असर डालता है और दिमाग को तनावमुक्त रखता है.
- बागबानी का अर्थ केवल फूल उगाना नहीं. घरों में किचन गार्डन भी तैयार किया जा सकता है. इस से मिलने वाली सब्जियां आप के शरीर को पोषण देने के साथसाथ ऐंटीऔक्सिडैंट भी देंगी और जहरीले तत्त्वों से भी शरीर की सुरक्षा करेंगी.
- बागबानी करने वालों को जिम जाने की जरूरत भी नहीं पड़ती, क्योंकि बागवानी में काम करते हुए ही पूरी ऐक्सरसाइज हो जाती है.

कम जगह और पैसों में भी संभव

यह सच है कि बागबानी महंगा शौक है. लेकिन आप चाहें तो कम पैसों में भी यह संभव हो सकती है. जरा सोचिए, फल और सब्जियों के आसमान छूते भाव के चलते अपनी जेब ढीली करने से बेहतर यही है कि घर पर ही इन्हें उगा लिया जाए, जो आप को अच्छा स्वाद, सेहत और संतुष्टि देने के साथसाथ आप के बजट को भी बिगड़ने नहीं देंगी. डाक्टर दीप्ति कहती हैं, ''आजकल बड़े शहरों में ताजा हवा के लिए औक्सीजन जोन बनाए जा रहे हैं. वहां लोग भारी कीमत चुका कर चंद घंटे गुजारने जाते हैं. लेकिन चंद घंटों में मिली ताजा हवा से क्या होता है? ऐसा आप महीने में 1 बार कर सकते हैं।

रेसिपी

एप्पल एंड डेट्स मिल्कशेक

सामग्री

- -150 ग्राम सेब
- - 40 ग्राम खजूर
- - 220 मि.ली दूध
- - 2 टीस्पून दालचीनी पाउडर
- - 1 कप बर्फ

विधि

ब्लेंडर में सेब, खजूर, दूध, दालचीनी पाउडर और बर्फ डालकर अच्छे से ब्लेंड कर लें। फिर मिक्सर को गिलास में निकाल लें। अब इसमें दालचीनी पाउडर मिलाएं और सेब की स्लाइस डालकर गार्निश करके सर्व करें।

ड्राय फूड लड्डू

सामग्री

घी- 1 टेबलस्पून, काजू- 50 ग्राम, बादाम- 50 ग्राम, पिस्ता- 50 ग्राम, अखरोट- 50 ग्राम घी- 1 टेबलस्पून, किशमिश- 70 ग्राम, सूखे अंजीर- 50 ग्राम, खजूर- 70 ग्राम, इलायची पाउडर- 1 टीस्पून, घी- 3 टेबलस्पून

विधि

एक पैन में 1 टेबलस्पून घी गर्म करके उसमें 500 ग्राम काजू, 50 ग्राम बादाम, 50 ग्राम पिस्ता और 50 ग्राम अखरोट डालकर 5-7 मिनट तक हल्का बाउन होने तक रोस्ट करें। इसके बाद एक ब्लैंडर में इस मिश्रण को डालकर अच्छी तरह ब्लैंड करके साइड पर रखें। पैन में घी गर्म करके 70 ग्राम किशमिस, 50 ग्राम सूखी अंजीर और 70 ग्राम खजूर डालकर 3-5 मिनट तक अच्छी तरह रोस्ट करें। अब इस इस मिश्रण को भी ब्लैंडर में डालकर अच्छी तरह ब्लैंड करके साइड पर रख लें। एक बाउल में इन दोनों मिक्रर को डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसमें 1 टीस्पून दालचीनी पाउडर और 3 टेबलस्पून घी डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसमें से थोड़ा मिक्रर लेकर हाथों से इसकी गेंदे बनाकर प्लेट में रखें। आपके ड्राई फरूट्स लड्डू बन कर तैयार है। अब आप इसे सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**